आज का मौसम
32.0° अधिकतम तापमान
27.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.39
सूर्यास्त 06.56

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com
2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

भाद्रपद कृष्ण पक्ष प्रतिपदा 12:10 उपरांत द्वितीया विक्रम संवत 2082

रविवार, 10 अगस्त 2025, वर्ष 6, अंक 261, पृष्ठ 14+4 ■ मूल्य 6 रुपये

निर्यात संवर्धन मिशन जल्द होगा शुरू करेगी सरकार - 12

बंगाल में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर किया लाठीचार्ज - 12

रूस के साथ सभी मोर्चों पर सहयोग जारी रखेगा भारत - 13

एशेज के लिए फिट होने के लिए रिहैब का विकल्प चुन सकते हैं वोक्स- 14

रक्षाबंधन

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को अपने आवास पर रक्षाबंधन मनाया। यहां स्कूली बच्चों ने उनकी कलाई पर राखी बांधी। मोदी ने इस उत्सव की एक वीडियो क्लिप भी साझा की।

पाकिस्तान के 5 लड़ाकू व एक बड़ा विमान किया था ध्वस्त

बेंगलुरु, एजेंसी

ऑपरेशन सिंदूर

- एयर चीफ मार्शल बोले- सतह से हवा में मार गिराने का यह सबसे बड़ा रिकॉर्ड
- एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम भी भारत के लिए गेम-चेंजर बना

एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने शनिवार को कहा कि भारतीय वायुसेना ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के पांच लड़ाकू विमानों और एक बड़े विमान को मार गिराने की पुष्टि की है। उन्होंने इसे भारत द्वारा सतह से हवा में मार गिराने का अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड बताया।

उन्होंने यहां एयर चीफ मार्शल एलएम कात्रे स्मृति व्याख्यान के 16वें संस्करण के दौरान कहा, हमें उस एडब्ल्यूसी हैंगर में कम से कम एक एडब्ल्यूसी तथा कुछ एफ-16 विमानों के होने का संकेत मिला है, जिनका वहां रखरखाव किया जा रहा है। हमारे पास कम से कम पांच लड़ाकू विमानों को मार गिराए जाने की पुष्ट जानकारी है और एक बड़ा विमान है, जो या तो विमान हो सकता है या फिर एडब्ल्यूसी (एयरबोर्न वॉर्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम), जिसे लगभग 300 किलोमीटर की दूरी से निशाना बनाया गया। इस ऑपरेशन के परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में मानवरहित हवाई वाहन (यूएवी), ड्रोन और उनकी कुछ मिसाइलें भी भारतीय क्षेत्र में गिरीं। सिंह ने कहा कि विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर भारतीय वायुसेना ने हवाई क्षेत्र पर हमला करने का निर्णय लिया।

वायुसेना प्रमुख ने कहा, इसलिए हवाई अड्डे पर हमला किया गया और मुख्य भवन पर भी हमला किया गया, जहां योजनाएं बनती हैं, और इसका इस्तेमाल कभी-कभी सिविल टर्मिनल भवन के रूप में भी किया जाता था। जहां तक सुकूर एयरबेस का सवाल है, हमने यूएवी हैंगर और रडार स्थल पर हमला किया। सरगोधा के बारे में वायुसेना प्रमुख ने कहा, हम अपनी वायुसेना में ऐसे ही दिनों का सपना देखते हुए बड़े हुए हैं। किसी दिन हमें मौका मिलेगा। संयोग से मुझे अपनी सेवानिवृत्ति से पहले यह मौका मिल गया। एयर चीफ मार्शल के अनुसार, एस-400 वायु रक्षा प्रणाली पासा पलटने वाली साबित हुई है। इस प्रणाली की रेंज ने पाकिस्तान के विमानों और यूएवी को भारतीय रक्षा प्रणाली से दूर रखा था।

सिंह ने कहा, सीडीएस का पद सैन्य अभियानों में एक महत्वपूर्ण बदलाव लेकर आया है।

रक्षा उत्पादन सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर : राजनाथ

नई दिल्ली। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत का वार्षिक रक्षा उत्पादन 2024-25 में 1,50,590 करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। यह उपलब्धि पिछले वित्त वर्ष के 1.27 लाख करोड़ के रक्षा उत्पादन की तुलना में 18 प्रतिशत की अभूतपूर्व वृद्धि को दर्शाती है। सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में यह रिकार्ड बना है। 2019-20 के बाद से अब तक 90% की बढ़ोतरी को भी प्रदर्शित करती है, उस समय यह आंकड़ा 79,071 करोड़ रुपये था।

आतंकियों से मुठभेड़ में दो जवान शहीद, 2 घायल

कुलगाम में रातभर चली मुठभेड़, नौ दिन से घाटी में ऑपरेशन जारी

- घाटी में सबसे लंबे आतंकवाद रोधी अभियानों में से एक

श्रीनगर, एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में आतंकवादियों के साथ रातभर हुई मुठभेड़ में सेना के दो जवान शहीद हो गए और दो घायल हो गए। यह मुठभेड़ शनिवार को नौवें दिन भी जारी है और घाटी में सबसे लंबे आतंकवाद रोधी अभियानों में से एक है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सेना की श्रीनगर स्थित चिनार कोर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में मुठभेड़ में शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि दी और कहा कि अभियान अब भी जारी है।

दक्षिण कश्मीर जिले के अखल में एक जंगल में आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी मिलने के बाद एक अगस्त को सुरक्षाबलों ने घेराबंदी व तलाश अभियान शुरू किया था। मुठभेड़ में अब तक दो आतंकवादी मारे जा चुके हैं। मारे गए आतंकवादियों की पहचान और उनके समूह का अभी तक पता नहीं चल पाया है। चिनार कोर ने शनिवार को 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, चिनार कोर देश की सेवा में अपने प्राण न्योछावर करने वाले वीर सपूतों, लांस नायक प्रीतपाल सिंह और सिपाही हरमिंदर सिंह को श्रद्धांजलि आर्पित करती है। सेना ने कहा कि वह शोकसंतप्त परिवारों के साथ एकजुटता से खड़ी है। रातभर हुई गोलीबारी में दो अन्य जवान घायल हो गए, जिससे घायल सुरक्षाबलों के जवानों की संख्या नौ हो गई। जम्मू-कश्मीर पुलिस प्रमुख नलिन प्रभात और सेना की उत्तरी कमान के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा सहित वरिष्ठ पुलिस व सैन्य अधिकारी चौबीसों घंटे अभियान पर कड़ी नजर रख रहे हैं। दोनों जवान पंजाब के अलग-अलग जिलों के हैं। इनमें एक फतेहगढ़ साहिब के मंडी गोबिंदगढ़ का हरमिंदर सिंह और दूसरा खन्ना के समराला का लांस नायक प्रीतपाल सिंह है।

कुलगाम में सर्च ऑपरेशन के दौरान गश्त करते सेना के जवान। एजेंसी

प्रीतपाल सिंह हरमिंदर सिंह

किश्तवाड़ में 26 आतंकवादियों के घरों की तलाशी ली

जम्मू। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने किश्तवाड़ जिले में आतंकी तंत्र के खिलाफ बड़े पैमाने पर कार्रवाई करते हुए शनिवार को हिज्बुल मुजाहिदीन के आतंकवादी मोहम्मद अमीन भट उर्फ जहांगीर सरूरी के घर समेत 26 घरों की तलाशी ली। अधिकारियों ने बताया कि भट के अलावा जिन घरों की तलाशी ली गई उनमें अधिकतर पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से सक्रिय आतंकवादियों एवं सीमा पार से हथियारों और गोला-बारूद की तस्करी करने वाले आतंकवादियों के घर शामिल हैं। इससे एक दिन पहले इसी तरह की छापेमारी किश्तवाड़ के पड़ोसी जिले डोडा में 15 स्थानों पर की गई थी। अधिकारियों ने बताया कि भट 1990 के दशक में प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन हिज्बुल मुजाहिदीन में शामिल हुआ था।

श्री बांके बिहारी मंदिर प्रबंधन के लिए अंतरिम कमेटी गठित

नई दिल्ली, एजेंसी

- सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व हाईकोर्ट के जज अशोक कुमार को सौंपी जिम्मेदारी

श्री बांके बिहारी मंदिर न्यास अध्यादेश पर रोक लगाने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने मंदिर के दिन-प्रतिदिन के कामकाज का प्रबंधन करने के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश अशोक कुमार की अध्यक्षता में समिति का गठन किया है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत व न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने मंदिर न्यास अध्यादेश, 2025 को दी गई चुनौतियों पर विचार करने से इनकार कर दिया और कहा कि प्रभावित पक्ष हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटा सकते हैं।

पीठ ने निर्देश दिया, इस स्तर पर, हमने गौर किया है कि अध्यादेश को याचिकाकर्ताओं की चुनौती पर उचित निर्णय में निस्संदेह कुछ समय लगेगा। इसलिए, हम अध्यादेश के प्रावधानों के क्रियान्वयन पर उस हद तक रोक लगाना उचित समझते हैं, जो राज्य को मंदिर के मामलों के प्रबंधन के लिए एक न्यास गठित करने की शक्तियां प्रदान करते हैं। शीर्ष कोर्ट ने कहा, इसलिए श्री बांके बिहारी जी मंदिर न्यास का गठन तब तक स्थगित रखा जाए, जब तक कि उच्च न्यायालय इस अध्यादेश की वैधता से संबंधित सवालों का अंतिम रूप से समाधान नहीं कर देता।

हालांकि, पीठ ने स्पष्ट किया कि अंतरिम निर्देश राज्य को विस में अध्यादेश के अनुसमर्थन से नहीं रोकेगा, लेकिन ऐसा करना उस कार्यवाही के परिणाम के अधीन होगा जिसके लिए प्रभावित व्यक्तियों और याचिकाकर्ताओं को उच्च न्यायालय का रुख करने को कहा गया है। शीर्ष अदालत ने शनिवार को अपलोड किए गए अपने विस्तृत आदेश में प्रतिष्ठित मंदिर के दिन-प्रतिदिन के मामलों को देखने के लिए इलाहाबाद उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश अशोक कुमार की अध्यक्षता में 12 सदस्यीय उच्चाधिकार प्राप्त समिति का भी गठन किया।

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, स्वतंत्रता का मूल मंत्र व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

www.amritvichar.com

रेलवे का यात्रियों को तोहफा, रिटर्न टिकट लेने पर मिलेगी 20% की छूट

- 14 अगस्त से लागू होगी घोषणा
- 13-26 अक्टूबर व 17 नवंबर से 1 दिसंबर तक बुकिंग में होगा फायदा

नई दिल्ली। रेल मंत्रालय ने शनिवार को एक योजना की घोषणा की, जिसके तहत एक ही ट्रेन से 13-26 अक्टूबर के बीच यात्रा और 17 नवंबर से 1 दिसंबर तक वापसी के लिए बुक किए गए टिकटों पर 20 प्रतिशत की छूट दी जाएगी।

यह छूट 14 अगस्त से बुक टिकटों पर लागू होगी। यह छूट राजधानी, शताब्दी, दुरंतो जैसी ट्रेन पर लागू नहीं होगी, जिसमें किराये में मांग के आधार बढ़ोतरी होती है। मंत्रालय ने कहा, इस योजना के तहत, यात्रियों के एक ही समूह के लिए जाने और आने दोनों यात्राओं के लिए बुकिंग कराने पर छूट लागू होगी। वापसी यात्रा का यात्री विवरण आगे की यात्रा के समान ही होगा।

आईसीआईसीआई बैंक ने नए बचत खाते के लिए न्यूनतम राशि 5 गुना की

नई दिल्ली। आईसीआईसीआई बैंक ने 1 अगस्त से नए बचत बैंक खातों के लिए न्यूनतम शेष राशि की अनिवार्यता पांच गुना बढ़ाकर 50 हजार कर दी है। बैंक के ग्राहकों के लिए 31 जुलाई, 2025 तक बचत बैंक खातों में न्यूनतम मासिक औसत शेष राशि (एमएबी) 10,000 रुपये थी। अब अर्ध-शहरी इलाकों में यह सीमा 25 हजार, ग्रामीण इलाकों में 10,000 रुपये कर दी गई है।

रक्षाबंधन : 17 हजार करोड़ का कारोबार

नई दिल्ली। रक्षाबंधन पर देश भर में 17 हजार करोड़ का कारोबार हुआ। बाजार में चीन के सामान नहीं दिखे ...पेज-12

अंदर देखें ... ग्लैम वर्ल्ड

सड़क पर फिसली बाइक बनी आग का गोला, एक जिंदा जला, साथी झुलसा

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा साथी, भर्ती

अमृत विचार: पीलीभीत बस्ती हाईवे पर शुक्रवार रात रामापुर चौराहे पर तेज रफ्तार बाइक फिसलकर पलट गई और आग का गोला बन गई। देखते ही देखते बाइक चालक युवक लपटों में घिरकर जल गया, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से झुलसकर जिंदगी और मौत से जंग लड़ रहा है।

रात 11 बजे सदर कोतवाली के शहर से सटे गांव सलेमपुर निवासी राहुल और सीतापुर जिले के थाना हरगांव के गांव महादेव अटरा निवासी शांतनु दोस्त थे। दोनों बाइक से खमरिया की ओर से आ रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों ने शराब पी रखी थी और बाइक की रफ्तार काफी थी।

रामापुर चौराहे पर बाइक का संतुलन बिगड़ गया और घिसटती चली गई, पेट्रोल की टंकी का ढक्कन खुल गया। इससे बह रहे पेट्रोल में रगड़न से उठी चिंगारी से आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि शांतनु को बचने का कोई मौका नहीं मिला। वह मौके पर ही जल गया। हादसे की सूचना पर रामापुर चौकी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायल को एंबुलेंस से मोतीपुर अस्पताल पहुंचाया, जहां से उसकी गंभीर हालत देखते हुए मेडिकल कॉलेज लखनऊ रेफर कर दिया गया। कोतवाल हेमंत राय ने बताया मृतक की पहचान उसके चाचा अमर वर्मा ने शांतनु (26) के रूप में की है। उसके साथी राहुल की भी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

अमृत विचार

बरेली, रविवार, 10 अगस्त 2025

न्यूज ब्रीफ

बिजली कटौती से उपभोक्ता परेशान

कलान, अमृत विचार : रक्षाबंधन पर्व पर भी कलान नगर पंचायत में बिजली कटौती का सिलसिला जारी रहा । उपभोक्ताओं ने बताया शनिवार दोपहर 12 बजे बिजली आपूर्ति बंद हो गई और शाम 4 बजे के बाद ही रोस्टर के अनुसार आपूर्ति बहाल हुई, जो रात 7 बजे तक ही चली । क्षेत्रीय विधायक हरिप्रकाश वर्मा ने नगर को 24 घंटे बिजली देने की मांग विभाग और सरकार के समक्ष रखी थी, लेकिन नगर को अब भी ग्रामीण क्षेत्र की तरह मात्र 18 घंटे बिजली मिल रही है । लोगों का कहना है अगर यहीं हाल रहा तो विभाग के खिलाफ गुस्सा भड़क सकता है ।

रंजिशन पिता-पुत्र पर किया हमला

कलान, अमृत विचार : दबंगों ने पिता पुत्र पर हमला करके घायल कर दिया। पीड़ित ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। ग्राम रजुआपुर निवासी देव सिंह ने कलान थाने में दी तहरीर में बताया वह अपने पिता विजेंद्र के साथ बाइक से जलालाबाद में मुकदमे की तारीख करके गुरुवार शाम 7 बजे घर लौट रहा था । स्टेट हाईवे मुरादाबाद–फर्रुखाबाद पर गुदौरादाउदपुर के पास ईंट भट्टे के समीप मिर्जापुर थाना क्षेत्र के ग्राम बानगांव, कलान थाना क्षेत्र के ग्राम रसूलपुर और गांव के कुछ लोगों ने धारदार हथियार से हमला कर दिया । हमले में विजेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें पीएचसी में भर्ती करने के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया । पुत्र को मामूली चोटें आईं ।

भाई-बहन का रिश्ता रहे अटूट, मनाया रक्षाबंधन

सुबह से शाम तक बाजारों में रही रौनक, मंदिरों में उमड़ी भीड़, बहनों ने भाई की लंबी उम्र की कामना की

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: रक्षाबंधन का पर्व उत्साह और पारंपरिक रीति-रिवाजों से शिनवार को मनाया गया।

सुबह से ही बाजारों में रौनक देखने को मिली। राखी, मिठाई, उपहार और सजावटी सामान की दुकानों पर खरीदारों की भीड़ लगी रही। बहनों ने भाई की कलाई पर राखी बांधकर उनके सुख-समृद्धि और लंबी उम्र की कामना की, वहीं भाइयों ने भी उपहार देकर उनकी रक्षा का संकल्प लिया।

शहर के प्रमुख हनुमान मंदिर बालाजी मंदिर, काली माता मंदिर और शिवालयों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ रही। कई जगह सामाजिक संगठनों और महिला मंडलों ने पुलिसकर्मियों, सफाईकर्मियों और अन्य सेवा कार्य में लगे लोगों को राखी बांधकर उनका आशीर्वाद लिया और मिठाई खिलाई।

त्योहार को लेकर रेलवे स्टेशन, बस अड्डा और टैक्सी स्टैंड पर भी दिनभर चहल-पहल रही। दूरदराज से आए भाइयों और बहनों के मिलने पर खुशी का माहौल देखने को मिला। मिठाई की दुकानों पर गुलाब जामुन, रसगुल्ले, लड्डू और काजू कतली की सबसे ज्यादा मांग रही। रक्षाबंधन पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस भी मुस्तैद रही। प्रमुख बाजारों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में पुलिस बल तैनात किया गया, जिससे त्योहार शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके। शाम तक गलियों, मोहल्लों और घरों में रक्षाबंधन के गीत, हंसी-ठिठोली और मिठास से भरे पल गूंजते रहे। देर शाम भाइयों के घर से बहनों के लौटने का सिलसिला शुरू होने से फिर जाम के हालात बने।

भाइयों को राखी बांधती बहनें। ● अमृत विचार

बहन तानी मिश्रा से राखी बंधवाते युवान।

बहन शैलजा मिश्रा से राखी बंधवाते आराध्य।

- रक्षाबंधन पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस रही मुस्तैद
- वाहनों की आवाजाही से बाजार में बने रहे जाम के हालात

बहनों ने भाइयों की आरती उतारकर राखी बांधी

शाहजहांपुर, अमृत विचार : बहन-भाई का पवित्र त्योहार रक्षाबंधन जेल में धूमधाम से मनाया गया। 900 बहनों ने जेल में बंद भाइयों के रोली का टीका लगाकर राखी बांधी और जेल से शीघ्र बाहर आने की प्रार्थना की। जेल प्रशासन ने राखी, मिठाई और आरती की व्यवस्था की थी। जेल के बाहर सुबह 7 बजे से बहनों की लाइन लग गई थी और शाम 5 बजे तक राखी बांधने का सिलसिला जारी रहा है। जिले की विभिन्न तहसीलों से बहनें जेल में बंद भाइयों को राखी बांधने के लिए सुबह 6 बजे से जिला कारागार पहुंच गई और अपने नाम की पर्ची लगवाई। जेल गेट पर बहनों की लंबी लाइन लग गई। बहनों को टुकड़ों में सुबह 7 बजे जेल में भेजना शुरू किया गया। जेल के अंदर एक टेंट लगाया गया था। बंदी बैरक से आकर टेंट में आकर बैठ गए। बहनों ने भाइयों के हाथ पर राखी बांधी और रोली का टीका लगाकर आरती उतारी। बहनों ने भाइयों का मिठाई खिलाकर मुंह मीठा किया। बहनों ने अपने भाइयों को जेल से शीघ्र बाहर आने की प्रार्थना की। इस अवसर पर कई मुस्लिम महिलाएं भी जेल में आई थी और अपने भाइयों का मुंह मीठा करके राखी बांधी। लगभग 2 बजे तक सात सौ बहनों ने भाई से मुलाकात कर ली थी। एक टोली में 25 से 50 बहनों को जेल के अंदर भेजा जा रहा था। जेल में राखी बांधने का सिलसिला शाम पांच बजे तक जारी रहा। जेल अधीक्षक मिजाजी लाल ने बताया कि 900 बहनों ने जेल में बंद भाइयों के राखी बांधी। जेल प्रशासन की तरफ से पूरी चौकस व्यवस्था थी।

- बहनों ने भाइयों को मिठाई खिलाकर मुंह मीठा कराया

काकोरी कांड के नायकों को मंत्री सुरेश खन्ना ने किया नमन

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- संकल्प संस्था के तत्वावधान में बिस्मिल उद्यान में आयोजित हुआ स्मृति दिवस समारोह

अमृत विचार: रचनात्मक संस्था संकल्प के बैनर तले शनिवार को खिरनी बाग स्थित बिस्मिल उद्यान में काकोरी ट्रेन एक्शन स्मृति दिवस का आयोजन किया गया।

समारोह का शुभारंभ मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने अमर शहीद पंडित रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खान और ठाकुर रोशन सिंह के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर और दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इसके बाद महापौर अर्चना वर्मा, नगर आयुक्त डॉ. बिपिन कुमार मिश्र, अपर नगर आयुक्त एसके सिंह, भाजपा महानगर अध्यक्ष शिल्पी गुप्ता सहित उपस्थित गणमान्य नागरिकों ने पंडित रामप्रसाद बिस्मिल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अमर बलिदानियों को श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में शशि गुप्ता ने राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् प्रस्तुत किया, जबकि तेजवीर गुप्ता ने उद्यान में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। संचालन कवि डॉ. इन्दु अजनबी ने किया। इस अवसर पर विजय तुली, जीसी मिश्रा, गीता पांडे, डॉ. राजेन्द्र कुशवाहा, प्रवीण मिश्रा, संजीव सक्सेना 'कन्हैया', अनामिका अवस्थी, लुबना ज़िया, पद्मा गुप्ता, शालू यादव, हरीश बजाज, हरवंश दीक्षित, राकेश मिश्रा एडवोकेट, तराना जमाल और अमित मिश्रा सहित कई साहित्यकार, समाजसेवी और नागरिक उपस्थित रहे। समारोह के अंत में संस्था के संस्थापक डॉ. अवधेश मणि त्रिपाठी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

शहीद का प्रतिमा पर तिलक करते वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना। ● अमृत विचार

BAREILLY INTERNATIONAL UNIVERSITY

Accreditations, Affiliations & Approvals

ADMISSION OPEN FOR FOLLOWING COURSES SESSION 2025-26

CUET (UG)-2025 Registered/Score Accepted

ROHILKHAND MEDICAL COLLEGE & HOSPITAL

Course	Eligibility	Duration
M.Sc.Medical (Anatomy/ Biochemistry/Microbiology/ Pharmacology/Physiology)	MBBS/BDS/B.Sc Nursing/ /B.Sc (PCB)	3 Year
Diploma Medical Lab Technician (DMLT)	10+2 (PCB/PCM)	2 Year
Diploma X-Ray Technician	10+2 (PCB/PCM)	2 Year
Diploma Radiotherapy Technology	10+2 (PCB/PCM)	2 Year

INSTITUTE OF DENTAL SCIENCES

Course	Eligibility	Duration
Dental Hygienist (DH)	10+2 (PCB with English)	2 Year
Dental Mechanics (DM)	10+2 (PCB with English)	2 Year

BIU COLLEGE OF PHARMACY/ROHILKHAND COLLEGE OF PHARMACY/ KESHLATA COLLEGE OF PHARMACY

Course	Eligibility	Duration
Bachelor of Pharmacy (B.Pharm)	10+2 (PCB/PCM)	4 Year
Master of Pharmacy (Pharmaceutics/Pharmacology/ Pharmaceutical Chemistry/Pharmacognosy)	B.Pharm	2 Year
Diploma in Pharmacy	10+2 (PCB/PCM)	2 Year

FACULTY OF PARAMEDICAL SCIENCES

Course	Eligibility	Duration
Bachelor of Physiotherapy (BPT)	10+2 (PCB)	4.5 Year
B.Sc. Medical Laboratory Technician (BMLT)	10+2 (PCB)	3.5 Year
B.Sc. Optometry	10+2 (PCB)	4 Year
B.Sc. in Radiological imaging Techniques (BRIT)	10+2 (PCB)	3.5 Year
Bachelor in Operation Theatre Technician	10+2 (PCB)	3.5 Year
Diploma in Dialysis Technician	10+2 (PCB/PCM)	2 Year
Diploma in MRI Technician	10+2 (PCB/PCM)	2 Year
Diploma in Sanitation	10+2 (PCB/PCM)	1 Year
Diploma in Emergency & Trauma Care	10+2 (PCB/PCM)	2 Year
M.Sc. Clinical Embryology	B.Sc. (PCB)	2 Year
Master Physiotherapy	BPT	2 Year
Master in Medical Laboratory Sciences (MMLS)	BMLS	2 Year

ROHILKHAND COLLEGE OF NURSING

Course	Eligibility	Duration
M.Sc. Nursing in Child Health Nursing/Mental Health Nursing/Community Health Nursing/Surgical Nursing/ Obstetric & Gynaecological Nursing	B.Sc. (Nursing)	2 Year
B.Sc. Nursing	10+2 (PCB)	4 Year
GNM	10+2 Any Stream	3 Year
ANM	10+2 Any Stream	2 Year
Post Basic B.Sc. Nursing	GNM	2 Year
Nurse Practitioner in Critical Care (NPCC)	B.Sc. Nursing	2 Year

BIU COLLEGE OF HUMANITIES & JOURNALISM

Course	Eligibility	Duration
BA (Hons.) in Journalism/ Mass Communication	10+2 in Any Stream	4 Years
BA (Hons.) in Eng./ Pol. Sc./ Socio./Eco. / Psychology	10+2 in Any Stream	4 Years
B.Lib.(Hons.)	10+2 in Any Stream	4 Years
MA (Journalism/ Mass Comm./ Public Rel./Electronic Media/ Adv.)	UG in Any Stream	2 Years
MA (English/ Pol. Science/ Sociology/ Economics/ Hindi)	UG in Respective Stream	2 Years
MA (Translation Studies)	UG in Respective Stream	2 Years
MA (Applied & Clinical Psychology)	UG in Respective Stream	2 Years
M.Lib.	UG in Respective Stream	2 Years

BIU COLLEGE OF MANAGEMENT

Course	Eligibility	Duration
BBA (Hons.) in Finance & Taxation	10+2 in Any Stream	4 Years
BCA (Hons.) in IT & Multimedia/ AI & Machine Learning	10+2 in Any Stream	4 Years
B.Com (Hons.)	10+2 in Any Stream	4 Years
MBA (Finance & Taxation / Healthcare Management / Sales & Marketing / HR / IT / Business Analytics)	UG in Any Stream	2 Years
M.Com	UG in Respective Stream	2 Years
MCA	UG in Respective Stream	2 Years
MHA	UG in Any Stream	2 Years
MPH	UG in Any Stream	2 Years

FACULTY OF FORENSIC SCIENCES

Course	Eligibility	Duration
B.Sc. Forensic Sciences	10+2 (PCB/PCM)	3 Year
M.Sc. Forensic Sciences	Graduation in Science (ZBC)	2 Year

For More Information : 9105500202, 9105500404, Ph.: 0581-2526153, 051, 053

Admission Cell, Administrative Block, Bareilly International University, Rohilkhand Medical College Campus, Bareilly PIN Code : 243006 (U.P.)

Website : www.biu.edu.in, E-mail : admission@biu.edu.in

तिलहर-निगोही मार्ग पर रेलवे ओवरब्रिज निर्माण से रास्ता बंद

तिलहर, अमृत विचार: तिलहर-निगोही मार्ग पर सेतु निगम की ओर से पुल निर्माण कार्य लगभग पूरा होने के बाद रेलवे विभाग ने ओवरब्रिज निर्माण शुरू कर दिया है। इसके चलते रास्ता बंद कर यातायात को गुलचंपा और रुजवारी रेलवे फाटकों से गुजारा जा रहा है। रक्षाबंधन पर शनिवार को दोनों रेलवे फाटकों पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं।

मार्ग बंद होने से लोग पैदल रेलवे क्रॉसिंग पार कर रहे थे। गुलचंपा और रुजवारी फाटकों पर साइकिल व बाइक चालकों को जाम में खड़ा रहना पड़ा। बरसात के चलते कई बाइक और साइकिल सवार फिसलने से चोटिल भी हो गए।

भीड़ को देखते हुए प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार ने दोनों रेलवे फाटकों पर पुलिस तैनात कर दी, जिससे आवागमन सुचारु रह सके और जाम की स्थिति न बने।

रक्षाबंधन पर रोडवेज बस और ट्रेनों में रही भीड़, सीट के लिए रही मशक्कत

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: रक्षाबंधन पर भाइयों को राखी बांधने के लिए महिलाओं और सहयोगी के लिए रोडवेज बस में निःशुल्क यात्रा को लेकर रोडवेज बस और ट्रेनों में भीड़ रही। सीट के लिए यात्रियों में मारामारी रही। पहले दिन रोडवेज की बस में 11 हजार 600 महिलाओं और 5 हजार सहयोगियों ने निःशुल्क यात्रा की है। महिलाओं को बसों के इंतजार में काफी देर तक रुकना पड़ा था।

स्थानी डिपो में निगम की 144 बसें और अनुबंधित 77 बसें है। बसों का संचालन सभी मार्गों पर होता है। रोडवेज बस अड्डे पर एक माह से अधिक समय से निर्माण कार्य चल रहा है। इधर बस स्टैंड परिसर में फर्श बनने को लेकर खीरी, सीतापुर, फर्रुखाबाद, दिल्ली, बदायूं आदि जिलों के लिए बसों का संचालन हथौड़ा चौराहे से हो रहा है। प्रदेश सरकार रक्षाबंधन पर महिलाओं को रोडवेज बस में निशुल्क यात्रा की सौगात दी थी। शनिवार को बसों में और भीड़ बढ़ गई। महिलाएं अपने सहवर्ती के साथ रोडवेज बस स्टैंड पर सुबह 5 बजे से भटक रही थी। कर्मचारियों ने बताया बसें हथौड़ा चौराहे से मिलेगी। महिलाएं ई-रिक्शा से हथौड़ा चौराहे पर गई और बस में बैठकर अपने गंतव्य स्थान के लिए गई। कुछ रूट की बसें न होने पर महिलाओं को काफी देर तक बस का इंतजार करना पड़ा। इधर शनिवार की सुबह दून एक्सप्रेस, चंदीगढ़ एक्सप्रेस, दून एक्सप्रेस, राज्यरानी एक्सप्रेस, त्रिवेणी एक्सप्रेस में महिलाओं की अधिक भीड़ रही। ट्रेन में आने वाले यात्रियों की अधिक भीड़ थी और सीट के लिए मारामारी थी। डिपो प्रभारी सुशील त्रिवेदी ने बताया कि शुक्रवार की अपेक्षा आज बस में अधिक भीड़ रही है। शुक्रवार की शाम आठ बजे रात 12 बजे तक 11 हजार 600 महिलाओं और उनके साथ पांच हजार सहवर्ती ने निशुल्क सफर किया है।

बस के इंतजार में खड़ी बहनें। ● अमृत विचार

हथौड़ा चौराहे पर जाम की रही स्थिति

हथौड़ा चौराहे पर प्रत्येक रूट की बसें सड़क के किनारे खड़ी थी। महिलाओं को पता नहीं चल पा रहा था कि कौन सी बस कहां जा रही है। महिलाएं बस के चक्कर में इधर-उधर भटकती रही। कोई कर्मचारी बसों के बारे में जानकारी नहीं देना वाला नहीं था। बसों के सड़क पर खड़े होने से जाम की स्थिति हो गयी। कार और बाइक सवारों को जाम में जुझना पड़ा। बस अड्डे पर कार्य कछुआ गति से हो रहा है।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया रक्षाबंधन का पर्व

कलान, अमृत विचार: नगर पंचायत और ग्रामीण क्षेत्रों में भाई-बहन के रिश्तों का पर्व रक्षाबंधन हर्षोल्लास से मनाया गया । बहनों ने भाइयों को राखी बांधी और मिठाई खिलाई, भाइयों ने रक्षा का संकल्प लिया और उपहार दिए । जहां बहनें भाई के घर नहीं पहुंच सकीं, वहां भाई स्वयं बहनों के घर जाकर राखी बंधवाते देखे गए । शिवालयों में भी श्रद्धालुओं ने विशेष पूजा-अर्चना कर पर्व मनाया । मदर टेरेसा स्कूल में छात्राओं ने छात्रों को राखी बांधकर शुभकामनाएं दीं । संतोष सिंह ने सभी से पर्व की पवित्रता बनाए रखने की अपील की ।

केडी सिंह कॉलेज, सुगसुगी में छात्राओं ने छात्रों के राखी बांधी । कार्यक्रम में अरुण प्रताप सिंह, शिवानी, दिव्यांशी, प्रियांशी, काजल, नंदनी, सुनानी, अनामिका, दिव्या, रिचा, करिश्मा, रंजना, अनुज, रजत, विवेक, आदित्य लालू श्रीवास्तव, वीरपाल यादव, मनोज पाठक, माखन सिंह, जगदीश, अमित आदि मौजूद रहे ।

दैनिक उपयोगी सामान और तिरपाल देकर मनाया त्योहार

शाहजहांपुर, अमृत विचार : रक्षाबंधन पर वीआईपी ग्रुप विद हेल्पिंग हैंड्स ने जरूरतमंदों की मदद कर त्योहार को और भी अर्थपूर्ण बना दिया। ग्रुप की अध्यक्ष दीपमाला रस्तोगी और महासचिव सतीश सक्सेना ने एक बेहद जरूरतमंद परिवार को राशन, दैनिक उपयोग का सामान और रेड क्रॉस सोसाइटी के सहयोग से 25 मीटर तिरपाल भेंट किया। ग्रुप क्रिएटर अभिनय गुप्ता ने कहा कि वीआईपी ग्रुप की पहल से प्रेरित होकर कई सामाजिक संगठन और लोग समाज सेवा में आगे आ रहे हैं, जो गर्व की बात है। अध्यक्ष दीपमाला रस्तोगी ने कहा कि किसी के चेहरे पर मुस्कान लाना ही असली त्योहार है। महासचिव सतीश सक्सेना ने कहा कि जरूरतमंद तक मदद पहुंचाना हमारा नैतिक कर्तव्य है।

ROHILKHAND MEDICAL COLLEGE & HOSPITAL, BAREILLY

STAFF REQUIRED

Accountant (for Audit)

Qualification :- M.Com, B.com with good knowledge of MS Excel & Tally, Exp. 1 Year

Assistant Librarian

Qualification :- M.Lib. & B.Lib.

Sr. OT Technician

Qualification:- BOT/DOT, Exp. 3 years (ortho)

Sr. Nursing Staff

Qualification:- B.Sc. Nursing/GNM, Exp. 6 years

Computer Operators

Qualification: Graduation with good Computer Knowledge & good Typing Speed (Hindi & English) (Exp. Min. one year)

Salesman (For Medical Stores)

Qualification: Min. D.Pharma (Exp. Min. One year)

PRO

Qualification: Graduation

Salary No Bar for Deserving Candidates

How to apply : Mail your CV at hrrmch@gmail.com or hard copy to the address given below.

HR OFFICE, RMCH Hospital Building, Pilibhit Bypass Road, Bareilly

Contact : 9548624286

अमेरिकी टैरिफ के विरोध में उतरे व्यापारी, निंदा की

बैठक कर विरोध जताते व्यापार मंडल पदाधिकारी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- व्यापारी बोले-सोमवार को पुतला दहन कर जताया जाएगा आक्रोश
- अमेरिकी राष्ट्रपति का फैसला भारतीय अर्थव्यवस्था पर डाल सकता हैं असर

अमृत विचार: अमेरिका की ओर से भारतीय वस्तुओं पर भारी टैरिफ (आयात शुल्क) लगाए जाने के विरोध में उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल उत्तर प्रदेश की बैठक लोदीपुर स्थित प्रांतीय मंत्री अनूप गुप्ता के प्रतिष्ठान पर हुई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष सौमित्र गुप्ता ने की। उन्होंने कहा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का यह फैसला भारतीय अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक असर डाल सकता है।

टैरिफ से निर्यात प्रभावित होगा, जिससे कई उद्योगों को नुकसान और देश की आर्थिक विकास दर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। महानगर अध्यक्ष मो. सलाउद्दीन अख़्तर ने कहा कि इन टैरिफ का सबसे ज्यादा असर छोटे और मध्यम वर्गीय, विशेषकर श्रम-प्रधान उद्योगों जैसे कपड़ा, रत्न-आभूषण, चमड़ा, जूते, समुद्री खाद्य और हस्तशिल्प पर पड़ेगा। ये उद्योग लाखों लोगों को रोजगार देते हैं और निर्यात घटने से छंटनी व बेरोजगारी बढ़ सकती है।

उन्होंने कहा कि इन टैरिफ का असर सिर्फ निर्यात तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। बैठक में सर्वसम्मति से सोमवार को विरोध प्रदर्शन कर पुतला दहन का कार्यक्रम तय किया गया।

बैठक में प्रांतीय मंत्री अनूप गुप्ता, जिला वरिष्ठ महामंत्री सुशील गुप्ता, जिला कोषाध्यक्ष राजेंद्र गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष सैयद अनवर मियां, महानगर वरिष्ठ मंत्री नफीस खान, गोपाल सक्सेना, महानगर उपाध्यक्ष मोहनिस खान, नाजिम शाह, महानगर मंत्री मो. नदीम, पवन गुप्ता समेत बड़ी संख्या में व्यापारी मौजूद रहे।

सिटी ब्रीफ

रोजा में ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

शाहजहांपुर, अमृत विचार : रेलवे लाइन पार करते समय एक युवक की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। रोजा थाना क्षेत्र में शनिवार को 4 बजे रामापुर रेलवे फाटक पर एक युवक रेल लाइन पार कर रहा था। अप लाइन की ट्रेन की चपेट में आकर कटकर उसकी मौत हो गई। रेलवे फाटक के गेटमैन ने स्टेशन मास्टर को सूचना दी। स्टेशन मास्टर ने रोजा थाना पर मेमो भेजा। थाना प्रभारी राजीव कुमार मौके पर पहुंचे और शव को रेल लाइन से किनारे किया। मृतक की उम्र 30 वर्ष है और हरे रंग की टी शर्ट और स्लेटी रंग की जींस की पैंट पहने हुए है। पुलिस ने उसकी जेब की तलाशी ली तो कुछ नहीं निकला।

करंट लगने से लाइनमैन गिरकर घायल

शाहजहांपुर, अमृत विचार : विद्युत विभाग के संविदा कर्मचारी रक्षपाल का शुक्रवार रात में अब्दुल्लागंज उप केंद्र पर ड्यूटी थी। रात में 33 हजार की लाइन में कोई फाल्ट होने से काम कर रहा था। गर्रा नदी के किनारे पोल पर चढ़कर काम कर रहा था। तभी करंट लगने पर वह गिरकर घायल हो गया। घायल को मेडिकल कॉलेज ले गए। उसका एक पैर और एक हाथ टूट गया है। विद्युत संविदा मजदूर संगठन के प्रदेश अध्यक्ष नबल किशोर का आरोप है कि दुर्घटना के लिए विभाग के अधिकारी जिम्मेदार है।

तमंचा के साथ युवक गिरफ्तार, भेजा जेल

खुटार, अमृत विचार : पुलिस ने शुक्रवार देर शाम अपराधियों को पकड़ने के लिए सघन अभियान चलाया। जिसमें देर रात गांव प्रीतमपुर जंगल के पास एक युवक संदिग्ध अवस्था में खड़ा दिखाई दिया। जिस पर एसआई मोहसिन अली ने उसे रुकने का इशारा किया। जिस पर वह हड़बड़ा गया जिसे पकड़ लिया गया, उसकी जामा तलाशी ली। उसके पास से 315 बोर का एक तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। पूछताछ में उसने अपना नाम अनूप कुमार निवासी महुआ पिमई बताया।

किशोरी से दुष्कर्म की कोशिश

शाहजहांपुर, अमृत विचार : मदनापुर थाना क्षेत्र के एक गांव की 17 वर्षीय किशोरी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह वह बहन के घर पर आई थी। 3 अगस्त की सुबह 7 बजे वह घर पर अकेली थी। गांव का विजेंद्र उसके मकान में घुस आया और उससे दुष्कर्म की कोशिश करने लगा। किशोरी ने शोर मचाया तो आरोपी भाग गया। परिजन आरोपी के घर गए तो उसके परिजनों ने जान से मारने की धमकी दी।

राहत कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं

बाढ़ के हालात का जायजा लेने पहुंचे एडीएम वित्त, अधिकारियों को दिए निर्देश

कार्यालय संवाददाता,शाहजहांपुर/ मिर्जापुर

अमृत विचार: बाढ़ का जायजा लेने शनिवार को एडीएम वित्त प्रभावित क्षेत्र में पहुंचे और अधिकारियों को चेताया किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। इसलिए राहत एवं बचाव कार्य को जिम्मेदारी से निभाएं।

डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह के निर्देशन पर शनिवार को एडीएम वित्त अरविंद कुमार की ओर से तहसील कलान में गंगा नदी से बाढ़ प्रभावित गांव पैलानी उत्तर के मजरा इस्लामनगर, आजादनगर, मस्जिद नगला का नाव-बोट और ट्रैक्टर पर बैठकर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने स्थानीय लोगों की समस्याओं को सुना। ग्रामीणों ने मुख्य रूप से मेडिकल दवाओं और पशुओं के लिए भूसा की व्यवस्था कराने की बात रखी गई। जिस पर एडीएम ने तत्काल संज्ञान लेते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी को मेडिकल कैंप लगवाने और जरूरत की दवाओं की व्यवस्था व बाढ़ जनित रोग के निदान के लिए डॉक्टरों की उपस्थिति अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही पशु चिकित्सा अधिकारी को पशुओं के लिए भूसा की व्यवस्था कराने, तहसीलदार को 10 बड़ी और मझोली नाव लगवाने तथा 2 मोटर वोट लगवाने, बाढ़ पीड़ित परिवार का सर्वे कराने और आवश्यक राशन कीट खाद्यान्न की मांग करने और लोगों को बाढ़ शरणालय में सुरक्षित तरीके से ले जाने की अपील करने के लिए निर्देश दिए गए। बाढ़ पुलिस चौकी भी लगवाने के निर्देश दिए गए।

वही विद्युत विभाग को पोल से करंट आदि तारों को देखने, को निर्देश दिया गया। वही नौशाद और अन्य घर पर शौचालय की दिक्कत को देखते हुए एडीएम ने अस्थाई शौचालय बनाने के निर्देश दिए गए। एडीएम ने लेखपाल को अस्थायी शौचालय बनाने के बाद रिपोर्ट भी उपलब्ध कराने को कहा। गंगा नदी कलान में खतरनाक स्तर 143.650 जो वर्तमान में खतरे के लगभग पहुंच चुकी है। आने वाले समय में गंगा नदी के जलस्तर में वृद्धि की आशंका है, ऐसे में क्षेत्र के लोगों से अपील है कि वह सुरक्षित स्थान बाढ़ शरणालय केंद्र में शरण ले। जहां जिला प्रशासन द्वारा रहने व खाने आदि की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

एडीएम वित्त अरविंद कुमार बोट पर सवार होकर बाढ़ का जायजा लेते हुए। ● अमृत विचार

शहर के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में जहां बाढ़ जैसे हालात बन रहे हैं। वहां पर जिला प्रशासन की नजर बनी हुई है, कलान तहसील में कुछ गांव बाढ़ की चपेट में है। जहां का स्थलीय निरीक्षण कर राजस्व कर्मियों को दिशा निर्देश दिए गए हैं कि वह जल्द से जल्द बाढ़ पीड़ितों को जरूरी सुविधाएं मुहैया कराएं। राहत और बचाव कार्यों में किसी भी प्रकार लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी सभी विभाग समयबद्ध कार्यवाही सुनिश्चित करें।

-अरविंद कुमार, एडीएम वित्त

जलस्तर रिपोर्ट

- गंगा-कछला घाट-0.110 मीटर जलस्तर बढ़ा
- गंगा-भैंसार ढाई घाट तटबंध -0.020 मीटर जलस्तर बढ़ा
- रामगंगा - डबरी घाट -0.680 मीटर जलस्तर बढ़ा
- गर्रा- अजीजगंज पुल - 0.300 मीटर जलस्तर बढ़ा
- खन्नौत - लोधीपुर पुल -0.100 मीटर जलस्तर घटा
- नरौरा बैराज से छोड़ा गया पानी - 281676 क्यूसेक, 81076
- दियूनी से गर्रा नदी में पास किया गया पानी - 4987 क्यूसेक, -700

महिला पुलिसकर्मियों के बच्चों के लिए बाल शिशु गृह की सुविधा

रौसर कोठी, अमृत विचार : थाना रामचन्द्र मिशन परिसर में शनिवार को महिला पुलिसकर्मियों के बच्चों की देखभाल के लिए विशेष रूप से बनाए गए बाल शिशु गृह का उद्घाटन पुलिस अधीक्षक ने किया।

इस पहल का उद्देश्य ड्यूटी पर तैनात महिला पुलिसकर्मियों को एक सुरक्षित, सुविधाजनक और अनुकूल वातावरण देना है, ताकि वे अपनी जिम्मेदारियां निश्चिंत होकर निभा सकें। उद्घाटन के दौरान पुलिस अधीक्षक ने कहा कि यह कदम न केवल महिला पुलिसकर्मियों के कार्यस्थल पर सहयोग और सुविधा को बढ़ाएगा, बल्कि उनके बच्चों की सुरक्षा और देखभाल को भी सुनिश्चित करेगा।

बाल शिशु गृह में बच्चों के लिए झूले, खिलौने और अन्य खेल-सामग्री की व्यवस्था की गई है। साथ ही स्वच्छता, सुरक्षा और देखभाल के सभी मानकों का विशेष ध्यान रखा गया है, ताकि बच्चों को आरामदायक और आनंददायक माहौल मिल सके। और वह अपने बच्चों की देखभाल कर सकें।उद्घाटन समारोह में अपर पुलिस अधीक्षक नगर, क्षेत्राधिकारी नगर, थाना प्रभारी रामचन्द्र मिशन सहित कई पुलिस अधिकारी, कर्मचारी और महिला पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

खन्नौत-गर्रा नदी में डूबे तीन में से एक युवक का शव मिला

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- भूरे का शव दनियापुर में नदी में मिला, दो की तलाश जारी
- नदियों का जलस्तर बढ़ने से तलाशने में आ रही समस्या

अमृत विचार: गर्रा और खन्नौत नदी में अलग-अलग दिन में डूबे तीन युवकों में एक का शव दनियापुर गांव के सामने खन्नौत नदी में उतराता मिला है। दो युवकों के शव नहीं मिले है। पीएसी की बाढ़ कंपनी स्टीमर लेकर दोनों की नदी में तलाश कर रही है। नदी में पानी बढ़ने से उनके सामने दिक्कत बढ़ गई है।

सदर बाजार थाना क्षेत्र के मोहल्ला बहादुरपुरा निवासी विजलेश (21) बुधवार शाम 6 बजे खन्नौत पुल की रैलिंग पर रील बनाने के लिए खन्नौत नदी में छलांग लगा दी थी। नदी में कूदने के बाद भूरे करीब 500 मीटर तक तैरता दिखाई दिया था और उसके बाद हाथ दिखाई दिए थे, फिर उसका पता नहीं चला था। गोताखोरों और पीएसी की बाढ़ कंपनी ने स्टीमर लेकर नदी में डूबे युवक की तलाश की और नहीं मिला। शुक्रवार की शाम चौक कोतवाली के मोहल्ला अजीजगंज निवासी अमित कश्यप (30) शुक्रवार शाम घर से निकला था और डैम के पास गर्रा नदी में कूदने की कोशिश की तो लोगों ने बचा लिया। वहां से रात 8बजे गर्रा पुल आया और नदी में छलांग लगा दी। उसने एक-दो गोते लगाए, फिर उसका पता नहीं चला। चौक कोतवाली पुलिस ने गोताखोरों को बुलवाकर तलाश कराई और पता नहीं चला। शनिवार को पीएसी की बाढ़ कंपनी तलाश कर रही है और नहीं मिला है।

लोगों ने बताया वह शराब का आदी था। इधर सदर बाजार थाना क्षेत्र के गांव निजामपुर गोटिया निवासी दीपक गुरुवार शाम गर्रा नदी के किनारे गया और छलांग लगा दी, वह डूब गया। उसका भी पता नहीं चला। दोनों नदियों का जलस्तर बढ़ने से तलाशने में दिक्कत हो रही है। सदर बाजार प्रभारी अरविंद सिंह ने बताया कि खन्नौत नदी में डूबे भूरे का शव चौथे दिन रामचंद्र मिशन थाना क्षेत्र के गांव दनियापुर में उतराता मिल गया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। भूरे का शव मिलने से परिवार में रोना पीटना मच गया। वहीं बाढ़ के पानी में बहे अन्य दो युवकों की तलाश में गोताखोरों ने पूरे दिन मेहनत की, लेकिन उनके हाथ कोई सफलता नहीं लगी, परिजनों की निराशा बढ़ने लगी है।

डॉक्टर की मौत का कारण स्पष्ट नहीं, बिसरा सुरक्षित

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- मोबाइल नंबर सर्विलांस पर लगा बिसरा जांच के लिए भेजा जाएगा

अमृत विचार : रोजा पुलिस ने कार में संदिग्ध अवस्था में मिले डॉक्टर गिरजा शंकर के शव का पोस्टमार्टम कराया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट न होने पर बिसरा सुरक्षित रखा गया है। बिसरा जांच के लिए भेजा जाएगा।

रोजा थाना क्षेत्र के मोहल्ला लोक बिहार कॉलोनी निवासी डॉ. गिरजा शंकर गुरुवार को दिन में 11 बजे घर से कार लेकर सब्जी लेने के लिए निकले थे। शाम को हथौड़ा चौराहे के निकट वह कार में बेहोशी की हालत में मिले थे। उनकी कार की चाबी टूटी हुई थी ओर मोबाइल गायब था। परिवार उन्हें बेहोशी की हालत में लेकर मेडिकल कॉलेज गए थे। जहां डाक्टर ने उनको मृत घोषित कर दिया था। उनका रेती रोड पर क्लीनिक है और फिजियोथेरेपिस्ट थे। उनकी कार में खरीदी गई सब्जी पिछली सीट पर थी। परिवार वालों का कहना है उनका किसी से कोई विवाद नहीं था।

परिवार वालों ने हत्या की आशंका जताई थी। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट न होने से बिसरा सुरक्षित रखा गया और जांच के लिए बाहर भेजा जाएगा। प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार ने बताया कि मोबाइल के नंबर को सर्विलांस पर लगा रखा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ठेकेदार ने रुपये हड़पे,रिपोर्ट दर्ज

शाहजहांपुर, अमृत विचार: सिद्धार्थ नगर निवासी सुवरात ने बताया उसका रमजान अली निवासी लोहरगवां थाना निगोही से जान पहचान थी। वह लेबरों से भट्टे पर ईंट पथाई कराते थे।

उसने विश्वास में आकर उसे ईंट पथाई के एंडवास 9 लाख 40 हजार रुपये दे दिए। पीड़ित ने सीजन आने पर ईंट पथाई के लिए रमजान से संपर्क किया, वह टालता रहा। वह आरोपी के घर पर जाता था तो वह भाग जाता था। 22 जून की शाम चार बजे सुवरात आरोपी के घर गया और रुपये वापस मांगे तो देने से मना कर दिया। आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित ने थाना पर तहरीर दी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि मुख्यमंत्री के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है और विवेचना की जा रही है।

यूरिया के लिए किसानों ने समिति पर किया हंगामा

संवाददाता, मिर्जापुर

- लाइन में दिनभर खड़े रहने के बाद भी खाली हाथ लौट रहे किसान, पुलिस बुलानी पड़ी
- सचिवों पर चहेतों को पहले खाद देने और जिंक की बिक्री थोपने का आरोप

अमृत विचार: यूरिया का संकट फिर गहराने लगा है। किसानों को न तो समितियों से समय पर खाद मिल पा रही है और न ही दुकानों से निर्धारित मूल्य पर । किसानों का आरोप है समिति सचिव अपने चहेते व असरदार लोगों को पहले खाद देते हैं, जबकि आम किसान सुबह से शाम तक लाइन में लगे रहने के बाद भी खाली हाथ लौटने को मजबूर हैं।

सहकारी समिति पृथ्वीपुर ढाई पर दो दिन से वितरण जारी है, लेकिन हालात जस के तस हैं। सचिव की ओर से जिंक और सागरिका का थैला लिए बिना खाद न देने और ब्लैक में ऊंचे दाम पर बेचने के आरोप लगाए जा रहे हैं। इससे नाराज किसानों ने समिति पर जमकर हंगामा किया और पुलिस बुलानी पड़ी। किसानों ने बताया दुकानों पर भी पहले तो खाद देने से मना कर दिया जाता है और अगर दी जाती है तो ओवर रेट में। सचिव विश्नु कुमार कनौजिया का कहना है कि खाद लाने और पल्लेदारों को पैसा अपनी जेब से देना पड़ता है, इसलिए जिंक भी किसानों को देना मजबूरी है। इन हालात से कस्बे व ग्रामीण क्षेत्र के किसानों में खासा आक्रोश है।

यूरिया के लिए समिति पर जुटे किसान। ● अमृत विचार

चोर को पकड़कर ग्रामीणों ने पीटा

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- हाथ और पैरों में लगा रखी ग्रीस पुलिस को कर रहा गुमराह

अमृत विचार: मऊ खालसा गांव में चोर चोरी करने के लिए घुसे तो लोगों ने शोर मचा दिया। गांव वालों ने चोर का पीछा किया तो गन्ने के खेत की तरफ भागे। गांव वालों ने एक चोर को पकड़ लिया और जमकर पिटाई की, जबकि दो चोर गन्ने के खेत में घुस गए। पुलिस और गांव वालों ने गन्ने के खेत में चोरों की तलाश की तो नहीं मिले। पकड़े गए चोर ने हाथ और पैर में ग्रीस लगा रखी थी, जिससे पकड़ने पर हाथ स्लिप हो जाए।

सदर बाजार थाना क्षेत्र के गांव मऊ खालसा में एक सप्ताह से चोरों की आवाजाही हो रही थी। चोरों ने तीन दिन पहले एक महिला के मकान में नकब लगाने की कोशिश की थी। चोरों की आवाजाही को लेकर ग्रामीण मकान की छत पर बेठकर रात गुजारते थे। शुक्रवार रात एक बजे तीन चोर गांव में घुसे और एक मकान में घुसने की कोशिश कर रहे थे। ग्रामीणों ने देख लिया और शोर मचाया, गांव वाले जाग गए और असलहा से हवाई फायर किए। तीनों चोर गांव के बाहर गन्ने की खेत की तरफ भागे। गांव वालों ने चोरों का पीछा किया ओर को पकड़ लिया। जबकि दो गन्ने के खेत में घुस गए। ग्रामीणों ने पकड़े गए चोर की जमकर पिटाई की। सूचना पर सदर बाजार पुलिस गांव में पहुंची। पुलिस ने चोर को कब्जे में लिया।

पुलिस और गांव वालों ने गन्ने के खेत में चोरों की तलाश की और नहीं मिल। पकड़ा गया चोर पुलिस को गुमराह कर रहा था और सही पता नहीं बता रहा था। उसने दोनों हाथों और पैर में ग्रीस लगा रखी थी, जिससे फिसल जाने पर पकड़ में न आए। प्रभारी निरीक्षक अरविंद सिंह ने बताया कि उससे पूछताछ की जा रही है।

बिजली का तार हिलने पर दबंगों ने युवक का कान काटा

संवाददाता कलान

अमृत विचार: एक दबंग ने युवक पर छुरी से हमला करके उसका काल काट दिया, पीड़ित ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की।

थाना क्षेत्र की पुलिस चौकी वाराकला अंतर्गत विरिया गांव में बिजली का तार हिलाने को लेकर हुए विवाद में शनिवार को एक युवक पर जानलेवा हमला कर उसका कान काट दिया गया। घटना के समय पीड़ित भाई के साथ खेत में भैंस चरा रहा था। सुखबीर (32) और उसका भाई सत्यवीर खेतों में थे, तभी गांव के कुछ लोग लाठी-डंडा और छुरी लेकर पहुंचे। उन्होंने सुखबीर को पकड़कर छुरी से कान के नीचे का हिस्सा काट दिया, सत्यवीर जब भाई को बचाने दौड़ा तो हमलावरों ने उसका भी पीछा किया, जिसके बाद वह जान बचाकर पड़ोसी गांव दसिया की ओर भाग गया। सूचना पर पुलिस पहुंच गइग्, जिससे बड़ी घटना टल गई। उधर, पीआरबी पुलिस 112 घायल सुखबीर को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गई, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे बदायूं जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

ट्रक की टक्कर से व्यापारी की मौत

संवाददाता, बंडा

- रक्षाबंधन पर खुशियां मातम में बदलीं, ट्रक चालक मौके से फरार
- पटना चक्की मोड़ पर हुआ दर्दनाक हादसा

अमृत विचार : रक्षाबंधन के दिन सुबह तेज रफ्तार ट्रक ने एक ई-रिक्शा को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे उसमें सवार सभी लोग गंभीर घायल हो गए। हादसा शनिवार सुबह करीब 9 बजे बंडा-बिलसंडा मार्ग पर पटना चक्की मोड़ के पास हुआ। घायलों को बंडा के सरकारी अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टर ने सिराजुद्दीन (49) निवासी मोहल्ला जामा मस्जिद, थाना बिलसंडा जिला पीलीभीत को मृत घोषित कर दिया, जबकि ई-रिक्शा चालक जगरूप निवासी ग्राम पटना थाना बंडा को हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर किया गया। अन्य सभी घायलों का बंडा के सरकारी अस्पताल में इलाज जारी है।

मृतक सिराजुद्दीन।

घायलों में विजयपाल, उसकी पत्नी ओमशक्ति और डेढ़ वर्षीय पुत्र अंशुमन निवासी ग्राम बिलहइया थाना मैलानी जिला लखीमपुर खीरी, कृष्णा देवी और उसके बच्चे, ऐशबाबू और सामन निवासी ग्राम कर्रा थाना बंडा शामिल हैं। ओमशक्ति ने सुबह अपने मौसेरे भाई रजनीश को राखी बांधने के बाद सभी लोग ई-रिक्शा से जा रहे थे। उसी दौरान पीछे से आ रहे ट्रक ने टक्कर मार दी और चालक ट्रक सहित मौके से फरार हो गया। मृतक सिराजुद्दीन बंडा बाजार में कपड़े की दुकान लगाता था और हादसे के समय वह बंडा के लिए आ रहा था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

सिटी पार्क कॉलोनी के लोग कुत्तों परेशान, पकड़ने की मांग

कॉलोनी में घूमता कुत्तों का झुंड। ● अमृत विचार

संवाददाता, शाहजहांपुर

- बच्चों और बुजुर्गों पर हमला करने की कोशिश करते है कुत्ते

अमृत विचार : शहर की पॉश सिटी पार्क कॉलोनी इन दिनों आवारा और खतरनाक कुत्तों के आतंक से परेशान है। कॉलोनी में दिन-रात कुत्तों के झुंड घरों के बाहर और पार्कों में मंडराते रहते हैं। ये कुत्ते बच्चों और बुजुर्गों के पीछे भौंकते हैं और कई बार काट लेते हैं।

कुछ लोगों ने पिटबुल जैसे प्रतिबंधित और हिंसक कुत्ते पाल रखे हैं, जो बिना किसी चेन या सुरक्षा के सड़कों और पार्क में खुलेआम घूमते हैं। कॉलोनीवासियों का कहना है नगर निगम को कई बार शिकायत दी गई, लेकिन कार्रवाई के नाम पर सिर्फ आश्वासन मिला।

लोगों का आरोप है कि जिला प्रशासन शायद किसी बड़ी घटना का इंतजार कर रहा है। डर का माहौल यह है कि बच्चे बाहर खेलने नहीं जा रहे और लोग पार्क में टहलना छोड़ चुके हैं। स्थानीय निवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ठोस कार्रवाई नहीं हुई, तो वे सामूहिक आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

व्यापारी पर मारपीट की रिपोर्ट

खुटार, अमृत विचार : किराना व्यापारी और ग्राहक के बीच गुरुवार को मारपीट हो गई थी। जिसमें किराना व्यापारी ने ग्राहक और उसकी पत्नी के खिलाफ मारपीट व जानलेवा हमले का मुकदमा दर्ज कराया था। जबकि ग्राहक महिला ने भी थाने में तहरीर देकर मारपीट, छेड़छाड़ और लूट का मुकदमा दर्ज करने की गुहार लगाई थी। उधर दोनों पक्षों में तीन दिन से समझौते को लेकर बातचीत चलती रही। शनिवार को दोनों पक्षों में समझौता न होने पर पुलिस ने पीड़ित महिला की तहरीर पर किराना व्यापारी रामेंद्र गुप्ता व सचिन गुप्ता निवासी मोहल्ला सरोजनी नगर, कस्बा खुटार के खिलाफ मारपीट, छेड़छाड़ व लूट का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की।

छह पॉकेट मार गिरफ्तार

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : कोतवाली सदर पुलिस ने छह पॉकेटमारों को गिरफ्तार कर उनके पास से 51 हजार रुपये और तीन बाइकें बरामद होने का दावा किया है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। कोतवाली पुलिस उनकी तलाश में लगी हुई थी। सीसीटीवी फुटेज और कई अन्य संसाधनों के जरिए उनकी पहचान की गई। पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। उनकी पहचान अर्जुन सिंह मोहल्ला अजीजगंज थाना कोतवाली शाहजहांपुर, रिजवान निवासी आनन्दपुरम कॉलोनी मोहल्ला बीबीजई चौराहा थाना कोतवाली शाहजहांपुर, आलोक निवासी अजीजगंज थाना कोतवाली शाहजहांपुर, सोनू निवासी मोहल्ला अजीजगंज थाना कोतवाली शाहजहांपुर, सनी निवासी बालाजी नगर कॉलोनी मोहल्ला अजीजगंज थाना कोतवाली शाहजहांपुर और सर्वेश निवासी बारा पत्थर चौराहा थाना जलालाबाद जिला शाहजहांपुर के रूप में हुई है। आरोपियों के पास से 51,500 रुपये और तीन बाइक भी बरामद की गई हैं।

ग्लेन कैंसर सेन्टर एण्ड मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल

डा. रितु भुटानी
कैंसर रोग विशेषज्ञ
Ex. TATA MEMORIAL HOSPITAL, MUMBAI
Ex. RAJEEV GANDHI CANCER INSTITUTE, DELHI

कैंसर लाइलाज नहीं है
A PLACE OF HELP, HOPE AND UNDERSTANDING

24 घण्टे आई.सी.यू./ इमरजेंसी सुविधा उपलब्ध
02, शक्ति नगर, निकट रुहेलखण्ड यूनिवर्सिटी पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली
Contact Us:- 9311198889 9045599027
Email: bhutaniritu@gmail.com
Website: www.gleancancercentre.com

फर्जी केस में जेल भेजने में फंसे एसओ अल्हागंज

रिश्वत न देने पर ग्रामीण को शराब बनाने के फर्जी केस में जेल भेजने का आरोप, कोर्ट ने दर्ज किया परिवाद

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचारः जिले का सबसे चर्चित थाना अल्हागंज एक बार फिर विवादों में है। इस बार मामला किसी अच्छे काम का नहीं, बल्कि रिश्वत न देने पर फर्जी मुकदमा दर्ज कर निर्दोष को जेल भेजने का है। सीजेएम कोर्ट ने मामले में परिवाद दर्ज करने का आदेश दिया है। इसके साथ ही आरोपी बनाए गए एसओ और सिपाही को कोर्ट के समक्ष पेश होकर जमानत कराने की नौबत आ सकती है।

थाना अल्हागंज क्षेत्र के गांव राजकिराया निवासी ब्रजेश ने आरोप लगाया निलंबित सिपाही धर्मेंद्र ने उससे रिश्वत मांगी थी। जब उसने देने से मना किया तो पुलिसकर्मी घर में घुस आए, मारपीट की और थाने ले जाकर चार घंटे तक हवालात में बंद रखा। रिश्वत वसूली में नाकाम रहने पर पुलिस ने उस पर शराब बेचने का फर्जी मुकदमा दर्ज कर दिया। इस पूरे मामले में एसओ अल्हागंज ओम प्रकाश ने आरोपी सिपाही को न सिर्फ बचाया बल्कि उसका साथ भी दिया। पीड़ित बृजेश ने इस मामले की शिकायत उच्च अधिकारियों से की। कार्रवाई न होने पर उसने धरना प्रदर्शन किया।

मौके पर पहुंचे तत्कालीन क्षेत्राधिकारी जलालाबाद अमित चौरसिया और थाना प्रभारी ओमप्रकाश ने पीड़ित की शिकायत को सही मानते हुए आश्वासन दिया कि फर्जी मुकदमा खत्म किया जाएगा और दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई होगी। धरना समाप्त होते ही हालात पलट गए। पीड़ित का आरोप है कि थाना प्रभारी और क्षेत्राधिकारी ने न केवल मुकदमा खत्म करने से मना कर दिया, बल्कि साक्ष्य मिटाने, उच्च अधिकारियों को गुमराह करने और आरोपी पुलिसकर्मी को बचाने के लिए फर्जी जांच आख्या भी तैयार कर दी। मजबूर होकर ब्रजेश ने न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। अदालत के आदेश पर थाना प्रभारी अल्हागंज और सिपाही के खिलाफ परिवाद दर्ज किया गया है। इस घटना ने एक बार फिर थाना अल्हागंज की कार्यशैली और जिले की पुलिस की छवि पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अल्हागंज पुलिस के हाल में हुए विवाद

- **2 जुलाई 2025 :** दो सिपाही–धर्मेंद्र और जावेद–का 25 लाख रुपये रिश्वत मांगते हुए ऑडियो वायरल।
- **3 जुलाई 2025 :** उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के हस्तक्षेप के बाद दोनों सिपाही निलंबित।
- **9 जुलाई 2025 :** बृजेश प्रकरण सामने आया, फर्जी शराब मामले में जेल भेजने का आरोप।
- **9 अगस्त 2025 :** न्यायालय के आदेश पर थाना प्रभारी और सिपाही पर परिवाद दर्ज।

- **एसओ और सिपाही को करानी पड़ सकती है जमानत**
- **आदेश के बाद बढ़ीं दोनों आरोपियों की मुश्किलें**

25 लाख मांगने में सस्पेंड हुए हैं दो सिपाही

अल्हागंज के सिपाहियों का एक ऑडियो हाल ही में सामने आया था, जिसमें वह धमका कर 25 लाख रुपये ऐंठने की कोशिश कर रहे थे। सिपाही धर्मेंद्र और जावेद का 25 लाख रुपये रिश्वत मांगते हुए ऑडियो वायरल हुआ था। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के हस्तक्षेप पर दोनों को निलंबित कर दिया गया था। यह मामला ठंडा भी नहीं पड़ा था कि अब बृजेश का प्रकरण सामने आ गया।

हाईवे पर काल बनकर घूम रहे छुट्टा पशु

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : इन दिनों एनएच-730 पर सफर करना जान जोखिम में डालने से कम नहीं है। वजह बन रहे हैं छुट्टा पशुओं के झुंड। रोज हाईवे पर कभी वाहनों से टकराकर गोवंशीय पशु तो कभी वाहन चालक घायल हो रहे हैं। 15 दिन पहले गोवंशीय पशुओं की तो मौत भी हो चुकी है। इन सबके बावजूद जिम्मेदार महज तमाशबीन की भूमिका निभा रहे हैं। वहीं गोरक्षा का दंभ भरने वाले लोग इनकी दुर्दशा पर चुप्पी साधे बैठे हैं।

सड़क सुरक्षा के नाम पर हर साल बड़े-बड़े आयोजन किए जाते हैं। दावा भी किया जाता है कि सड़क सुरक्षा के नाम पर किए गए प्रयासों से सड़क दुर्घटनाओं में कमी भी आई है। मगर, मौजूदा स्थिति को देखकर लगता है महामारी की तरह बढ़ती जा रही सड़क दुर्घटनाओं से जिम्मेदारों का कोई सरोकार ही नहीं है। वजह यह है कि जिन हाईवे और सड़कों पर सड़क सुरक्षा के दावे किए जाते हैं, उन्हीं पर इन दिनों लगातार हादसे हो रहे है, लोगों की जान जा रही है। हाईवे समेत अन्य प्रमुख मार्गों पर छुट्टा पशुओं के झुंड घूम रहे हैं। इन छुट्टा पशुओं के झुंड से आए दिन हादसे हो रहे हैं। इन हादसों में अधिकतर छुट्टा पशुओं की ही वाहनों से कुचलकर मौतें हो रही है। यह स्थिति उस जिले की है जहां गो संरक्षण को लेकर करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं। इन छुट्टा पशुओं के झुंड सबसे ज्यादा असम हाईवे पर देखे जा रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

रुपये मांगने पर पीटा

मदनापुर, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव लेही निवासी पंचम ने थाना पर दी तहरीर में बताया उसका बड़ा भाई राजपाल बुधवाना में दुकान की जगह के रुपये मांगने के लिए गया। आरोप है आरोपियों ने उसके भाई को पीटकर घायल कर दिया। आरोपी उसके भाई की जगह पर कब्जा करना चाहते है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दिव्यांग से किया कुकर्म

शाहजहांपुर, अमृत विचार : तिलहर–जैतीपुर मार्ग पर स्थित गांव का एक युवक दिव्यांग किशोर को दोपहर में किसी बहाने से खेत पर ले गया। आरोप है कि आरोपी ने किशोर से गन्ने के खेत में कुकर्म किया। किशोर की मां गन्ने के खेत से लेकर आई। वह आरोपी के घर पर शिकायत करने गई तो उसके परिवार वालों ने उसे गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी दी। प्रभारी निरीक्षक जुगुल किशोर ने बताया कि आरोपी पुष्पेंद्र के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस ने किशोर को मेडिकल के लिए भेज दिया है।

हादसे में चालक घायल

कलान, अमृत विचार : बदायूं के गांव चितौरा निवासी अनिल शुक्रवार शाम को अपने ई–रिक्शा से कलान आया था। उसने शराब पी रखी थी और कहीं टकरा गया, जिससे वह खून से लथपथ हो गया। उसने अपना ई–रिक्शा परौर तिराहे पर खड़ा कर दिया, जिससे जाम की स्थिति बन गई। थाने के कांस्टेबल बासु आर्य एवं अन्य पुलिसकर्मियों ने उसे देखकर तत्काल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। स्वास्थ्य कर्मी शिवम सक्सेना ने उसका इलाज किया, लेकिन हालत गंभीर होने पर उसे बदायूं जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

सुकन्या समृद्धि योजना बेटियों के लिए वरदान

कार्यालय संवाददाता,शाहजहांपुर

अमृत विचारः भारत सरकार की बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अन्तर्गत सुकन्या समृद्धि योजना बेटियों के उज्जवल भविष्य के लिए वरदान साबित हो रही है। अब सुकन्या समृद्धि खाता मात्र 250 रुपये से अपने नजदीकी डाकघर में खुलवा कर बेटियों के भविष्य के बचत कर सकते हैं।

प्रधान डाकघर अधीक्षक राजेश कुमार शर्मा ने बताया सुकन्या समृद्धि योजना के कुछ नियम होते हैं, जिनको फॉलो करने के बाद योजना का बहुमूल्य लाभ प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि माता-पिता या अभिभावक अपनी 10 से कम की आयु की बालिका के नाम से डाकघर में खाता खोल सकते हैं। जिसमे एक बालिका के नाम पूरे भारतवर्ष में केवल एक खाता खोला जा सकता है। योजना का लाभ आवेदनकर्ता की दो बेटियों तक दिया जाता है। अगर किसी को पहली लड़की हैं, और दूसरी संतान के रूप में दो बेटियों का जन्म होता है, तो यह लाभ पहली और दूसरी जन्मी दोनों ही बेटियों को मिलता है। योजना में खाता न्यूनतम 250 रुपये से खोला जाता हैं, उसके बाद 100 रुपये की गुणक में राशि जमा की जा सकती है। खाता खुलने की तारीख से लेकर 15 साल तक यह रकम जमा की जाती है। खाते में एक वित्तीय वर्ष में न्यूनतम 250 रुपये जमा तथा रुपये 150,000 लाख से ज्यादा जमा नहीं करवा सकते , किसी वर्ष न्यूनतम रकम जमा न कर पाने पर उस वर्ष लिए 50 रुपये की पेनल्टी दे कर खाते को नियमित किया जा सकता है। वित्तीय वर्ष के अंत तक कुल जमा का 50 प्रतिशत बेटी की आयु 18 वर्ष होने के पश्चात अथवा 10 कक्षा उत्तीर्ण होने पर उच्च शिक्षा संबंधी जरूरतों के लिए निकाल सकता हैं। इस योजना में जमा किए गए रुपये पर आयकर की धारा 80 सी के अन्तर्गत छूट मिलती है।

यह दस्तावेज जरूरी

- बालिका का स्वयं का जन्म प्रमाण पत्र
- बालिका के माता पिता अथवा अभिभावक का पहचान पत्र
- माता–पिता, अभिभावक का आवासीय पते का प्रमाण पत्र।

- **खाता खुलने की अवधि से 15 साल तक जमा करनी होगी रकम**
- **डाकघर में खुलवाएं 250 रुपये में खाता, मिलेगा लाभ**

विवाह के कारण बंद करवा सकते खाता

खाता खोलने की तिथि से 21 वर्ष पूर्ण होने पर खाता परिपक्व हो जाएगा, खाता 21 वर्ष की अवधि के पूर्ण होने से पहले भी बंद किया जा सकता है। यदि खाता धारक विवाह की तारीख को 18 वर्ष की आयु से कम न हो तो खाताधारक के इच्छित विवाह के कारण से यह खाता बंद करवा सकते हैं।योजनान्तर्गत रुपये किसी भी तरह से जमा करवा सकते हैं। कैश, चेक, डिमांड ड्राफ्ट तथा इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक के मोबाइल एप द्वारा आनलाइन भी आप रुपए जाम करा सकते हैं।

रिटेलरों से कालाबाजारी पर दो थोक विक्रेताओं के लाइसेंस निलंबित

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **पीलीभीत के शंकर खाद भंडार और बीसलपुर की ज्वाला सरन जगदीश सरन फर्म पर कार्रवाई**

अमृत विचार : खाद की किल्लत से जूझ रहे किसानों को अभी भी पूरी तरह से राहत नहीं मिल सकी है। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद प्रशासन एक्शन में आया है। शहर के शंकर खाद भंडार और बीसलपुर की ज्वाला सरन जगदीश सरन फर्म के लाइसेंस निलंबित कर दिए गए हैं। इन दोनों थोक विक्रेताओं पर दुकानदारों से ओवर रेटिंग और टैगिंग के आरोप थे।

किसानों से दुकानदारों ने कालाबाजारी शुरू कर दी। आरोप है एजेंट मनमानी सौदेबाजी के बाद ही दुकानदारों को यूरिया की आपूर्ति कर रहे थे। यूरिया के साथ अन्य सामानों की टैगिंग में आनाकानी पर यूरिया नहीं दी जा रही। दुकानदारों की शिकायत के बाद जिला कृषि अधिकारी नरेंद्र पाल ने दो उर्वरक विक्रेताओं पर कार्रवाई की गई है। मझोला की ज्योति फर्टिलाइजर्स के संचालक रामऔतार अग्रवाल ने 21 जुलाई को डीएम से शिकायत की थी। जिसमें बीसलपुर की ज्वाला सरन जगदीश सरन फर्म पर गंभीर आरोप लगाए थे। संचालक ने 24 जून को फर्म मालिक अपूर्व अग्रवाल से यूरिया मांगी। आरोप है अपूर्व अग्रवाल ने यूरिया 260 रुपये में देने की बात कही, लेकिन इसके साथ 55 हजार रुपये का अन्य सामान (जिंक, जाइम आदि) खरीदने का दबाव बनाया।

यह सामान बाजार दर से दोगुना दाम पर देने की बात कही गई। मझोला तक भाड़ा जोड़ने के बाद यूरिया करीब 280 रुपये प्रति बोरी पड़ती। जबकि शासन की ओर से निर्धारित अधिकतम दर 266 रुपये लोडिंग सहित 270 रुपये है। आपत्ति करने पर यूरिया देने से मना कर दिया था। जबकि फर्म के पास यूरिया उपलब्ध थी। आरोप हैं स्टाक की गई यूरिया को ब्लैक मार्केट रेट पर, टैगिंग के साथ, अन्य रिटेलरों को बेचा गया।

रंजिशन बुजुर्ग को लोहे की रॉड से पीटा, गंभीर

बरखेड़ा, अमृत विचारः रंजिशन एक वृद्ध को लोहे की रॉड से पीटा गया, जिससे उसकी हालत गंभीर हो गई। तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

थाना क्षेत्र के गांव जारकलिया निवासी मानसिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया शुक्रवार शाम 7 बजे उसके पिता मनोहरलाल गांव में ही कुएं के पास बैठे थे। इस दौरान रंजिशन गांव के प्रेमपाल ने उसके पिता पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया। आनन-फानन पिता को अस्पताल ले गए। हालत गंभीर होने पर एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलने पर पुलिस गांव पहुंची और जानकारी की। चौकी करोड़ इंचार्ज अवधेश कुमार ने बताया कि घायल के पुत्र की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। आरोपी को गिरफ्तार कर शनिवार को जेल भेज दिया है।

तिरंगा यात्रा निकालेगी हिंदू महासभा

पीलीभीत,अमृत विचार : स्वतंत्रता दिवस पर अखिल भारत हिंदू महासभा की ओर से शहर में भव्य स्वाभिमान तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। जिसकी तैयारियां चल रही है। पदाधिकारियों की जिम्मेदारी तय करने के साथ ही प्रचार– प्रसार भी किया जा रहा है। स्वतंत्रता दिवस को धूमधाम से मनाने की तैयारियां चल रही है। एक ओर प्रशासनिक स्तर से तमाम कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

स्वदेशी गायों का पालन कर समृद्ध बनेंगे जिले के किसान

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **मुख्यमंत्री गोसंवर्धन योजना के तहत सरकार करेगी मदद मिलेगा 40 फीसदी अनुदान**

अमृत विचारः जनपद के किसान अब स्वदेशी नस्लों की गायों की डेयरी खोल सकेंगे। किसान को दो गायों से गो पालन की शुरुआत कर सकते हैं। दो गायों की डेयरी स्थापित करने में सरकार किसानों की मदद करेगी।

प्रदेश सरकार ने किसानों को खेती के साथ ही छोटे स्तर पशुपालन कर आर्थिक स्थिति मजबूत करने और देशी नस्ल के गो पालन को बढ़ावा देने को मुख्यमंत्री स्वदेशी गो संवर्धन योजना शुरू की है। इसमें चयनित लाभार्थी को स्वदेशी नस्ल की गिर, साहीवाल, हरियाणा नस्ल की गाय खरीदना होगा। पशुपालन विभाग के मुताबिक एक किसान अधिकतम दो गायों से इकाई स्थापित करेगा। खरीदी गई गाय का तीन साल के लिए एकमुश्त पशु बीमा भी कराया जायेगा। दूसरे राज्य से गाय खरीद कर लाने के दौरान का भी बीमा कराया जाएगा। स्वदेशी नस्ल की दो गायों की एक यूनिट पर करीब 2 लाख रुपये का खर्च आएगा। पशु बीमा कराने, चारा काटने की मशीन , गायों के शेड निर्माण को कुल व्यय धनराशि का 40 प्रतिशत यानी 80 हजार रुपये का अनुदान दिया जाएगा।

> शासन द्वारा मुख्यमंत्री स्वदेशी गो संवर्धन योजना संचालित की जा रही है। योजना के तहत लाभार्थी को नियमानुसार 40 प्रतिशत तक अनुदान दिया जाएगा। जनपद को 24 इकाई स्थापित करने का लक्ष्य दिया गया है। – डॉ. पीके त्यागी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी

गजरौला पुलिस कर रही ग्रामीणों को जागरुक

पीलीभीत अमृत विचार : दो दिन पहले गजरौला क्षेत्र में एक मानसिक मंदित को चोर समझकर बेरहमी से की गई पिटाई के मामले में लापरवाही मिलने पर एसओ गजरौला जगदीप मलिक को निलंबित कर दिया गया। इस घटना से सबक लेते हुए अब एसपी के निर्देश पर गांव–गांव पुलिस की पाठशाला लगाई जा रही है। जिसमें ग्रामीणों को जागरुक किया जा रहा है। ताकि किसी बेगुनाह को चोर के शक में बेवजह न पीटा जाए। ऐसा करने वालों पर सख्त कार्रवाई की भी चेतावनी दी जा रही है। गजरौला क्षेत्र के बिठौराकलां गांव में शुक्रवार रात एक मानसिक मंदित को चोर समझकर ग्रामीणों ने खंभे से बांधकर पिटाई की थी, जिसका वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस की लापरवाही भी सामने आई और एसओ गजरौला जगदीप मलिक को एसपी अभिषेक यादव ने शनिवार को निलंबित कर दिया।

रक्षाबंधन: ग्राहकों ने दूर की बाजार की मंदी, करोड़ों रुपये की बिक गई मिठाई

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचारः रक्षाबंधन ने बाजार में छाई मंदी दूर कर दी। शुरुआती दिनों में हुई बारिश से कुछ असर पड़ा लेकिन अंतिम दो दिन में जमकर खरीदारी हुई। सर्राफा, कपड़ा, मिठाई, राखी और गिफ्ट गैलरी की दुकानों पर भीड़ रही। मोबाइल समेत कई अन्य प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक सामानों की भी बढ़ -चढ़कर खरीदारी की गई। व्यापारियों के अनुमान के अनुसार कारोबार 13 करोड़ के पार का अनुमान लगाया जा रहा है।

शहर के अलावा तहसील, कस्बों में मिठाई की 500 से अधिक छोटी-बड़ी दुकानें हैं। रक्षाबंधन से पहले ही मिठाई कारोबारियों ने मिठाइयां तैयार करना शुरू कर दी। रक्षाबंधन का त्योहार शनिवार को मनाया गया। इसके लिए कई दिन पहले ही दुकानें सज गई। इस बार मौसम ने शुरुआत में व्यापारियों की चिंता बढ़ाई। चार दिन तक रुक-रुककर हुई मूसलधार बारिश ने हालात बिगाड़े तो व्यापारियों की परेशानी बढ़ गई। मगर, शुक्रवार और शनिवार को दो दिन खरीदारी बढ़ गई। मिठाई की दुकान का काउंटर सड़क तक सजा रहा। रक्षाबंधन पर मिठाई में ब्रांडेड पैकेट में सोन पापड़ी और काजू की बर्फी की अधिक डिमांड रही। ये 500 रुपये से लेकर 1500 रुपये किलो तक बिकी। इसके अलावा मिठाई में चंद्रकला,घेवर, फेनी, मिक्स बंगाली मिठाई, बूंदी के लड्डू, बेसन के लड्डू से लेकर हर तरह की रंग बिरंगी मिठाई खूब बिकी। मिठाई के रेट 250 रुपये किलो से शुरू होकर 1500 रुपये या इससे अधिक भी रहे। मिक्स मिठाई 300 से 500 रुपये प्रति किलो के हिसाब से बिकी। मिठाई का कारोबार करीब दस करोड़ के आसपास रहा।

रक्षाबंधन के दिन मिठाई की दुकान में खरीदारी करते लोग • अमृत विचार

राखियों का कारोबार एक करोड़ के पार

रक्षाबंधन के पर्व पर राखी का एक अलग ही महत्व है। हर बहन अपने भाई की कलाई पर राखी बांधती है। रक्षाबंधन के त्योहार को लेकर शहर ही नहीं बल्कि पूरे जिले में राखियों की दुकानें सज गई थी। जिसकी बिक्री करीब एक माह पहले शुरू हो गई थी। बाजार में इस बार महंगाई के चलते एक राखी की शुरुआत 10 रुपये से हुई। जो अधिकतम 250 रुपये तक मौजूद थी। दो दिन त्योहार होने की वजह से राखी का कारोबार सबसे अधिक रहा। मिठाई के साथ ही राखियों की दुकानों पर भी जमकर धनवर्षा हुई। राखी कारोबारी स्वतंत्र देवल ने बताया कि शहर में करीब राखी की 400 दुकानें लगी होगी। जबकि जिले में यह संख्या इससे भी तीन गुना अधिक होगी। इस रक्षाबंधन पर करीब एक करोड़ से अधिक का कारोबार हुआ होगा।

खूब बिके चांदी के ब्रेसलेट

रक्षाबंधन पर सर्राफा बाजार में भी जमकर कारोबार हुआ। बहन–भाइयों ने चांदी के ब्रेसलेट, जेवरी आदि खरीदे। महंगाई के चलते सोने की खरीद कम रही। मगर, रक्षाबंधन पर एक दूसरे को गिफ्ट देने में पीछे नहीं रहे। रक्षाबंधन पर रेशम की डोर के साथ चांदी भी खूब बिकी। सराफा कारोबारियों की मानें तो चांदी की राखियों की मांग अधिक रही। जेवरी भी अधिक बिक्री हुई। जिलेभर में 70 लाख के आसपास कारोबार रहा होगा। हालांकि पिछली बार अधिक कारोबार रहा था।

अमृत विचार
Lifelines OF BAREILLY
MEDICAL
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

FOCUS नेत्रालय
RAJENDRA NAGAR, BAREILLY 731-098-7005

DR. KANUPRIYA AGARWAL
Fellow- Shroff Eye Hospital, New Delhi
Ex. Safdarjung Hospital, New Delhi
"ARTIFICIAL INTELLIGENCE" ASSISTED EYE SURGERIES

ALL MAJOR INSURANCE ACCEPTED
AYUSHMAN / ECHS / CGHS / TPA EMPANELLED

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आँख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी-स्कैन द्वारा पर्दे की जाँच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जाँच व उपचार
80000 से अधिक आँखों के ऑपरेशन का अनुभव
TPA सुविधा उपलब्ध
8077344353
समय :- प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री ऑपरेशन की सुविधा

डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT, REFRACTIVE & GLAUCOMA SURGEON
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

डॉ. दर्शन मेहरा
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन)
Cardiopulmonologist, Diabetologist & Intensivist
आयुष्मान एवं TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
डायबिटीज, थायराइड, डेंगू, मलेरिया, टी.बी., पेट रोग, गठिया, फेफड़ों के रोग, तेज बुखार, एलर्जी, जटिल रोगों का उचित इलाज
दर्पिन हॉस्पिटल
संजय नगर रोड, पीलीभीत बाईपास, बरेली
हैल्प लाइन – 8979252222, 9457663289

चोरी के आरोपी को भेजा जेल

बीसलपुर, अमृत विचार : कोतवाली पुलिस ने ग्राम साबेपुर में ग्रामीण के घर 12 दिन पहले हुई चोरी के मामले में आरोपी को जेल भेज दिया।

कोतवाल संजीव कुमार शुक्ला ने बताया गांव साबेपुर के विकास कुमार के घर 28 जुलाई की रात चोरी हुई थी। आरोपी उसी गांव का रहने वाला प्रभाकर निकला। आरोपी से चोरी का मोबाइल, 600 रुपये बरामद किए गए। चालान कर कोर्ट में पेश करके उसे जेल भेज दिया है।

डीवी फीडर नहर में उतराता मिला महिला का शव

संवाददाता, अमरिया

- **अमरिया पुलिस ने पहुंचकर जुटाई जानकारी, पोस्टमार्टम को भेजा**

अमृत विचारः इन दिनों नहर व नदियां उफनाई हुई हैं। इस बीच डीवी फीडर नहर में एक महिला का शव उतराता मिला तो खलबली मच गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जानकारी की।

शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस दौरान मौके पर भीड़ लगी रही।अमरिया थाना क्षेत्र के ग्राम दीनारपुर भूड़कोनी के पास से डीवी फीडर नहर गुजरी है। शनिवार को नहर में एक महिला का शव उतराता मिला। कुछ ही देर में मौके पर भीड़ जमा हो गई। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। शव अर्धनग्न हालत में था। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जानकारी की।

ग्रामीणों की मदद से शव को बाहर निकाला गया। फील्ड यूनिट टीम भी मौके पर बुलाई गई। एक्सपर्ट ने घटना स्थल से सुरागरसी की। इंस्पेक्टर प्रमेंद्र कुमार ने बताया कि मृतक की शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं।

संदिग्ध हालात में युवक की मौत

बिलसंडा, अमृत विचार : संदिग्ध हालात में एक युवक की मौत हो गई। उसका शव गांव मीरपुर हररायपुर के तालाब में उतराता मिला। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने जानकारी की। शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजन का रोकर बुरा हाल रहा।थाना क्षेत्र के गांव मीरपुर हर्रायपुर में तालाब है। इसमें शनिवार सुबह एक युवक का शव उतराता मिला। ग्रामीणों की नजर शव पर पड़ी तो कुछ ही देर में भीड़ जमा हो गई। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। इसके बाद ग्रामीणों की मदद से शव बाहर निकाला गया। मृतक की शिनाख्त गांव के ही वीरेंद्र कुमार के रूप में हुई। मृतक के भाई धीरेन्द्र कुमार ने बताया वह परिवार समेत बाहर रहकर मजदूरी करते हैं। गांव में उसका भाई वीरेंद्र कुमार अकेला रहता था। उसकी 2005 में शादी हुई थी और एक बेटी है। पत्नी ने करीब पांच माह पहले दूसरी शादी कर ली थी। इसी से वह अवसाद में रहता था। एसओ सिद्धांत शर्मा ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

न्यूज ब्रीफ

दिव्यांग आश्रम में समाजसेवी ने मनाया रक्षाबंधन, बांधी राखी

बदायूं, अमृत विचार : वजीरगंज में दिव्यांग आश्रम में बेसहारा बच्चों को समाजसेवी पूजा तिवारी ने राखी बांध कर रक्षाबंधन मनाया। उन्होंने दिव्यांग भाइयों को रोली तिलक लगा कर मिठाई खिलाकर राखी बांधी। सभी विकलांग भाइयों ने बहन का आशीर्वाद लिया। विकलांग आश्रम वजीरगंज अध्यक्ष उनीश पाल सिंह ने कहा दिव्यांगों के बीच रक्षाबंधन का त्योहार मनाने ने दिव्यांगों के चेहरे पर खुशी देखी गई। आश्रम के अध्यक्ष उनीश पाल सिंह यादव ने बताया आश्रम में बहुत बहुत दूर के दानदाता आते है। वैवाहिक वर्षगांठ, पुण्यतिथि, स्थापना दिवस, जन्मदिन, विकलांग आश्रम में बच्चों के बीच मनाते है। इसके अलावा शहर से लेकर देहात तक रक्षाबंधन का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर विकलांग आश्रम के सभी आश्रम वासी मौजूद रहे।

दिल्ली, मुरादाबाद और बरेली के साथ लोकल रूटों पर रहा बुरा हाल, डग्गामार वाहनों का लेना पड़ा सहारा

ट्रेनों और रोडवेज की बसों में मारामारी, परेशान रहीं बहनें

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : रक्षाबंधन के दिन रोडवेज बस स्टैंड पर बहनों की भीड़ के आगे रोडवेज की व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई। शनिवार सुबह 5 बजे से ही बसों में जबरदस्त भीड़ देखी गई। 10 और 11 बजे तक हालात बेहद खराब हो गए। बहनें भाइयों के घर जाने के लिए बड़ी संख्या में बस अड्डे पर पहुंच चुकी थी, लेकिन बसों का कहीं अता-पता नहीं था। बस स्टैंड खाली पड़ा था। जो बसें आ भी रही थीं, उनमें ऐसी जबरदस्त भीड़ थी कि पैर रखने तक की जगह नहीं दिखाई दे रही थी। हाथ में मिठाई का डिब्बा और बैग टांग कर एक बस से दूसरी बस के पीछे महिलाएं भागती नजर आई।

रोडवेज बस में चढ़ने के लिए मशक्कत करते यात्री। ● अमृत विचार

रक्षाबंधन के त्योहार पर शासन की ओर से बहनों के लिए यात्रा मुफ्त कर रखी है। रोडवेज निगम की ओर से यात्रा को सुगम बनाने का दावा किया गया था। लेकिन रोडवेज निगम का दावा हवा हवाई साबित हुआ। दोपहर के समय भीड़ बढ़ने के समय रोडवेज परिसर खाली पड़ा। एक या दो बसें खड़ी थीं। वह भी यात्रियों से फुल खड़ी दिखी। रोडवेज की इस अव्यवस्था का फायदा डग्गामार बस संचालकों ने खूब उठाया। हालांकि भीड़ इतनी जबरदस्त थी डग्गामार बसें भी कम पड़ गईं। रोडवेज बस नहीं मिलने पर यात्रियों ने बस अड्डे से बाहर आकर डग्गामार बसों में सफर करने की सोची तो वह भी नहीं मिलीं। विदित रहे कि रोडवेज परिवहन निगम प्रतिवर्ष रक्षाबंधन त्योहार के दिन अतिरिक्त बसों को चलाने के बड़े-बड़े दावे करता है, लेकिन रोडवेज निगम के सभी दावे खोखले साबित होते हैं।

कई महिलाओं ने भीड़ से बचने के लिए इस एक दिन पहले यानि शुक्रवार को ही भाइयों के घरों की ओर रवानगी कर दी थी। शुक्रवार को भी लोगों को बस की कमी के चलते भारी मुसीबतों का सामना करना पड़ा था। लोगों को भारी परेशानियों का सामना करने के बाद भी सीट नहीं मिली तो खड़े होकर सफर करना पड़ा। रक्षाबंधन के पर्व पर घर पहुंचने के लिए लोगों में जितना उत्साह देखने को मिला, उतनी ही परेशानियां रोडवेज और रेलवे प्रशासन की व्यवस्था के चलते उठानी पड़ी।

अतिरिक्त बसों के संचालन के दावे फेल

रक्षाबंधन के त्योहार को देखते हुए ही रोडवेज ने अतिरिक्त इंतजाम करने के दावे किए थे, लेकिन बस अड्डे के हालात बहुत खराब नजर आए। जहां बसों में सवार होने की मारामारी दिखी। वहीं भारी भीड़ ने लोगों के पसीने छुड़ा दिए। यहां तक कि ड्राइवर के पास भी लोग बैठे नजर आए। लोगों ने सीट घेरने के लिए खिड़की से भी चढ़ने में परहेज नहीं किया।

पर्यावरण को बेहतर बनाने के गुर सीखेंगे स्कूली बच्चे

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

● बच्चों को प्रेरित करने के लिए शिक्षकों को किया जाएगा प्रशिक्षित

अमृत विचार : परिषदीय सहित माध्यमिक स्कूलों में अध्ययनरत बच्चे किताबों के साथ ही पर्यावरण को बेहतर बनाने की जानकारी हासिल कर सकेंगे। रोजमर्रा की गतिविधियों के माध्यम से भी बच्चों को पर्यावरण की अहमियत को समझाने के लिए शिक्षक महती भूमिका में होंगे। इसके लिए स्कूलों में जागरुकता कार्यक्रम होंगे। इसके लिए पहले शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जाएगा। इसके बाद शिक्षक स्कूलों में बच्चों को पर्यावरण संरक्षण की सीख देने के लिए जागरुकता कार्यक्रमों का आयोजन कराएंगे।

बीएसए ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और एनसीएफएसई में पर्यावरण शिक्षा को 21वीं सदी के जरूरी कौशल में शामिल किया गया है। इसके माध्यम से बच्चों में नवाचार, अनुकूलन और नेतृत्व क्षमता को निखारने का काम किया जाएगा। इसके तहत विद्यालयों में पोस्टर, पेंटिंग, नारा लेखन, रैली, सफाई अभियान, खाद निर्माण और किचन गार्डन जैसी गतिविधियों का संचालन किया जाएगा। साथ ही पर्यावरण शिक्षा को भी व्यावहारिक बनाकर बच्चों में प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी और समझ पैदा की जाएगी। बीएसए वीरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि इसके निर्देश सभी खंड शिक्षा अधिकारी और शिक्षकों को दे दिए गए हैं।

भाई की कलाई पर सजा बहन का प्यार

हर्षोल्लास के साथ मनाया रक्षाबंधन, दीर्घायु के लिए भगवान से की कामना

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : भाई-बहन के प्यार का प्रतीक रक्षाबंधन का त्योहार शनिवार को जिले भर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधने के साथ ही उनकी दीर्घायु के लिए भगवान से कामना की। भाइयों ने भी बहनों को उपहार देने के साथ ही उन्हें रक्षा का वचन दिया। अधिकांश बहनें एक दिन पहले ही भाईयों के घर पहुंच गई थीं। कुछ त्योहार के दिन भाईयों के घर पहुंची। त्योहार को लेकर घरों में उत्साह का माहौल रहा।

मानसून सक्रिय है। जिले में एक पहले रिमझिम बारिश का दौर बना हुआ है। बारिश के बीच बहनें भाईयों के कलाई पर राखी बांधने के लिए निकल पड़ी। शनिवार को सुबह से ही बहनों ने राखी और पूजन सामग्री की थालियां सजाना शुरू कर दिया। थालियों में रोली, कुमकुम, अक्षत, दीपक और आकर्षक राखियां रखी गईं। निर्धारित मुहूर्त में बहनों ने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर उनकी कलाई पर राखी बांधी और आरती उतारी। भाइयों की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना की। बदले में भाइयों ने उपहार भेंट करते हुए बहनों को रक्षा का वचन दिया। वहीं रक्षाबंधन त्योहार पर बाजार में रौनक रही। मिठाई, उपहार और सजावटी वस्तुओं की दुकानों पर सुबह से ही खरीदारों की भीड़ उमड़ पड़ी। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी इस पर्व के उल्लास में डूबे नजर आए। शहर के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी घर-घर रक्षाबंधन का त्योहार उत्साह के साथ मनाया गया। अधिकांश बहनें एक दिन पहले ही भाईयों के घर पहुंच गई थी। कुछ त्योहार के दिन भाइयों के घर पहुंची। भाईयों के घर पहुंची बहनों की वजह से परिवार में माहौल खुशनुमा बन गया। रक्षाबंधन ने एक बार फिर भाई-बहन के रिश्ते में स्नेह और विश्वास की डोर को मजबूत किया। हर घर में प्रेम, अपनापन और उत्सव की खुशबू महसूस की गई।

दुकान से मिठाई खरीदती महिला। ● अमृत विचार

मोहल्ला आदर्शनगर में गली नंबर-3 के एक घर में भाई को राखी बांधती बहन।

भाई की कलाई पर राखी बांधती बहन।

कारागार प्रशासन ने रक्षाबंधन को लेकर की व्यवस्था

जिला कारागार में भी सुबह से ही भाइयों की कलाई पर राखी बांधने के लिए बहनों की कतार लगी है। इस बार कारागार प्रशासन ने रक्षाबंधन को लेकर अलग से तैयारी की है। जेल अधीक्षक ने बताया कि इस बार कारागार के अंदर ही राखी, तिलक, मिठाई का प्रबंध जेल प्रशासन ने ही किया था। बाहर से कोई सामान नहीं मंगवाया गया। बहनों ने जिला कारागार में अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर उन्हें मिठाई खिलाई। इस दौरान विशेष व्यवस्था की गई थी।

नूरपुर पिनौनी में मनाया रक्षाबंधन

भाई को राखी बांधती बहन।

नूरपुर पिनौनी, अमृत विचार : गांव सहित पूरे क्षेत्र में राखी का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। बहनों ने अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधी।

कारागार में भाइयों की कलाई पर बांधी राखी

संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : जिला कारागार में भाई बहन के प्रेम का प्रतीक रक्षाबंधन के पर्व पर भाईयों को राखी बांधने पहुंची बहनों के लिए जिला अपराध निरोधक कमेटी के पदाधिकारियों व्यवस्था की। कमेटी सदस्यों ने कारागार गेट पर टेंट लगवाने के साथ पीने के लिए शुद्ध पानी की व्यवस्था की थी। मुलाकात सुबह 8 बजे से शिफ्टों में कराई गई।

कारागार में बहनों के अलावा पुरुषों को प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई। बहनें अपने भाईयों के लिए मिठाई या अन्य कोई खाने से संबंधित सामग्री लेकर आईं थी। उनका निरीक्षण करने के बाद कारागार में बहनों को प्रवेश दिया गया। उत्तर प्रदेशीय अपराध निरोधक केज़िला सचिव एवं जेल पर्यवेक्षक मुहम्मद शमसुद्दीन शम्स के नेतृत्व में कारागार परिसर में बहिनों के लिए टैंट, कुर्सी, शुद्ध पेयजल की व्यवस्था की गई। इस मौके पर डॉ नेत्रपाल सिंह शैलानी, सी पी सिंह, डॉ संजीव कुमार शाक्य, इमरान, खिज़र अहमद आदि उपस्थित रहे।

कारागार के बाहर राखी बांधने के लिए लाइन में खड़ी बहनें। ● अमृत विचार

● अपराध निरोधक कमेटी ने बहनों के लिए की व्यवस्था

घंटों गुल रही बिजली, मरीज और तीमारदार परेशान

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : शनिवार को शहर में दोपहर को घंटों बिजली गुल रही जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। जिला महिला अस्पताल में बिजली न होने से महिला वार्ड में गर्मी से बेहाल महिलाएं हाथ का पंखा झलती रहीं।

शनिवार को हल्की बारिश के बाद तेज धूप निकली जिससे गर्मी और उमस ने लोगों को बेहाल कर दिया। सुबह 11 बजे अचानक बिजली गुल हो गई। तेज धूप में लोगों को दिक्कत होने लगी। जिला महिला अस्पताल के पंखा कूलर बंद हो गए। प्रसूताओं को गर्मी के चलते पसीना बहाना पड़ा। दोपहर 1 बजे बिजली सप्लाई शुरू हुई तो मरीजों ने राहत की सांस ली। लेकिन बिजली आने के बाद भी गर्मी कम नहीं हुई। एसी खराब होने के कारण मात्र पंखे चले जिनसे मरीजों को कोई राहत नहीं मिली। जिला महिला अस्पताल के द्वितीय तल पर ऑपरेशन कराने वाली प्रसूताओं को एक बड़े वार्ड में भर्ती किया जाता है। इस वार्ड में दो एसी लगे हैं जो कई महीनों से खराब होने के कारण बंद रहते हं। केवल पंखे ही चलते हैं। पंखों से मरीजों को राहत नहीं मिलती है। इसलिए वार्ड में हर समय बेहद गर्मी रहती है। हॉल में बैठे मरीजों के परिजनों को गर्मी के कारण परेशानी हुई। तीसरी मंजिल पर भर्ती मरीजों को गर्मी के कारण दिक्कत हुई। बिजली कटौती से हर दिन मरीज परेशान रहते हैं।1 बजे बिजली आपूर्ति शुरू हुई जिसके बाद कुछ राहत मिली।

शहर के इन स्थानों में रही बिजली गुल : शहर में घंटों बिजली गुल रह। जिससे रोडवेज, पुलिस लाइन चौराहा, इंदिरा चौक, रजी चौक, गद्दी चौक, ब्राह्मपुर और सिविल लाइन के कई क्षेत्रों में बिजली गुल रहने से उपभोक्ताओं को परेशानी हुई। गर्मी और उमस के चलते घरों में उपभोक्ता परेशान रहे। वहीं बिनावर बिजलीघर से बिजली सप्लाई ठप रही। जिससे करीब सौ से अधिक गांवों को गर्मी से जूझना पड़ा। उधर, सहसवान और उचैती क्षेत्र में बिजली सप्लाई ठप रही। जब दोपहर के बाद कुछ मौसम साफ हुआ तो सप्लाई शुरू की गइ। सहसवान के नाधा क्षेत्र में कई दिन से कटौती को लेकर ग्रामीण परेशान हैं। मुजरिया और कोल्हाई में बिजली कटौती के कारण किसान हंगामा कर रहे हैं।

> शनिवार सुबह से बिजली सप्लाई दी जा रही है। कुछ देर के लिए कुछ क्षेत्रों में सप्लाई बारिश के कारण रोकी गई थी लेकिन अब कहीं से कोई शिकायत नहीं मिल रही है। जिले के सभी बिजली घरों से सप्लाई दी जा रही है। - संजीव कुमार, अधिशासी अभियंता

बदायूं डायरी

भाई को राखी बांधती बहन।

भाई की कलाई पर राखी बांध बहन ने लिया रक्षा का वचन

कादरचौक, अमृत विचार : रक्षाबंधन का त्योहार कस्बा सहित देहात क्षेत्र में धूमधाम से मनाया गया। बहनों ने अपने भाई की कलाई पर राखी बांधकर उनके मंगल भविष्य की कामना की। भाई ने बहन के पैर छूकर हर मुसीबत में साथ देने का वादा किया। इस दौरान बाजार में भीड़ रही। सबसे अधिक भीड़ मिठाई और राखी की दुकानों पर देखी गई। वहीं दूसरी ओर वाहनों की कमी को लेकर बहनें जूझती दिखाई दीं। उन्हें अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए डग्गामार वाहनों से सफर करना पड़ा।

रक्षाबंधन पर भाई को रखी बांधती बहन।

कस्बे के बाजार रहे गुलजार

विजय नगला, अमृत विचार : रक्षाबंधन का शनिवार को देहात क्षेत्र में धूमधाम से मनाया गया। बहनों ने भाईयों के घर पहुंचकर उनके हाथ पर राखी बांधी। भाईयों ने उपहार देने के साथ ही रक्षा का वचन दिया। त्योहार को लेकर कस्बे की सभी छोटी-बड़ी बाजार पूरी तरह गुलजार रहीं। शनिवार सुबह से ही बाजारों में भारी भीड़ देखने को मिली। भाइयों ने भी बहनों को उपहार देकर जीवन भर रक्षा का संकल्प दोहराया पुलिस ने महिलाओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विशेष व्यवस्था की थी। पूरे क्षेत्र में रक्षाबंधन का त्योहार शांतिपूर्वक मनाया जा रहा है।

परिवार में रक्षाबंधन मनाते भाई-बहन।

बाजारों में राखियों और मिठाइयों की जमकर बिक्री हुई

बिल्सी, अमृत विचार : रक्षाबंधन के त्योहार कस्बा सहित देहात क्षेत्र में उत्साह से मनाया गया। बहनों ने भाई की कलाई पर राखी बांधकर रक्षा का वचन लिया। त्योहार पर बाजार में खासी रौनक रही। बाजारों में राखियों और मिठाइयों की जमकर बिक्री हुई। त्योहार के मौके पर रेल और बस स्टेशनों पर भी काफी भीड़ देखी गई। परिवारों में प्यार और उत्साह का माहौल रहा। थाना पुलिस ने महिलाओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विशेष व्यवस्था की थी। पूरे क्षेत्र में रक्षाबंधन का त्योहार शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ।

भाई की कलाई पर राखी बांधती बहन।

भाइयों ने बहनों को भेंट किए उपहार

कुंवरगांव, अमृत विचार : कस्बा सहित देहात क्षेत्र में राखी का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। रक्षाबंधन का त्योहार भाई-बहन के प्रेम और बंधन का प्रतीक है। त्योहार पर बहनों ने अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांध। बदले में भाईयों ने अपनी बहनों के प्रति प्रेम और देखभाल के प्रतीक के रूप में उपहार भेंट किए। त्योहार पर बहनों को यातायात व्यवस्था ठीक न होने से दिक्कतों का सामना करना पड़ा। यातायात व्यवस्था ठीक न होने से बहनों को डग्गामार वाहनों का सहारा लेना पड़ा। त्योहार पर बाजार में दिन भर भीड़ भाड़ रही। सबसे अधिक मिठाइयों की दुकानों पर भीड़ देखी गई।

रक्षाबंधन पर भाई को रखी बांधती बहन।

कस्बे के बाजार रहे गुलजार

विजय नगला, अमृत विचार : रक्षाबंधन का शनिवार को देहात क्षेत्र में धूमधाम से मनाया गया। बहनों ने भाईयों के घर पहुंचकर उनके हाथ पर राखी बांधी। भाईयों ने उपहार देने के साथ ही रक्षा का वचन दिया। त्योहार को लेकर कस्बे की सभी छोटी-बड़ी बाजार पूरी तरह गुलजार रहीं। शनिवार सुबह से ही बाजारों में भारी भीड़ देखने को मिली। भाइयों ने भी बहनों को उपहार देकर जीवन भर रक्षा का संकल्प दोहराया पुलिस ने महिलाओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विशेष व्यवस्था की थी। पूरे क्षेत्र में रक्षाबंधन का त्योहार शांतिपूर्वक मनाया जा रहा है।

भाई की कलाई पर राखी बांधती बहन।

भाइयों ने बहनों को भेंट किए उपहार

कुंवरगांव, अमृत विचार : कस्बा सहित देहात क्षेत्र में राखी का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। रक्षाबंधन का त्योहार भाई-बहन के प्रेम और बंधन का प्रतीक है। त्योहार पर बहनों ने अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांध। बदले में भाईयों ने अपनी बहनों के प्रति प्रेम और देखभाल के प्रतीक के रूप में उपहार भेंट किए। त्योहार पर बहनों को यातायात व्यवस्था ठीक न होने से दिक्कतों का सामना करना पड़ा। यातायात व्यवस्था ठीक न होने से बहनों को डग्गामार वाहनों का सहारा लेना पड़ा। त्योहार पर बाजार में दिन भर भीड़ भाड़ रही। सबसे अधिक मिठाइयों की दुकानों पर भीड़ देखी गई।

शिक्षिका ने पूर्व मंत्री को बांधी राखी

पूर्व मंत्री आबिद को रक्षाबंधन पर राखी बांधती शिक्षक नेता सीमा यादव।

बदायूं, अमृत विचार : रक्षाबंधन त्योहार पर भाई बहन का प्रतीक है। त्योहार पर शिक्षक नेता सीमा यादव ने पूर्व मंत्री आबिद रजा के आवास पर पहुंचकर राखी बांधी। पूर्व मंत्री ने मुंहबोली बहन को उपहार भेंट करने के बाद रक्षा का वचन दिया।

श्याम परिवार ने चलाई निशुल्क बस

बिल्सी, अमृत विचार : रक्षा बंधन पर्व पर मार्ग पर चलने वाली निजी बसों एवं डग्गामार वाहनों में यात्रा के दौरान होने वाली समस्याओं को लेकर शनिवार को नगर के श्री श्याम परिवार ने बहनों के लिए बदायूं-बिल्सी के मध्य एक बस का संचालन किया। बियापुर के सम्राट अशोक चौक पर सुबह 9 बजे पुलिस क्षेत्राधिकारी संजीव कुमार, कोतवाल मनोज कुमार सिंह और नगर के चिकित्सक डॉ .उमेंद्र कुमार गुप्ता ने नारियल फोड़ कर एवं फीता काटकर बस का शुभारंभ किया। इस बस के संचालन से क्षेत्र की महिलाओं को काफी राहत मिली। उन्हें बदायूं और बिल्सी के मध्य सुगमता के साथ यात्रा करने का मौका मिला। इस मौके पर श्याम परिवार के सदस्य विकास बाबू वाष्णेय, दिनेश बाबू वाष्णेय, सौरभ वार्ष्णेय, उज्ज्वत वाष्णेय, अंशुल बाबू, गोपाल बाबू मौजूद रहे।

सरदार बल्लभ भाई पटेल डिग्री कॉलेज
भोजीपुरा रेलवे स्टेशन से पूर्व की ओर
Contact No. 9412287776, 9412288876, 9412288878, 9457507777
निःशुल्क प्रवेश सत्र 2025-26 स्नातक प्रथम वर्ष
B.A. B.Sc. B.Com. B.Sc. (Home Science) B.B.A. B.C.A.
अन्य संचालित कोर्स
M.A. M.Sc. M.Sc. (Home Science) M.A. (Home Science) M.A. (Drawing & Painting)
D.PHARMA BTE CODE 2143 B.Ed. BTC D.El.Ed. B.EL.ED
सरदार वल्लभ भाई पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी
भोजीपुरा, बरेली BTE CODE - 2143
B.El.Ed. (इंटरमीडिएट के पश्चात 4 वर्षीय बी.टी.सी.) College Code 148
डी.एस.आर. कॉलेज ऑफ फार्मेसी
BTE CODE-2079
रिछा-जहानाबाद रोड पिपरानाकार बहेड़ी, बरेली
Contact No. 9719807777, 9719817777, 9719827777, 9719837777, 9719847777
चेयरमैन डा. हरीशंकर गंगवार, Mob No : 9412287777

SSVGI SHRI SIDDHI VINAYAK GROUP OF INSTITUTIONS
16 Years Educational Exellence
ADMISSION OPEN SESSION 2025-26
• SSVIT I B.Tech (CS • IT • ME • CE • EE • EC) | M.Tech (CS • ME)
• SSVIM I MBA • Int. MBA • BBA • BCA • B.COM • B.COM (H) B.SC (PCM) • B.SC (ZBC) • B.SC (Home Sci. • Biotech)
• SSVP I Polytechnic (ME(A) • ME(P) • IT • EC • EE • CE)
• SSVSN I GNM • ANM
• SSVIP I D.Pharma • B.Pharma
• SSVIPS I Diploma in Optometry • Emergency & Trauma care X-Ray Tech. • Dialysis • Physiotherapy • O.T. Tech.
Why Enroll @ SSVGI
• Career-Focused Education
• Best Placement in the Region
• High-Tech Academic Infrastracture
• Highly Experienced Faculty
20 LPA Highest CTC | 4.5 LPA Average CTC | 92% Placement in Past 5 Year
1200+ SSVGIians Placed in Top MNC's | 2000+ Placement Offers | 550+ Recruitment Partners
7599471145, 7599471144 | www.ssvgi.org
Campus: 10th Km Stone, Nainital Rd, Bareilly, U.P.
City Office: Avas Vikas Complex, Sheel Chauraha, Bareilly

रूहेलखण्ड कमिश्नरी का प्रथम विधि विद्यालय
SHRIJI INSTITUTE OF LEGAL Vocational Education & Research
Estd. 2003
(SILVER LAW COLLEGE)
(Approved by BCI & Affiliated to MJPRU)
ADMISSION OPEN 2025-26
DIRECT ADMISSION
LL. B. 3 Yrs. Course After Graduation
B.A. LL.B. 5 Yrs. Course After 12th
College Code : 119
General 45%, OBC 42%, SC/ST 40% (in Intermediate & Graduation)
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें :
9837485855, 9411472001
7983811321, 7906220708, 9068232656
Email.: ravibhatnagar.slcbly@gmail.com
Add : Vill. Barkhapur, PO. Mudia Ahamad Nagar,12th Km. Pilibhit Road, Bareilly

अमृत विचार

बरेली, रविवार, 10 अगस्त 2025

न्यूज ब्रीफ

सहसवान की सारा समन को मिला प्रतिभा सम्मान

सहसवान, अमृत विचार : शिक्षा के क्षेत्र में अद्वितीय उपलब्धि से सहसवान का नाम रोशन करने वाली सारा समन को प्रतिभा सम्मान समारोह 2025 से सम्मानित किया गया। यह भव्य समारोह सर सैय्यद अहमद एजुकेशनल वेलफेयर एसोसिएशन के तत्वावधान में हुआ। मोहल्ला काजी सहसवान निवासी सारा समन पुत्री सैय्यद मोहम्मद स्वाले ने कक्षा 10 में सर्वोत्तम अंक अर्जित कर अपनी प्रतिभा और लगन का परिचय दिया। उनकी इस असाधारण सफलता के लिए उन्हें मंच पर बुलाकर प्रशस्ति पत्र और सम्मान चिह्न प्रदान किया गया। कार्यक्रम के दौरान मौजूद लोगों ने जोरदार तालियों से उनका स्वागत किया। संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि हर वर्ष यह सम्मान उन मेधावी विद्यार्थियों को दिया जाता है, जो अपनी पढ़ाई में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अन्य छात्रों के लिए प्रेरणा बनते हैं। समारोह के अंत में सभी ने ईश्वर से सारा समन के उज्ज्वल भविष्य और निरंतर प्रगति की कामना की।

30 स्वयं सहायता समूह की महिलाएं बनाएंगी दो लाख तिरंगे

13 तक तैयार करने हैं तिरंगे, 15 को सरकारी भवनों और प्रतिष्ठानों पर फहराए जाएंगे

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : कुछ दिन बाद 15 अगस्त मनाया जाएगा। इसकी तैयारी प्रशासन की ओर से शुरू हो चुकी है। हर घर तिरंगा अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। इस बार शासन की ओर से प्रशासन को साढ़े पांच लाख से अधिक तिरंगा लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसमें दो लाख तिरंगा स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को तैयार करने की जिम्मेदारी दी गई है। आदेश आने के बाद चिन्हित किए गए 30 स्वयं सहायता समूह की महिलाएं झंडे तैयार करने में जुटी हुई हैं। झंडों को 13 अगस्त तक तैयार किया जाना है।

आजादी के अमृत महोत्सव पर इस बार भी 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान चलेगा। इसकी शुरुआत हो गई है। शुक्रवार को ऑडिटोरियम में काकोरी कांड समारोह मनाया गया। इस कार्यक्रम के आयोजन के बाद अब तिरंगा यात्रा अभियान को सफल बनाने की तैयारी है। हर बार की तरह इस बार भी करीब साढ़े पांच लाख से अधिक तिरंगा लगाने का लक्ष्य शासन की ओर से दिया गया है। दो लाख तिरंगा स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को तैयार करना है। तीस समूह की करीब 300 से अधिक महिलाएं झंडा तैयार करने में लगी हुई हैं। झंडा 13 अगस्त तक तैयार करना है। 15 अगस्त को सरकारी भवनों और प्रतिष्ठानों पर झंडा फहराया जाएगा।

तिरंगा तैयार करतीं स्वयं सहायता समूह की महिलाएं। ● अमृत विचार

- शासन से जिला प्रशासन को साढ़े पांच लाख से अधिक तिरंगा लगाने का मिला लक्ष्य

> समूह की महिलाओं को दो लाख झंडे तैयार करना हैं। 30 समूह की 300 से अधिक महिलाएं झंडे तैयार कर रही हैं। उनकी मॉनिटरिंग ब्लॉक मैनेजर द्वारा की जा रही है।
> – ब्रजेंद्र शुक्ल, उपायुक्त स्वत: रोजगार

तीन साइज के तैयार किए जा रहे तिरंगे

मुख्य सचिव का पत्र आने के बाद प्रशासनिक अमला हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने में जुटा है। तिरंगे तीन साइज में बनाए जाने के निर्देश हैं। मुख्य सचिव के आदेशानुसार ही महिलाएं तिरंगा तैयार कर रही हैं। इनकी कीमत 20 से लेकर 50 रुपये रखी गई है। तिरंगा बनाने में कॉटन या पॉलिस्टर के कपड़े का प्रयोग होगा। संबंधित विभाग समूहों से यह झंडे खरीद के गांवों के घरों में फहराने का काम करेंगे। समूह की महिलाओं को दो लाख तिरंगा बनाने का लक्ष्य प्रशासन की ओर से दिया गया है। समूहों को तिरंगा बनाने के लिए कपड़ा एनआरएलएम की ओर से मुहैया कराया गया है। झंडा बनवाने के लिए संबंधित ब्लॉक मिशन मैनेजर (बीएमएम) को मॉनीटरिंग के लिए लगाया गया है। उनसे रोजाना रिपोर्ट भी ली जा रही है।

दो पक्षों में चले लाठी-डंडे, सात लोग घायल

बिल्सी, अमृत विचार : गांव नगला तरऊ में शनिवार सुबह कुत्ते को लेकर हुई कहासुनी में दो पक्षों में जमकर लाठी-डंडे चल गए। इसमें सात लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने सभी घायलों को मेडिकल परीक्षण के लिए सरकारी अस्पताल भेजा है। साथ ही पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

एक पक्ष की रिंकी ने आरोप लगाते हुए बताया शनिवार सुबह को उनका पालतू कुत्ता पड़ोस के ही घर में चला गया। इससे उन लोगों ने इसी बात को लेकर गाली गलौज शुरू कर दी। जब गाली गलौज का विरोध किया तो उन लोगों ने मारपीट करना शुरू कर दी। मारपीट में उनके पक्ष से रिंकी, रामचंद्र और गुड़िया के चोट आई है। वहीं दूसरे पक्ष की ओर से रहीशा बानो ने बताया कि मारपीट में उनके पक्ष के नब्बन, इब्लैहसन और अनीशा बानो, रहीशा बानो के चोट लगी है। जिसमें अनीशा बानो की हालत गंभीर होने पर उन्हे जिला अस्पताल रेफर किया है। फिलहाल दोनों पक्षों ने पुलिस को तहरीर दी है। कोतवाल मनोज कुमार सिंह ने बताया मामले की जांच की जा रही है।

रोडवेज बस ने टेंपो को मारी टक्कर, चालक घायल

संवाददाता, कुंवर गांव

अमृत विचार : सिविल लाइन क्षेत्र के एमएफ हाईवे स्थित सिलहरी पेट्रोल पंप के निकट रोडवेज बस ने सामने से आ रहे टेंपो को जबरदस्त टक्कर मार दी। हादसे में टेंपो चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल चालक को जिला अस्पताल में भर्ती कराया।

शनिवार सुबह साढ़े छह बजे ऑटो चालक फ्लिपकार्ट का सामान लेकर बिसौली की ओर से शहर को आ रहा था। बदायूं की ओर से जा रही रोडवेज बस ने टेंपो में जबरदस्त टक्कर मार दी। हादसे में टेंपो पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। कोतवाली बिसौली के गांव बसई निवासी चालक खुशीराम पुत्र सूरजपाल गंभीर रूप से घायल हो गया। टेंपो चालक फ्लिपकार्ट कंपनी का डाक पार्सल लेकर शहर की ओर जा रहा था। इस दौरान रोडवेज बस ने सामने से टक्कर मार दी। हादसे में टेंपो बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। टक्कर होते ही हाईवे पर राहगीरों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची डायल 112 पीआरवी एवं नवादा चौकी की पुलिस ने चालक को टेंपो से बाहर निकाला और एंबुलेंस से जिला अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने चालक की हालत नाजुक होने पर बरेली को रेफर कर दिया। हादसे के बाद रोडवेज बस चालक बस को लेकर भाग गया। पुलिस बस को तलाश करने में जुटी है।

रोडवेज की टक्कर से क्षतिग्रस्त टेंपो।

- एमएफ हाईवे स्थित सिलहरी पेट्रोल पंप के निकट हुआ हादसा

हिमाचल में इस्लामनगर के युवक की हादसे में गई जान

संवाददाता, इस्लामनगर

योगेन्द्र पाल।

अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव लश्करपुर ओईया निवासी युवक योगेन्द्रपाल हिमाचल प्रदेश में काम करते थे। रक्षा बंधन पर वह गांव बाइक से आ रहे थे। अंबाला-चंडीगढ़ रोड पर सड़क हादसे में उसकी मौत हो गई।

ग्राम लश्करपुर ओईया निवासी 35 वर्षीय योगेंद्र पाल पुत्र फतेहचंद हिमाचल प्रदेश के वर्दी में पत्नी राजमाला, बेटी कोशिकी और बेटे विक्रांत के साथ रहते थे। वह पेप्सी कंपनी में ठेकेदार थे। शुक्रवार सुबह वह अपनी बाइक से अकेले राखी बंधवाने गांव लौट रहे थे। बहनें अपने भाई का इंतजार कर रही थीं।अंबाला-चंडीगढ़ मार्ग पर एक तेज रफ्तार वाहन ने उनकी बाइक को रौंद डाला। भीषण टक्कर में योगेंद्र की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने परिजनों को जैसे ही इस हादसे की सूचना मिली तो गांव और घर में कोहराम मच गया।

बैंड बाजे वालों में बीच सड़क पर हुई मारपीट

इस्लामनगर, अमृत विचार : सहसवान रोड पर पुराने अस्पताल के निकट रक्षाबंधन पर्व पर बैंडबाजे वाले युवक आपस में किसी बात को लेकर भिड़ गए। इसके बाद जमकर हाथापाई हो गई। देखते ही देखते बीच हाईवे पर मारपीट शुरू हो गई और सड़क अखाड़े में बदल गई। बीच सड़क पर हुई मारपीट के चलते यातायात काफी देर तक पूरी तरह ठप रहा। राहगीरों और वाहन चालक काफी देर तक फंसे रहे। लोग बीच-बचाव की कोशिश करते रहे, लेकिन काफी देर तक गाली-गलौज और धक्का-मुक्की चलती रही। इस बीच, झगड़े का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया।

बाइपास पर बाइक से गिरी महिला को वाहन ने रौंदा, मौत

संवाददाता, बिल्सी

- भाईयों को राखी बांधने बांस बरोलिया जा रही थी रीना देवी

अमृत विचार : बिसौली-कासगंज बाइपास मार्ग स्थित शेखपुर चौराहा के पास शनिवार की सुबह बाइक से गिरी एक महिला को तेज रफ्तार अज्ञात वाहन रौंद दिया। मौके पर ही महिला की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही हादसे की जांच शुरू कर दी है।

क्षेत्र के गांव बांस बरौलिया निवासी विजय शर्मा ने बताया बहन रीना देवी (48) पत्नी रामखिलाड़ी निवासी पसगवां थाना वजीरगंज अपने भाई के घर उझानी से राखी बांध कर क्षेत्र के गांव बांस बरोलिया अपने अन्य भाइयों के लिए राखी बांधने जा रही थी। जैसे ही उनकी बाइक बाइपास शेखपुर चौराहा के पास पहुंची। इस दौरान रीना बाइक से अचानक से गिर गई। इसी दौरान पीछे से आ रहे तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें रौंद दिया। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। आनन-फानन में मौके पर एकत्रित हुए लोगों ने घायल महिला को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। यहां डॉक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया।

रीना देवी।

इसके बाद हादसे की सूचना कोतवाली पुलिस को दी गई। कोतवाल मनोज कुमार सिंह पुलिस बल के साथ अस्पताल पहुंच गए। उन्होंने शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पंचनामा भर कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही पुलिस ने उक्त हादसे की की जांच शुरू कर दी है।

नीलगाय से टकराकर बाइक सवार की मौत

कुंवरगांव, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव बल्लिया निवासी व्यक्ति बाजार से सामान लेकर गांव लौट रहा था। रास्ते में बाइक नीलगाय से टकरा गई। हादसे में घायल व्यक्ति को परिजनों ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया। इलाज के दौरान व्यक्ति की मौत हो गई। परिजनों ने बिना पोस्टमार्टम कराए ही अंतिम संस्कार कर दिया। गांव निवासी प्रेमपाल सिंह (50) शुक्रवार शाम को रक्षाबंधन त्योहार पर घरेलू सामान की खरीदारी करने के लिए साप्ताहिक बाजार कासिमपुर गए थे। सामान लेकर वह बाइक से गांव लौट रहे थे। गांव बाबट और बल्लिया मार्ग पर नीलगाय ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने प्रेमपाल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। इलाज के दौरान प्रेमपाल की देर रात मौत हो गई गई। घटना से परिवार में रक्षाबंधन का त्योहार पर कोहराम मचा हुआ है।

SEXOLOGIST

आखिर कब तक शर्माते रहोगे

हर उम्र में जबरदस्त

ताकत व रुकावट

प्राप्त करें

शीघ्रपतन, शुक्राणुओं की कमी

मैं नीरज कुमार, आंवला निवासी हूं मैनें बचपन में अपने हाथों से अपना जीवन खराब कर लिया था काफी जगह ईलाज कराया परन्तु कोई फायदा नहीं हुआ फिर मेरे दोस्त ने डा. शेख के बारे में बताया वहां मैनें 40 दिन ईलाज कराया आज में पूरी तरह अपने वैवाहिक जीवन का आनंद उठा रहा हूं अगर आप भी नामर्दी, घात, स्वप्नदोष, शीघ्रपतन जैसी बिमारियों से परेशान हैं तो डाक्टर शेख से मिलकर बिमारियों से छुटकारा पायें।

मैं अकील खान, शाहजहांपुर निवासी हूं मुझे शीघ्रपतन की बिमारी थी। काफी नीम हकीमों से ईलाज कराया परन्तु कोई फायदा नहीं हुआ मैं इस बिमारी के कारण अपनी घरवाली से भी आंख नहीं मिला पाता था। क्योंकि सेक्स के समय मेरा वीर्य एक या दो मिनट में ही निकल जाता था जिस कारण घरवाली संतुष्ट नहीं हो पाती थी। फिर मैंने डा.शेख से सम्पर्क किया आज मैं पूरी तरीके से ठीक हूं मेरा टाईम तकरीबन 15 से 20 मिनट बढ गया है।

मैं सतीस, उम्र 55 साल है मैं पीलीभीत निवासी हूं मुझे डायबिटीज है। डायबिटीज के कारण मेरा सेक्स पूरी तरह से खत्म हो गया था काफी ईलाज कराया कोई फायदा नहीं हुआ फिर मैं डा. शेख से मिला। डा.शेख ने शुगर के साथ मुझे मर्दाना कमजोरी की दवा भी दी। आज मेरी शुगर भी कंट्रोल है और मर्दाना ताकत भी पुनः वापस आ गई है। आज मैं फिर से जवान हो गया हूं।

क्या आप यौन समस्याओं से परेशान हैं और इधर उधर ईलाज कराकर थक चूके हैं और इन बिमारियों को लाईलाज समझ चूके हैं जैसे नामर्दी, धात, शीघ्रपतन, शुक्राणुओं की कमी, माहवारी का कम या ज्यादा आना, स्तनों का बैडोल होना, जोडों का दर्द, शुगर, पेट रोग, किडनी रोग, हृदय रोग, निःसंतान दम्पति डा. शेख से सम्पर्क करें। डा. शेख के नाम से हिन्दुस्तान में 50 दवाखाने चल रहे हैं डा.शेख अपने मरीजों के लिये दवायें खुद तैयार करते हैं दवायें सहार हर्बल फार्मेसी में तैयार की जाती है। दवायें देश विदेश में लाखों मरीजों पर आजमाई हुई हैं। डा.शेख को अच्छे ईलाज के लिए अनेकों अवार्ड मिल चूके है जैसे Gold Medelist, Best Sexologist in India, Pride of Country, Kohinoor A Tibb, Chikitasak Ratan, Asia's Best Sexual Health Clinic

भारत प्रसिद्ध YouTube पर Search करें गोल्ड मेडेलिस्ट

डा.शेख

Best Sexologist in india आयुर्वेदा

मिलें हर मंगलवार

ईसाईयों की पुलिया बरेली

निकट सैटेलाईट बस स्टैण्ड

9837023223

अनशनकारियों को राखी बांधकर मांगा गंदे पानी से निजात दिलाने का वचन

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : उझानी नगर पालिका का दूषित पानी रोकने के लिए नरुउ हाईवे के पास ग्रामीणों और कांग्रेसियों का क्रमिक अनशन 49 वें दिन भी जारी रहा। धरना स्थल पर गांव की बच्चियों ने राखी बांधी। बच्चियों ने गंदे पानी से जल्द निजात दिलाने की मांग की।

शनिवार को बलवीर सिंह, नेपाल सिंह, मुन्ना लाल जाटव, राजाराम जाटव और तेजेंद्र पाल कश्यप क्रमिक अनशन पर बैठे। डॉ. राम रतन पटेल, वीरपाल सिंह यादव, रफत अली अली, लोकेश गौड़ व संघर्ष समिति के सदस्यों ने क्रमिक अनशन कारियों को जूस पिलाकर क्रमिक अनशन समाप्त कराया। धरना स्थल पर रक्षाबंधन के त्योहार पर नरुउ ग्राम की बच्चियों ने धरने पर बैठे जिला कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ओमकार सिंह, राम रतन पटेल, वीरपाल सिंह यादव आदि कांग्रेस जनों एवं धरने पर बैठे ग्राम वासियों के राखी बांधकर उनसे वचन मांगा कि आप लोग इस गंदे पानी से छुटकारा दिलाने में हमारा सहयोग करते रहें। आंदोलनकारी और कांग्रेसियों ने भी वादा किया कि जब तक इस गंदे पानी का निराकरण नहीं होगा हम इस समस्या को दूर करने के लिए संघर्ष करते रहेंगे। धरना स्थल पर योगेंद्र पाल सोलंकी, कमल प्रताप, पातीराम उदयवीर सिंह, राजेश, प्रमोद, सीटू सिंह मानिकचंद, रामपाल, नरेंद्र कुमार गुड्डू, बेचेलाल, अजीत अरुण कुमार, राजकुमार, अमरपाल छोटेलाल, राम सिंह, रूपराम, मुनेंद्र पाल रामलाल, देवेंद्र सिंह, गंगाराम, प्रमोद कुमार, सीटू सिंह आदि ग्राम वासी उपस्थित रहे।

अनशनकारियों को राखी बांधती नरुउ गांव की बच्चियां। ● अमृत विचार

- नरुउ हाईवे के पास ग्रामीणों और कांग्रेसियों का क्रमिक अनशन 49वें दिन भी रहा जारी

पुरानी रंजिश में भाला मारकर युवक को किया घायल

विजय नगला, अमृत विचार : थाना बिनावर क्षेत्र के गांव कोहनी जाफराबाद निवासी महेंद्र वीर ने थाने पर तहरीर देकर बताया कि शुक्रवार रात करीब 9 बजे चंद्रपाल पुत्र निरंजन अपने घर पर थे। इस दौरान पड़ोसी रंजिशन अप शब्द कहने लगे। विरोध करने पर लालाराम, रक्षपाल, ओमवीर, मुन्नालाल और बबूला हो गए और मारपीट करने लगे।

इतने में ही हमलावरों ने भाला मार दिया। इससे महेंद्र वीर गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर गया। चीख पुकार होने पर मोहल्ले के लोग घटनास्थल पर पहुंच गए। आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए। इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने घायल को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा। डॉक्टरों ने घायल की हालत गंभीर देखते हुए बरेली रेफर कर दिया। पुलिस ने गांव चार लोगों के खिलाफ तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

कस्बे में मेडिकल स्टोरों पर बिक रहीं प्रतिबंधित दवाएं

संवाददाता, सहसवान

- लोगों ने मुख्यमंत्री से शिकायत कर की जांच कराने की मांग

अमृत विचार : सहसवान और नगर क्षेत्र में किसी भी मेडिकल स्टोर पर प्रतिबंधित और एक्सपायरी दवाएं मिल जाना आम बात हो गई है। विरोध करने पर ग्राहकों के साथ अभद्र व्यवहार और गाली गलौज की जाती है। लोगों ने आईजीआरएस के माध्यम से मुख्यमंत्री से शिकायत कर जांच कराने की मांग की है।

शिकायतकर्ताओं का कहना है कि नगर एवं देहात क्षेत्र में बड़े पैमाने पर मेडिकल स्टोर खुले हुए हैं। कई के पास लाइसेंस नहीं है। मेडिकल स्टोरों और जनरल स्टोरों पर प्रतिबंधित दवा की जमकर बिक्री की जा रही है। संचालक देहात क्षेत्र के लोगों को एक्सपायरी डेट की दवा पकड़ा देते हैं। कम पढ़े लिखे लोग इनका इस्तेमाल कर संकट में पड़ जाते हैं। जीवन पर संकट को उभारने के लिए मरीज को पुनः डॉक्टर की शरण में जाना पड़ता है। इस वजह से उन्हें आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ता है। दवा बेचे जाने के बाद उपभोक्ता को बिल के नाम पर एक सादा हाथ का लिखा पर्चा पकड़ा दिया जाता है।अगर पर्चा भी न हो तो उसे कैलकुलेटर से जोड़कर सिर्फ दवाई का मूल्य ले लिए जाते हैं। यही नहीं आयुर्वेदिक एवं यूनानी दवाइयां पर पड़े हुए प्रिंट के अनुसार ही भुगतान उपभोक्ताओं से लिया जाता है। शिकायतकर्ताओं देशराज, मोहम्मद नईम आदि ने कहा है कि मेडिकल संचालकों द्वारा प्रतिबंधित और एक्सपायरी डेट की दवाएं बेचे जाने की शिकायत उच्च अधिकारियों से गई, परंतु अधिकारियों ने बिना जांच पड़ताल किए हुए एक पक्षीय शिकायत का निस्तारण कर दिया जाता है।

महिला को नशीला पदार्थ सुंघाकर चेन की टप्पेबाजी

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- सामान लेकर मायका जा रही थी गांव दहेमी निवासी महिला
- चालक ने टेंपो में बैठाया, साथियों ने दिया घटना को अंजाम

अमृत विचार : महिला को लिफ्ट देकर नशा सुंघाकर सोने की चेन की टप्पेबाजी कर ली गई। पीड़िता ने तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पहले भी इस तरह की घटना हो चुकी है। पुलिस घटना की जांच कर रही है।

कोतवाली सिविल लाइन क्षेत्र के गांव दहेमी निवासी नीलम पटेल पत्नी विजय पटेल ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वह शुक्रवार दोपहर लगभग तीन बजे थाना मूसाझाग क्षेत्र के गांव बेला स्थित मायके जाने के लिए सिविल लाइन की जवाहरपुरी चौकी क्षेत्र में दातागंज मार्ग पर वाहन का इंतजार कर रही थी। इसी दौरान एक चालक ने अपने टेंपो में बैठने और मायके तक पहुंचाने के लिए कहा। महिला उसके टेंपू में बैठ गई। महिला के अनुसार चालक के गिरोह के लोग भी टेंपू में आकर बैठे। चालक दातागंज मार्ग पर चल पड़ा। आरोप है कि रास्ते मे टेंपू चालक के साथियों ने महिला को नशीला पदार्थ सूंघा दिया और लगभग दो टोले की सोने की चेन ले ली।

महिला गांव बेला के सामने टेंपो उतरी। उसे पता चला कि उसके गले की सोने की चेन नहीं है तो उसके होश उड़ गए। महिला में अपने परिजनों को सूचना दी। परिजनों ने टेंपू की तलाश की, लेकिन पता नहीं चला। महिला ने परिजनों के साथ जाकर सिविल लाइन पुलिस को तहरीर की है। जवाहरपुरी चौकी इंचार्ज सुमित कुमार ने बताया कि घटना क्षेत्र मूसाझाग का है। वहीं की पुलिस कार्रवाई करेगी।

मौसम दो से तीन दिनों तक बारिश होने की कृषि विभाग ने जताई संभावना

बारिश से शहर की सड़कों पर हुआ जलभराव

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : मानसून की बारिश शहर के लोगों के लिए आफत बन गई है। नगर पालिका की लापरवाही की वजह से लोगों को प्रतिदिन जलभराव की समस्या से जूझना पड़ा रहा है। अब स्थिति और विकट होती जा रही है। बारिश के बाद नाले और नालियां उफान मारने लगी हैं। नालियों की गंदगी बरसात के पानी के साथ दुकानों और मकानों में घुस रही है।

शुक्रवार से जारी बारिश का सिलसिला शनिवार को भी जारी रहा। दिन में कई बार तेज बारिश हुई। जिससे सड़कों, बाजार और मोहल्लों में जलभराव हो गया। रक्षाबंधन त्योहार पर भाईयों के घर पहुंची बहनों को गंदे पानी से होकर जाना पड़ा। शाम के समय मौसम साफ हो गया। जिससे उमस बढ़ गई। कृषि विभाग के अनुसार दो से तीन दिनों तक ऐसा ही मौसम बने रहने की संभावना है।

पिछले कई दिनों से लगातार बारिश हो रही है। कभी सुबह तो कभी शाम बारिश का सिलसिला जारी है। शनिवार को सुबह से आसमान में काली घटा छा गई। और देखते ही देखते तेज बारिश शुरू हो गई। दिन में कई बार मूसलाधार बारिश हुई। बारिश से शहर में पानी ही पानी दिखाई दे रहा था। पुलिस लाइन चौराहा, शहबाजपुर पुरानी चुंगी, श्याम नगर, नवादा चौराहे के साथ शहर के अंदर नई सराय, पटियाली सराय, खैराती चौक, आर्य समाज चौक, सर्राफा बाजार, सुभाष चौक, पनबड़िया, गांधी ग्राउंड रोड, तोताराम मार्केट सहित आवास विकास कॉलोनी में जलभराव हो गया।

रक्षाबंधन पर्व पर भाईयों के घर पहुंची बहनों को गंदे पानी के बीच होकर जाना पड़ा। बाजार में जलभराव होने और सड़कों पर हुई कीचड़ से लोगों को भारी दिक्कत हुई। शाम चार बजे के बाद आसमान साफ हो गया। धूप खिल उठी। धूप खिलने से उमस बढ़ गई। जिससे लोग पसीने से तर बतर हो गए। कृषि विभाग के अधिकारियों का कहना है कि दो से तीन दिनों तक ऐसा ही मौसम बना रहेगा। तेज और हल्की बारिश की संभावना बनी रहेगी। बारिश के बाद शनिवार को अधिकतम तापमान 30 और न्यूनतम 27 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

आवास –विकास कॉलोनी की सड़क पर भरा पानी। ● अमृत विचार

- अधिकतम तापमान 30, न्यूनतम 27 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया

न्यूज ब्रीफ

नीलगाय की टक्कर से बाइक सवार घायल

संभल/मनोटा, अमृत विचार : ऐंचौड़ा कंबोह थाना क्षेत्र के गांव अखबंदपुर निवासी वेल्डिंग मिस्त्री शराफत उर्फ मुखिया शनिवार को किसी काम से बाइक से गांव चंद्पुरा अपनी रिश्तेदारी में जा रहा था। मिलक गांव के पास दौड़ती हुई नीलगाय खेत से निकल कर सड़क पर बाइक सवार से टकरा गई।

रक्षाबंधन मनाने जा रहे दो लोग हादसे में घायल

संभल, अमृत विचार : बदायूं के पड़रिया निवासी प्रहलाद अपनी पत्नी काजल के साथ रक्षाबंधन का पर्व मनाने रहोली थाना चंदौसी जा रहे थे। थाना हयात नगर के निकट पीछे से आई बाइक ने जोरदार टक्कर मार दी। असपर गांव पाली निवासी नेम सिंह था। दोनों बाइक सवार गंभीर घायल हो गए।

कुत्ते से टकराकर गिरा बाइक सवार घायल

बरखेड़ा, अमृत विचार : कोतवाली बीसलपुर क्षेत्र के गांव माहमदपुर रसूला निवासी छत्रपाल शनिवार को बाइक से जा रहे थे। गाजीपुर कुंडा चौराहे पर कुत्ते से टकराकर बाइक गिर गई।

बाढ़ का दंश झेल रहे ग्रामीणों तक नहीं पहुंच रही मदद

छोटे बच्चों को नहीं मिल रही दवाएं, स्वास्थ्य विभाग बेखबर

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : तटवर्ती इलाकों में बाढ़ आने से लोगों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गंदगी से संक्रामक रोग पनप रहे हैं, लेकिन ग्रामीणों को अभी तक दवाएं नहीं मिली हैं। छोटे बच्चों को दूध नहीं मिल पा रहा है। पशुओं को चारे का संकट पैदा हो गया है। तहसील प्रशासन से ग्रामीणों ने राहत सामग्री देने की मांग की है।

गंगा में इन दिनो ऊपर से लाखों क्यूसेक पानी हर दिन छोड़ा जा रहा है जिससे उसहैत क्षेत्र के तटवर्ती इलाकों में बाढ़ का कहर बना हुआ है। कई गांवों में पानी घुस गया है। इससे लोगों को घरों से बाहर निकलने में दिक्कत हो रही है। गंदगी के चलते हर घर में बुखार और अन्य संक्रामक बीमारियां फैल चुकी हैं। उसहैत के रैपुरा निवासी 100 से अधिक परिवारों को तहसील प्रशासन ने ऊंचे स्थानों पर पहुंचा दिया है, लेकिन अभी तक राहत सामग्री नहीं दी है जिससे इन ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। तहसील प्रशासन की ओर से पिछले दिनों बाढ़ प्रभावित इलाकों का सर्वे कराया गया। इसमें दो दर्जन से अधिक गांव बाढ़ ग्रस्त चिन्हित किए गए। इन सभी गांवों को राहत सामग्री जल्द दिलाने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन पांच दिन बाद भी दातागंज तहसील प्रशासन की ओर से राहत सामग्री नहीं दी गई है। ग्राम असमिया रफतपुर कमलैयापुर सहित अन्य गांवों में भी ग्रामीणों को कई तरह की परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इधर, स्वास्थ्य विभाग ने अभी तक कैंप नहीं लगाया है जिससे बीमार ग्रामीणों को दवाएं नहीं मिल पा रहीं है। जटा के दो दर्जन ग्रामीण गांव छोड़ कर बाहर चले गए हैं जो ऊंचे स्थानों पर शरण लिए हुए हैं। जटा सहित अनेक गांवों में इस समय पशुओं को चारा नहीं मिल पा रहा है। खेतों में पानी भर चुका है। बाजरा की फसल नष्ट हो चुकी है। पशुओं को चारे के लिए प्रशासन की ओर से भी कोई प्रबंध नहीं किया गया है। ग्रामीणों ने अपने पशुओं को ऊंचे स्थानों पर बांधा है। लेकिन उन्हें पेट भरने को कोई व्यवस्था नहीं है। तहसील प्रशासन की ओर से कहा गया है कि बाढ़ पीड़ितों को जल्द राहत सामग्री पहुंचाई जाएगी।

उसहैत के जटा क्षेत्र में गंगा का विकराल रूप। ● अमृत विचार

शनिवार को नरौरा से करीब साढ़े तीन लाख क्यूसेक से अधिक पानी गंगा में छोड़ा गया है जिससे गंगा ने तटवर्ती इलाकों में भारी नुकसान किया है। बाढ़ खंड के सभी बांध संवेदनशील हैं लेकिन अभी सुरक्षित हैं। कहीं से किसी तरह की सूचना नहीं मिली है। कर्मचारी सभी बांधों पर मौजूद हैं। गंगा में अभी जलस्तर कम होने के संकेत नहीं है।

– **नेशपाल**, सहायक अभियंता बाढ़ खंड

कछला गंगा खतरे के निशान से ऊपर पहुंची

बदायूं, अमृत विचार : उसहैत और सहसवान क्षेत्र में बाढ़ का कहर जारी है। जिले में करीब 40 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। तटवर्ती इलाकों में बाढ़ ने भारी तबाही मचा दी है। बाढ़ खंड ने बाढ़ चौकियों पर निगरानी बढ़ा दी है। तटबंधों पर दिन रात कर्मचारी नजर बनाए हुए हैं। सड़कें पानी से कट चुकी हैं। सड़कों के ऊपर पानी बह रहा है जिससे कई गांवों का आपस में संपर्क टूट गया है। शनिवार को नरौरा से करीब साढ़े तीन लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया। उसहैत के जटा और जसवंत नगर सहित करीब दो दर्जन गांवों में बाढ़ का पानी घुस चुका है। ग्रामीणों ने घरों को छोड़ दिया है।

गंगा का जल स्तर 162 से छह सेंमी ऊपर पहुंचा : गंगा में आ रहे पानी ने कछला में खतरे के निशान को पार करते हुए खतरे की घंटी बजा दी है।

गंगा में कई दिनों से उफान देखने को मिल रहा है। गंगा का जल स्तर 162 से छह सेंमी ऊपर पहुंच गया है। गंगा का रौद्र रूप देखते हुए गंगा घाटों को पहले ही खाली करा दिया गया है।

पुलिस गंगा के दोनो किनारों पर पहरेदारी कर रही है। शनिवार को गंगा में स्नान करने वालों को गंगा के अंदर नहीं जाने दिया गया। वहीं बाढ़ के पानी ने लोगों को बेहार कर दिया है।

बाढ़ ने किया बेहाल: रामगंगा में भी पानी लगातार बढ़ रहा है। हजरतपुर से आगे जाने वाली सड़क पर तीन फीट पानी भर गया है जिससे सड़क पानी में डूब चुकी है। सड़क पर वाहनों का आवागमन बंद है। हजरतपुर पुलिस ने रसूलपुर को जाने वाली सड़क पर अवरोध लगा दिए हैं जिससे कोई वाहन सड़क पर नहीं पहुंच सके। रसूलपुर के निकट गंगा का रौद्र रूप देखते हुए ग्रामीणों ने अपने घरों से सामान बांधना शुरू कर दिया है। उसावा पिपरा और लभारी इलाके में गंगा का पानी दिखाई दे रहा है। राम गंगा भी खतरे के निशान से ऊपर तक पहुंच चुकी है।

गुन्नौर में बस और कार की टक्कर के बाद हंगामा, लगाया जाम

बबराला, अमृत विचार : रक्षाबंधन की सुबह शनिवार को दिल्ली-बदायूं रोड पर गांव सैंजना मुस्लिम के पास रोडवेज बस और ईको कार की टक्कर हो गई। ईको सवारों ने रोडवेज बस चालक से मारपीट की और पथराव कर शीशा तोड़ दिया, जिससे बस यात्रियों में दहशत फैल गई। इस दौरान मेरठ बदायूं स्टेट हाईवे पर करीब आधा घंटा तक हंगामा चलता रहा जिससे यातायात बाधित रहा। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जाम खुलवाया।

हंगामा करते लोग व जानकारी लेती पुलिस।

बिना एनओसी चल रहे होटल-रेस्टोरेंट

संवाददाता, इस्लामनगर

अमृत विचार : कस्बा इस्लामनगर में कई होटल मानकों को ताक पर रखकर चल रहे हैं। उनके पास फायर एनओसी तक नहीं है। अग्निशमन से संबंधित सुरक्षा उपकरणों का इस्तेमाल भी नहीं किया जा रहा है। इन पर न तो तहसील और नगर पंचायत प्रशासन की नजर है और न ही फायर डिपार्टमेंट ध्यान दे रहा है। नियमों को दरकिनार कर चल रहे रेस्टोरेंट और होटलों में हादसे की संभावना बनी हुई है।

कस्बे में करीब एक दर्जन छोटे-बड़े होटल और रेस्टोरेंट हैं। ज्यादातर होटल, रेस्टोरेंट संचालकों के पास फायर एनओसी नहीं है। कई रेस्टोरेंट ऐसे हैं जहां खूब भीड़ होती है। रेस्टोरेंट की अधिकांश टेबल देर रात तक भरी रहती हैं। इसके बावजूद रेस्टोरेंट के जिम्मेदार सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं कर रहे हैं। इसके अलावा कस्बे में कई जगहों पर मानकों की अनदेखी की जा रही है। होटल और रेस्टोरेंट ऐसी जगहों पर चल रहे है, जहां फायर ब्रिगेड तक जाने की गुंजाइश नहीं है। मकानों को होटलों में तब्दील कर दिया गया है। उनमें फायर सिस्टम तो दूर की बात एक बाल्टी बालू तक नहीं रखी है। ऐसे में अग्निशमन विभाग पूरी क्षमता से कार्य नहीं कर पा रहा है। न तो रेगुलर जांच हो पा रही है और न ही जागरुकता अभियान चला पा रहे हैं। इसका फायदा उठाकर होटल और रेस्टोरेंट संचालक मनमानी करके लोगों की जान के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। कस्बे में ऐसे दर्जनों होटल व रेस्टोरेंट चल रहे हैं। इसमें सुरक्षा मानकों पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है और न ही तहसील प्रशासन की नजर पड़ रही है।

● **अधिकांश संचालकों के पास नहीं है अग्निशमन की एनओसी**

निकायों में बिना अग्निशमन यंत्रों और एनओसी के चल रहे होटलों और रेस्टोरेंट की जांच करने के अधिशासी अधिकारी के साथ जल्द ही अभियान चलाया जाएगा। ऐसे लोगों को चिन्हित कर कार्रवाई की जाएगी।

– **रिपुदमन सिंह**, एसडीएम बिल्सी

महावा के हरदत्तपुर घाट पर डूबने से युवक की गई जान

संवाददाता, सहसवान

अमृत विचार : रक्षाबंधन पर कस्बे के मोहल्ला अकबराबाद निवासी रिंकू (35 वर्ष) पुत्र प्रेमपाल की महावा नदी के हरदत्तपुर घाट पर डूबने से मौत हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रक्षाबंधन पर महिलाएं परंपरा के अनुसार महावा नदी के हरदत्तपुर घाट पर घुमियां सिराने के लिए पहुंची थी। इस दौरान रिंकू भी अन्य युवकों के साथ घाट पर गया था। बताया जाता है कि रिंकू अनजाने में गहरे पानी में उतर गया और डूब गया। स्थानीय लोगों ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन गहरे पानी में डूब जाने के कारण उसकी जान नहीं बच सकी। घटना की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची गई। पुलिस ने किसी तरह उसके शव को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

पोस्टमार्टम हाउस पर मौजूद परिजन।

गंगा स्नान करने के लिए राजघाट पर उमड़े श्रद्धालु

बबराला, अमृत विचार : रक्षाबंधन पर राजघाट गंगा तट पर शनिवार सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। रिमझिम बारिश और गंगा का बढ़ा जलस्तर भी आस्था के उत्साह को कम नहीं कर सका। मान्यता के अनुसार पूर्णिमा को गंगा में स्नान करने से पापों का नाश होता है और मोक्ष की प्राप्ति होती है। रक्षाबंधन के दिन इसका महत्व और भी बढ़ जाता है, जिसके चलते दूर-दराज़ के गांवों और कस्बों से लोग राजघाट पहुंचे। सुरक्षा के लिहाज से प्रशासन ने घाट पर विशेष इंतजाम किए थे। आरती स्थल की सीढ़ियों पर ही स्नान करने की चेतावनी दी जा रही थी।

अनुज चौधरी बने एएसपी

अनुज के कंधे पर अशोक स्तंभ चिन्ह लगाते एसपी केके विश्नोई व एएसपी राजेश श्रीवास्तव।

कार्यालय संवाददाता, संभल

अमृत विचार: संभल में 24 नवंबर की हिंसा के बाद चर्चा में आए सीओ अनुज कुमार चौधरी अब अपर पुलिस अधीक्षक बन गए हैं। पुलिस अधीक्षक ने शनिवार को अनुज की वर्दी पर अशोक स्तंभ लगा दिया।

24 नवंबर 2024 को संभल में जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई हिंसा के बाद अनुज कुमार चौधरी ने काफी अच्छे से कानून व्यवस्था संभाली थी। इस दौरान उनके पैर में गोली भी लगी थी। हालांकि अनुज पर बेहद सख्त कार्रवाई करने का भी आरोप लगा था।

युवक को छुड़ाने गई पुलिस के साथ खींचतान

संभल/कैला देवी, अमृत विचार: कैला देवी थाना क्षेत्र के गांव निवासी श्रीकांत शनिवार को टेंपो लेकर लखनपुर गांव पहुंच गया। वहां एक युवक ने अपनी बहन के साथ प्रेम संबंध का आरोप लगाकर श्रीकांत के साथ मारपीट शुरू कर दी।

युवक के परिजन मारपीट करने लगे। सूचना पर डायल 112 टीम के साथ पुलिस पहुंची। पुलिस के साथ भी अभद्रता की। दरोगा व पुलिस कर्मियों के साथ मारपीट की बात भी कही जा रही है। पुलिस कर्मी किसी तरह वहां से बचकर निकले। बाद में अतिरिक्त पुलिस बल पहुंचा तो आरोपी फरार हो गये। थाना प्रभारी सत्य प्रकाश ने बताया कि सूचना पर पुलिस पहुंची थी। पुलिस से भी बदसलूकी की गई है। आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

चौकी प्रभारी सहित सभी 9 पुलिसकर्मी लाइन हाजिर

कार्यालय संवाददाता, संभल

अमृत विचार: एसपी ने गंभीर शिकायतों पर कउरी कार्रवाई कर हयातनगर थाने की सरायतरीन पुलिस चौकी के प्रभारी सहित सभी 9 पुलिसकर्मियों को लाइन हाजिर कर दिया है। गुन्नौर कोतवाली के वाहन चालक को निलंबित किया गया है।

सरायतरीन पुलिस चौकी के प्रभारी सुधीर कुमार और पुलिस कर्मियों के खिलाफ कई शिकायतें मिली थीं। हैंडीक्राफ्ट कारोबारियों से वसूली के साथ ही एक बाइक को पकड़ने के बाद छोड़ देने की शिकायत थी। शिकायत की जांच पुलिस अधीक्षक ने संभल के सीओ आईपीएस आलोक कुमार भाटी को सौंपी थी। जांच में आरोप सही पाए गए। इसके बाद पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई ने चौकी के प्रभारी सुधीर कुमार के साथ ही हेड कांस्टेबल तेज सिंह, हेड कांस्टेबल विकास चौधरी, सिपाही विश्वास चौधरी, मोहित तोमर, अक्षय पुंडीर, अरुण कुमार, हिमांशु चौधरी व रितेंद्र चौधरी को लाइन हाजिर कर दिया गया। इन सभी को पुलिस लाइन भेज दिया गया है। पुलिस अधीक्षक की कार्रवाई से पुलिस विभाग में में हड़कंप मचा है। वहीं गुन्नौर कोतवाली में तैनात वाहन चालक प्रमोद कुमार के खिलाफ भी पुलिस अधीक्षक को गंभीर शिकायतें मिली थीं।

● **गंभीर शिकायतों के बाद पूरी पुलिस चौकी पर की गई कार्रवाई**

● **गुन्नौर कोतवाली के वाहन चालक को निलंबित किया**

रक्षाबंधन पर आ रही बेटी को लेने गए पिता की दुर्घटना में मौत

संभल, अमृत विचार: रक्षाबंधन पर आ रही बेटी को लेने बस स्टैंड पर गए ग्रामीण को तेज रफ्तार बाइक ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में ग्रामीण की मौत हो गई।

ग्राम गेलुआ निवासी हर स्वरूप की पुत्री गुड्डी अपनी ससुराल काशीपुर से रक्षाबंधन पर राखी बांधने के लिए अपने मायके गेलुआ गांव आ रही थी। 60 वर्षीय हरस्वरूप गेलुआ बस अड्डे पर बेटी को लेने गया था। वह सड़क पार कर रहा था तभी एक तेज रफ्तार बाइक ने हरस्वरूप को जोरदार टक्कर मार दी। हरस्वरूप लहूलुहान होकर गिरा तो उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मौके पर एकत्र लोगों ने बाइक सवार को पकड़ लिया। हालांकि हादसे में बाइक सवार भी गंभीर रूप से घायल है। पुलिस ने पंचनामा भरकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

VARUN ARJUN UNIVERSITY
Varun Arjun Medical College Campus
NH-30 (OLD NH-24) Banthra, Distt. Shahjahanpur, Uttar Pradesh - 242307
ADMISSIONS OPEN FOR FOLLOWING COURSES FOR SESSION 2025-2026

VARUN ARJUN COLLEGE OF COMMERCE & MANAGEMENT

COURSE	ELIGIBILITY	DURATION
Bachelor of Business Administration (BBA)	Intermediate (Any Stream)	3 Year
Bachelor of Computer Applications (BCA)	Intermediate (Any Stream)	3 Year
Master of Hospital Administration (MHA)	Graduate in (Any Stream)	2 Year
Master in Public Health (MPH)	Graduate in (Any Stream)	2 Year

Contact for Admission : Mob. 7521050077, 9956248504 E-mail ID : admission@vau.edu.in

VARUN ARJUN MEDICAL COLLEGE & ROHILKHAND HOSPITAL

COURSE	ELIGIBILITY	DURATION
M.Sc. (Medical Anatomy)	Candidate must have passed three years undergraduate	3 Years
M.Sc. (Medical Biochemistry)	Program B.Sc. with 50% marks (45% for SC/ST) With	
M.Sc. (Medical Microbiology)	Biological Sciences as one of the Subject or MBBS, BDS,	
M.Sc. (Medical Physiology)	BAMS, BHMS, BPT, B.Pharma, BMLT, BMRIT, B.Sc.	
M.Sc. (Medical Pharmacology)	Nursing Must have Passed from a recognized University.	

Contact for Admission : Mob. 7521050077, 9956248504, E-mail ID: admission@vau.edu.in

FACULTY OF FORENSIC SCIENCES

COURSE	ELIGIBILITY	DURATION
B.Sc. Forensic Sciences	Intermediate with Science	3 Years

Contact for Admission : Mob. 7521050077, 9956248504, E-mail ID: admission@vau.edu.in

VARUN ARJUN COLLEGE OF NURSING

COURSE	ELIGIBILITY	DURATION
B.Sc. Nursing	Intermediate with Biology and Entrance Test	4 Years
Post Basic B.Sc. Nursing	G.N.M With Entrance Test	2 Years
G.N.M	Intermediate (With English) & Entrance Test	3 Years
A.N.M	Intermediate	2 Years

Contact for Admission : Mob. 7521001992, E-mail ID: vacn2019@gmail.com

VARUN ARJUN COLLEGE OF PHARMACY

COURSE	ELIGIBILITY	DURATION
Bachelor of Pharmacy	Intermediate with Science	4 Years
Diploma in Pharmacy	Intermediate with Science	2 Years

Contact for Admission : Mob. 7521001993, E-mail ID : principal.vacp@vau.edu.in

VARUN ARJUN COLLEGE OF PARAMEDICAL SCIENCES

COURSE	ELIGIBILITY	DURATION
Diploma in Medical Laboratory Technician - D.M.L.T.	Intermediate with Science	2 Years
Diploma in X-Ray Technician	Intermediate with Science	2 Years

Contact for Admission : Mob. 7521050078, E-mail ID : principal.vacps@vau.edu.in

नरौरा में खतरे का निशान पार कर गई गंगा, कई गांवों में पहुंचा पानी

संवाददाता, बबराला

अमृत विचार : जलस्तर में तेजी से बढ़ोतरी होने से गंगा ने रौद्र रूप अख्तियार कर लिया है। राजघाट में गंगा हाई फ्लड लेवल तक पहुंच गई है तो नरोरा बैराज पर गंगा का जलस्तर डैंजर लेवल से पांच फुट से भी ऊपर तक जा पहुंचा है। इस बीच गंगावास के पास बांध में दरार से प्रशासन के हाथ पैर फूल गए। जुनावई में कई गांव की आबादी तक गंगा का पानी पहुंच गया है।

शुक्रवार आधी रात से गंगा में पानी बढ़ने की रफ्तार शुरू हुई। शनिवार सुबह आठ बजे स्ट्रीम से जल निकासी 2,81,676 क्यूसेक दर्ज की गई। इसके बाद जलस्तर तेजी से बढ़ना शुरू हुआ और दो घंटे में ही जल निकासी बढ़ते हुए 3,05,041 क्यूसेक प्रति सेकंड तक पहुंच गई। इस बीच, शनिवार को नरोरा से राजघाट के बीच गांव गंगावास के पास गंगा बांध में चौड़ी दरार पड़ने की खबर से प्रशासन के हाथ-पांव फूले।

सूचना मिलते ही एसडीएम डॉ. वंदना मिश्रा, तहसीलदार रविन्द्र विक्रम, सिंचाई विभाग के एसडीओ अंकित सिंह व थाना प्रभारी अखिलेश प्रधान मौके पर जा पहुंचे। ग्रामीण मजदूरों की मदद से प्लास्टिक बैगों में मिट्टी भरकर दो घंटे में दरार पाट दी गई। एसडीएम ने सिंचाई, राजस्व और पुलिस विभाग की टीमों को बांध की सतत निगरानी और पेट्रोलिंग के निर्देश दिए हैं। सिंचाई विभाग के अभियंता अंकित सिंह ने बताया कि से ही जानवर द्वारा गहरे बिल बनाने से दरार जैसी स्थिति बनी। अलबत्ता, फिलहाल सब ठीक है।

गुन्नौर में गंगावास बांध देखने पहुंचीं एसडीएम वंदना मिश्रा।

साधुमढ़ी आश्रम में भरा पानी

गंगा का पानी निचले इलाके की ओर रूख कर चुका है। बांध के अंदर गांवों के बाहर तक पानी पहुंच गया है। जुनावई क्षेत्र के प्रसिद्ध साधुमढ़ी आश्रम में भी पानी भर गया है। प्रशासन ने चौकसी बढ़ा दी है। तहसीलदार रविन्द्र विक्रम ने बाढ़ संभावित गांवों का भ्रमण कर हालात का जायजा लिया। पानी से सड़क से राजघाट शांति उपवन को जाने वाली सड़क जलमग्न हो गई है।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
7906732664, 8445507002

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपनी पुत्रवधु मेघा वर्मा पत्नी स्व. रजनीश वर्मा (निधन दिनांक 04.02.2018) को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार एवं पुनर्विवाह करने के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगी। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। राजरानी पत्नी स्व. राजेन्द्र निवासी 371, निशांत एन्क्लेव लोनी पावी सादकपुर गाजियाबाद हाल निवासी हनुमान मन्दिर के सामने, रोहली टोला, बरेली।

आवश्यकता है
कक्षा 1 से कक्षा 8 तक सभी विषयों हेतु
अध्यापक-अध्यापिकाओं
की आवश्यकता है अंग्रेजी माध्यम हेतु
शीघ्र सम्पर्क करें
पार्वती जूनियर हा. स्कूल
विहारमान नगला बरेली
मो. 9897482402
whatsapp : 7037470469

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

एक गाड़ी पांच सवारी : अब इसे मजबूरी कहें या आदत? रक्षाबंधन पर पांच सदस्यों का एक परिवार एक ही बाइक पर जाता नजर आया...हेलमेट भी नहीं। यह नजारा शनिवार को हजरतगंज चौराहे से राजभवन मार्ग का है। वैसे तो राजधानी में यातायात अभियान भी चल रहा है, लेकिन त्यौहार पर व्यवस्था की संवेदनशीलता का फायदा परिवार को खतरे में डाल कर उठाना कहां की समझदारी है? ● अमृत विचार

भाई-बहन का प्यार

रक्षाबंधन के पर्व पर भाई को राखी बांधती बहन। ● अमृत विचार

कैंट सदर क्षेत्र के हरीचंद इंटर कॉलेज के खेल मैदान में 138वें अखिल भारतीय मस्ता पहलवान गुरूजी श्रीराम चन्द्र स्मारक ईनामी दंगल में कुश्ती लड़ते पहलवान।

न्यूज ब्रीफ

आईटीआई में चौथे चरण में प्रवेश के लिए 11 से ऑनलाइन आवेदन

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद, उप्र. ने सत्र 2025-26 के लिए राजकीय एवं निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में चतुर्थ चरण प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए हैं। तृतीय चरण की चयन सूची के आधार पर प्रवेश की प्रक्रिया पूरी होने के बाद बचे हुए रिक्त सीटों पर यह प्रक्रिया संचालित की जाएगी। विशेष सचिव, व्यावसायिक शिक्षा कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग, अधिशासी निदेशक, एससीवीटी, उत्तर प्रदेश अभिषेक सिंह ने बताया कि जिन अभ्यर्थियों का प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय चरण में चयन नहीं हुआ या चयन के बाद भी प्रवेश नहीं हो पाया, वे 11 से 15 अगस्त की मध्यरात्रि 12 बजे तक वेबसाइट www.scvtup.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

श्रावस्ती जिले के प्राचीन मुंडा शिवाला का होगा जीर्णोद्धार

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर सैकड़ों महत्वपूर्ण तीर्थस्थलों के सौंदर्यीकरण और जीर्णोद्धार के बाद अब श्रावस्ती के ऐतिहासिक मुंडा शिवाला को नया जीवन देने की तैयारी है। इस प्राचीन शिवाला का 225 वर्षों का इतिहास है और यहां नेपाल सहित विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। श्रावस्ती जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने बताया कि लगभग 4 करोड़ रुपये की लागत से मुंडा शिवाला का जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण कराने की योजना बनाई गई है। इसके साथ ही मंदिर के बेहतर प्रबंधन, नियमित पूजा-पाठ और श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए एक ट्रस्ट का गठन भी किया जाएगा। यह ट्रस्ट मंदिर के रखरखाव, धार्मिक आयोजनों और सुरक्षा व्यवस्था का संचालन करेगा।

मायावती व कांग्रेस ने रक्षा बंधन की दी बधाई

अमृत विचार, लखनऊ : बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती समेत तमाम नेताओं ने रक्षाबंधन के अवसर पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। बसपा प्रमुख मायावती ने रक्षाबंधन की बधाई देते हुए 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, भाई-बहन के पवित्र रिश्ते एवं प्रेम का प्रतीक रक्षाबंधन के त्योहार की देश के समस्त भाई-बहनों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, रक्षाबंधन के पावन पर्व पर समस्त देश एवं प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं! कांग्रेस की उत्तर प्रदेश इकाई ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, रक्षाबंधन के पावन पर्व पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

प्रदेश में धूमधाम से मनाया गया रक्षाबंधन का त्योहार

बहनों ने भाइयों के हाथों पर राखी बांधकर लंबी उम्र की कामना की, योगी समेत अन्य नेताओं ने दी पर्व की बधाई

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश में रक्षाबंधन का पर्व धूमधाम से मनाया गया। बहनों ने भाइयों के हाथों पर राखी बांधकर उनकी लंबी उम्र की कामना की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई नेताओं ने प्रदेशवासियों को पर्व की बधाई दी है। सीएम योगी ने एक्स पर लिखा है कि स्नेह की पवित्र गांठ, विश्वास की मौन प्रतिज्ञा, भाई-बहन के अटूट प्रेम की जीवंत अभिव्यक्ति रक्षाबंधन की प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई।

सोनभद्र से मिली जानकारी के अनुसार, जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा अपनी बहन से राखी बंधवाने रॉबर्ट्सगंज के आमडीह गांव पहुंचे। हर वर्ष की तरह इस बार भी उन्होंने शनिवार सुबह बहन आभा राय से राखी बंधवाई। उनका यह दौरा पूरी तरह से व्यक्तिगत रहा। इस दौरान उन्होंने स्थानीय और पार्टी के लोगों से दूरी बनाए रखी। राखी बंधवाने के बाद वह शनिवार की ही दोपहर वाराणसी के लिए रवाना हो गए।

उधर, वाराणसी से आयी जानकारी के मुताबिक, श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में रक्षाबंधन पर इसरो के वैज्ञानिक दल ने पूजा-पाठ के साथ रुद्राभिषेक भी किया। इस दौरान उनके साथ श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण भी मौजूद रहे। इसरो वैज्ञानिकों के इस दल ने चंद्रयान अभियान में अहम जिम्मेदारी निभाई थी। दल में दिनेश कुमार सिंह (डायरेक्टर, ह्यूमन स्पेस सेंटर) पंकज किल्लेदार (डायरेक्टर, मास्टर कंट्रोल फेसिलिटी), आर नादागौड़ा (एसोसिएट डायरेक्टर यूआर राव सैटेलाइट सेंटर), के शाम्बाय्य (डिप्टी डायरेक्टर लिक्विड प्रोपल्जन सिस्टम सेंटर), गुरु मूर्ति डी, अरविंद कुमार एम, संजीव कुमार, राधाकृष्ण, विनीत, आलोक कुमार झां, शशांक एस, अश्विन, निक्की श्रीवास्तव, अजय अन्धिवाल, महेन्द्र बेहेरा, मंजुला आर शामिल रहे।

बहनों ने जेल में बंद भाइयों को बांधी राखी

राजधानी समेत कई जिलों में रक्षाबंधन पर बहनों ने जेल में बंद भाइयों को राखी बांधी। पर्व पर जेल प्रशासन की ओर से खास व्यवस्था की गई। टीका और अक्षत की व्यवस्था जेल में ही की गई। केवल सोन पापड़ी को अंदर ले जाने की इजाजत दी गई और टीके की थाली के साथ मीठे के तौर पर टॉफी दी गई। राखी बांधने आईं बहनें काफी भावुक नजर आईं। वहीं कुछ मुस्लिम महिलाएं भी अपने भाइयों को राखी बांधने पहुंची थीं। शाहजहांपुर में भी एक हजार से अधिक बहनों ने जेल में पहुंचकर अपने भाइयों को राखियां बांधी। उनकी लंबी उम्र के लिए प्रार्थना की।

पूर्वांचल के जिलों में श्रावणी उपाकर्म का आयोजन

गोरखपुर समेत पूर्वांचल के कई जिलों में शनिवार को श्रावणी उपाकर्म का भी आयोजन हुआ। गोरखनाथ मंदिर स्थित पोखरे में संस्कृत विद्यालय के शिक्षक, पुरोहित और छात्रों की मौजूदगी में यह कार्यक्रम हुआ। संत कबीर नगर, देवरिया और कुशीनगर में भी आयोजन हुए।

लखनऊ में ट्रैफिक व्यवस्था रही ध्वस्त

- फैजाबाद रोड समेत शहर में लगा लंबा ट्रैफिक जाम
- रिश्तेदारों के घर जाने के लिए निकले लोग घंटों जाम में फंसे रहे

अमृत विचार, लखनऊ : रक्षाबंधन के दिन राजधानी लखनऊ में यातायात व्यवस्था ध्वस्त नजर आयी। फैजाबाद रोड पर कई किलोमीटर लंबा जाम लग गया। भाई-बहन के इस पर्व पर अपने रिश्तेदारों के घर जाने के लिए निकले लोग घंटों जाम में फंसे रहे। यही स्थिति पुराने लखनऊ में भी दिखी। खासकर चौक, आलमबाग क्षेत्र में लोग घंटों जाम में फंसे रहे।

हालांकि शुरुआत में चौराहों पर ट्रैफिक संभालने के लिए कोई पुलिसकर्मी मौजूद नहीं रहा, ऐसे में त्योहार की खुशियां जाम में कैद हो गईं। ट्रैफिक के कारण एम्बुलेंस और जरूरी सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं। बाद में यातायात और पुलिस के जवानों ने ट्रैफिक को संभाल लिया और व्यवस्था सुगम हो गई।

रामलला के बांधी गई बहन शांता की राखी

अमृत विचार, अयोध्या : श्रीरामजन्मभूमि पर विराजमान रामलला एवं भाइयों को बहन शांता की ओर से भेजी गई राखी मंत्रोच्चारण के बीच बांधी गयी। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपतराय ने रामलला, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न के हाथों में राखी बांधी। इस मनोहारी दृश्य निहारने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। रक्षाबंधन के दौरान पूरा मंदिर परिसर जय श्री राम के जयकारों से गुंजायमान रहा।

इसी के साथ श्रृंगी ऋषि आश्रम से शुरू हुई तीन दिवसीय श्रीरामलला रक्षाबंधन महोत्सव का विधि विधानपूर्वक समापन हुआ। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला का झूलन महोत्सव भी आज भक्तों के आकर्षण का केंद्र रहा। नागपंचमी से शुरू राममंदिर में झूलनोत्सव का आज समापन हो गया। इसी के रंगमहल सहित सभी मंदिरों में पड़ा झूला आज पूजन अर्चन के बाद उतर जायेगा और विग्रह स्वरूप प्रभु की प्रतिमा पूजन अर्चन के बाद अपने स्थान पर विराजमान होंगे। श्रृंगी ऋषि आश्रम में बुधवार से श्रीरामलला रक्षाबंधन महोत्सव की परंपरागत तरीके से शुरुआत हुई। अनवरत तीन दिनों तक विविध धार्मिक आयोजन श्रृंगी ऋषि आश्रम शेरवाघाट अयोध्या में आयोजित हुए। प्रदेश की महिला कल्याण विभाग की मंत्री बेबी रानी मौर्य, उप्र राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव, स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ बड़ी संख्या में संत महंत धर्माचार्य सम्मिलित हुए। प्रभु श्रीराम के लिए केले के रेशे से बनी इन विशेष राखियों को पूजन अर्चन के बाद समारोहपूर्वक शोभायात्रा निकाल कर चंपतराय को सौंपा गया।

संस्कृत के महत्व को याद करें सभी जगह प्रचार करें : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्यमंत्री ने संस्कृत दिवस पर संस्कृत भाषा सप्ताह शुरू होने की शुभकामनाएं दीं

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों को संस्कृत दिवस पर संस्कृत भाषा सप्ताह शुरू होने की शुभकामनाएं दी हैं। इस मौके पर शनिवार को उन्होंने संस्कृत में अपना एक वीडियो संदेश जारी किया। शुभकामना संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी उत्तर प्रदेश वासियों को संस्कृत सप्ताह की हार्दिक शुभकामनाएं।

योगी के अनुसार, संस्कृत भाषा भारतीय ज्ञान परम्परा और भारतीय संस्कृति का आधार है। भारतीय संस्कृति के संरक्षण के लिए संस्कृत भाषा का अध्ययन अति आवश्यक है। इस सप्ताह हम सभी संस्कृत के महत्व को याद करें। संस्कृत वाङ्मय और अमृतधारा का अनुभव करें। विद्यालयों में, घरों में, सभी जगह संस्कृत का प्रचार करें।

उन्होंने अपने संदेश में यह भी कहा कि, संस्कृत शिक्षा के विकास के लिए राज्य सरकार सदैव तत्पर है। यह सप्ताह न केवल उत्सव है बल्कि संस्कृत संजीवन का आरंभ है।

राजभवन में स्कूली बालिकाओं को राखी बांधतीं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल। ● अमृत विचार

मुख्यमंत्री ने काकोरी एक्शन के क्रांतिकारियों को दी श्रद्धांजलि

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शनिवार को 'काकोरी ट्रेन एक्शन' के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर पर क्रांतिकारियों और वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित की। आदित्यनाथ ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'ब्रिटिश शासन की चूलें हिला देने वाले 'काकोरी रेल एक्शन' की वर्षगांठ पर सभी अमर क्रांतिवीरों को शत-शत नमन!' उन्होंने इसी पोस्ट में कहा, 'मां भारती के सपूतों की यह शौर्य गाथा देश वासियों के लिए प्रेरणापुंज है। इन वीरों का त्याग, साहस और राष्ट्र प्रेम सदैव हमारे हृदयों को 'राष्ट्र प्रथम' की भावना से कार्य करने की प्रेरणा देता रहेगा।'' उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'काकोरी ट्रेन एक्शन' भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में साहस, बलिदान व अटूट देशभक्ति का अमर प्रतीक है। 9 अगस्त 1925 को काकोरी में भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों ने ब्रिटिश राज के विरुद्ध क्रांति के लिए हथियार खरीदने के मकसद से ब्रिटिश सरकार का खजाना लूट लिया था। इस मामले में 1927 में, राम प्रसाद 'बिस्मिल', अशफाक उल्ला खां, ठाकुर रोशन सिंह और राजेंद्र नाथ लाहिड़ी को ब्रिटिश सरकार ने फांसी दे दी थी।

विभाजन की त्रासदी को जानेंगे युवा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रदेश के सभी जिलों में होगा स्मृति दिवस का आयोजन
- विस्थापित परिवारों के सदस्यों को किया जाएगा आमंत्रित
- स्कूलों व कॉलेजों में फिल्मों व डॉक्यूमेंट्री का होगा प्रदर्शन

अमृत विचार : प्रदेश सरकार की ओर से इस वर्ष भी 14 अगस्त को प्रदेश के सभी 75 जनपदों में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस का आयोजन होगा। प्रदेश के युवा एक तरफ जहां विभाजन की त्रासदी को जानेंगे, वहीं विस्थापित परिवार के लोग भी अपना दर्द बयां करेंगे। इस दौरान अनेक आयोजन भी होंगे। संस्कृति विभाग की देखरेख में होने वाले आयोजनों में अनेक सामाजिक व स्वयंसेवी संगठनों का भी सहयोग लिया जाएगा।

इन कार्यक्रमों में विभाजन विभीषिका के दौरान विस्थापित परिवारों के सदस्यों को आमंत्रित करने के साथ ही त्रासदी के दौरान प्राण गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि भी दी जाएगी।

सरकार ने संस्कृति विभाग को निर्देश दिया है कि इसमें सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया, उत्तर प्रदेश सिंधी सभा, उत्तर प्रदेश सिंधी एकेडमी, सनातनी पंजाबी महासभा समेत अनेक सामाजिक व गैर सरकारी संगठनों का भी सहयोग लिया जाए। जिलों में प्रशासन द्वारा चयनित स्थलों पर विभाजन विभीषिका से संबंधित अभिलेख प्रदर्शनी लगाई जाएगी। संस्कृति विभाग के निर्देशन में प्रदेश के सभी जनपदों में भारत-पाकिस्तान विभाजन विभीषिका से जुड़ीं फिल्में/डॉक्यूमेंट्री प्रदर्शनी स्थलों के साथ ही विद्यालयों, महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों में भी दिखाई जाएंगी।

भाजपा सरकार को देश के उद्योगपतियों पर भरोसा नहीं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सपा प्रमुख ने सैफई में मनाया रक्षा बंधन का पर्व

अमृत विचार : समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने अमेरिका के टैरिफ प्रकरण का संज्ञान लेते हुए कहा है कि भारतीयों को मौका मिला है कि अपना उद्योग एवं कारोबार अपने हाथ में ले लें। जिस समय देश का उद्योग और कारोबार अपने आप बढ़ेगा तो अमेरिका या कोई अन्य देश धमकी नहीं दे सकेगा।

पत्रकारों से बात करते हुए शनिवार को अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार को देश के उद्योगपतियों पर भरोसा नहीं रहा। अमेरिका धमकी दे रहा है, हमारे ऊपर प्रतिबंध लगा रहा है। चीन पड़ोसी देश है, उनसे सम्बन्ध खराब चल रहे हैं। उसने हमारी जमीन और व्यापार दोनों छीने हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने अपने 10 साल के शासन में किसानों, नौजवानों, कारोबारियों पर भरोसा किया होता तो आज तस्वीर कुछ और होती। इससे पहले अखिलेश यादव ने सैफई में बड़ी संख्या में आई तमाम बहनों की राखियां स्वीकार कर उन्हें बधाई दी।

रणनीति | माता-पिता को जागरूक कर रही योगी सरकार

बच्चों में नाटेपन के लिए कारगर है पोषण पाठशाला

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सभी जिलों में 9.80 लाख से अधिक माप, स्टंटिंग उन्मूलन की दिशा में बड़ी शुरुआत

अमृत विचार: प्रदेश सरकार ने यूपी में बच्चों में स्टंटिंग (नाटापन) अगले पांच वर्षों में यानी 2030 तक कम करने का लक्ष्य साधा है। इसके लिए ठोस नीतियां बनाई जा रही हैं। पोषण पाठशाला के माध्यम से योगी सरकार माता-पिता और अन्य अभिभावकों को जागरुक कर रही है।

बच्चों के जीवन के पहले 1000 दिनों में अपर्याप्त पोषण के कारण स्टंटिंग की समस्या होती है। इसे कम करने के लिए सरकार ने छह माह-सात बार रणनीति अपनाई है। इसके तहत छह माह से कम आयु के शिशुओं की नियमित निगरानी, बीमारी प्रबंधन, और माताओं को स्तनपान सहायता प्रदान की जा रही है। पहले छह माह में केवल स्तनपान और बाद में संतुलित आहार बच्चों के विकास को मजबूत करता है। इस दिशा में, 75 जिलों के 7,500 आंगनबाड़ी केंद्रों में 0-5 वर्ष की आयु के अविकसित बच्चों की माप के लिए कुल 9.80 लाख से अधिक कार्य किए गए हैं।

100 नोडल अधिकारियों की नियुक्ति

हर जिले में ब्लॉक और जनपद स्तर के 100 नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है, जो आंगनबाड़ी केंद्रों की सघन निगरानी कर रहे हैं। जिलाधिकारी मासिक समीक्षा बैठकें आयोजित कर रहे हैं, जिसमें स्टंटिंग की स्थिति का आकलन किया जाता है।

इन केंद्रों में अविकसित बच्चों की निगरानी के लिए 7,500 नोडल अधिकारी तैनात किए गए हैं, जो सघन ग्रोथ मॉनिटरिंग और न्यूट्रिशन ट्रैकिंग सुनिश्चित कर रहे हैं। बीते 14-15 जुलाई को पूरे प्रदेश में पहली बार एक साथ स्टंटिंग मापन अभियान चलाया गया, जिसमें नोडल अधिकारियों ने बच्चों के एंथ्रोपोमेट्रिक माप (लंबाई, वजन) का सत्यापन किया। स्टंटिंग की वास्तविक स्थिति को समझने और डेटा की गुणवत्ता को बेहतर करने के लिए राज्यव्यापी स्टंटिंग वैलिडेशन अभियान शुरू किया गया। इस अभियान में सभी विभागों जैसे स्वास्थ्य, शिक्षा और बाल विकास सेवा के संयुक्त प्रयासों से चयनित गांवों में बच्चों की निगरानी की गई हैं। बीते वर्षों में स्टंटिंग के आंकड़ों में सुधार दर्ज हुआ है।

खजाना लूटने के बाद खड़ी हो गई थी मुसीबत

एजेंसी, लखनऊ

काकोरी ट्रेन एक्शन की 100वीं वर्षगांठ

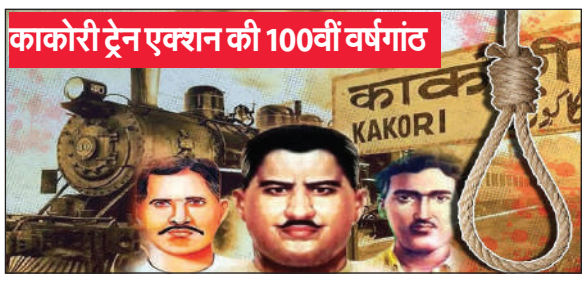

अमृत विचार : 9 अगस्त, 1925 की शाम थी। ब्रिटिश शासन के विरुद्ध स्वतंत्रता संग्राम के लिए धन जुटाने के मकसद से युवा क्रांतिकारियों के एक समूह ने लखनऊ के निकट काकोरी में एक ट्रेन से सरकारी खजाना लूटने की साहसिक योजना बनाई। उन्हें इस योजना को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। हालांकि काकोरी ट्रेन एक्शन के बारे में कुछ ऐसी चीजें भी रहीं, जिनके बारे में बहुत कम जानकारी सामने आई है। इस वर्ष इस घटना की 100वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है। यह भारत के स्वतंत्रता संग्राम में एक महत्वपूर्ण घटना थी।

इस अवसर पर उन क्रांतिकारियों के परिजनों ने एजेंसी को काकोरी ट्रेन एक्शन के बारे में कुछ रोचक जानकारी दी। स्वतंत्रता सेनानी अशफाक उल्लाह खान के परपोते अशफाक उल्लाह खान ने ऐसे ही एक दिलचस्प वाकये के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि जब क्रांतिकारियों को लगा कि ट्रेन डकैती को पूरी तरह से अंजाम दे दिया गया है, तो उन्हें एक अप्रत्याशित समस्या का सामना करना पड़ा। अशफाक ने कहा कि वह समस्या यह थी कि 4,600 रुपये रखे, जिस संदूक को उन्होंने लूटा था, वह उनकी कल्पना से कहीं अधिक मजबूत था, जिससे अशफाक उल्ला खान समेत योजना में शामिल लोगों की जान जोखिम में पड़ गई। उन्होंने कहा, इसके बाद मेरे परदादा (अशफाक उल्लाह खान) ने एक हथौड़ा उठाया और दो जोरदार वार से संदूक को चीर दिया।" अशफाक ने मुस्कुरते हुए बताया कि ताला तोड़ने के बाद अशफाक उल्लाह खान ने हल्के-फुल्के अंदाज में अपने साथी शाकाहारी क्रांतिकारियों से कहा कि "यह ताला तोड़ना पूरी सब्जी खाने वालों के लिए संभव नहीं था।" अशफाकउल्ला खान रामप्रसाद बिस्मिल और दूसरे क्रांतिकारियों के साथ काकोरी ट्रेन एक्शन में प्रमुख रूप से शामिल थे। अशफाक (59) ने कहा, "मैंने भी उन लोहे के संदूकों को पहली बार तब देखा था जब मैं मात्र 15 वर्ष का था।" आज 4,600 रुपये की राशि का कोई खास मूल्य नहीं है, लेकिन उस समय यह राशि बहुत बड़ी थी।

न्यूज ब्रीफ

स्टंटबाज बुलेट वाले को किया गिरफ्तार बाइक सीज

बरेली, अमृत विचार : कई दिनों से शहर में घूमकर बुलेट पर स्टंट करना एक युवक को भारी पड़ गया। एसपी ट्रैफिक अकमल खान रक्षाबंधन पर शहर में घूमकर यातायात व्यवस्था का जायजा ले रहे थे। इसी दौरान उनको चौपुला चौराहे के पास एक बुलेट बाइक पर चालक लखन सिंह स्टंट करता हुआ दिखाई दिया। एसपी ने उसे रुकवाया। ट्रैफिक इंस्पेक्टर शैलेंद्र कुमार सिंह ने बुलेट बाइक को सीज कर दिया। साथ ही आरोपी चालक को हिरासत में लेकर पुलिस कोतवाली ले गई। कोतवाली में आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की जा रही है। एसपी ट्रैफिक मोहम्मद अकमल खान ने बताया कि सड़कों पर स्टंट कर खुद और दूसरों की जान जोखिम में डालने वालों को छोड़ा नहीं जाएगा। पुलिस का कहना है कि अभियान चलाकर कार्रवाई की जाएगी।

शहाबुद्दीन ने सपा नेता के बयान पर किया पटलवार

बरेली, अमृत विचार : आल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने समाजवादी पार्टी के नेता डॉ. एसटी हसन के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में आई आपदा को किसी भी धर्म से जोड़कर नहीं देखा जा सकता है। डॉ. एसटी हसन का बयान भ्रमित करने और बेवकूफी बाला है। उन्होंने कहा कि आपदा आसमानी कहर है, वह किसी भी क्षेत्र में आ सकती है। मौलाना ने कहा कि खुदा से अपने और अपने परिवार अपने क्षेत्र की सुरक्षा के लिए दुआ करनी चाहिए।

पहले दिन 44 हजार बहनों और सहयात्रियों ने की मुफ्त यात्रा

बरेली, अमृत विचार : रक्षा बंधन पर रोडवेज बसों में बहनों और एक सहयात्री की निशुल्क यात्रा जारी है। 8 अगस्त को रात 12 तक बरेली रीजन में 44, 404 लोगों ने निशुल्क यात्रा की। इसमें महिलाएं और एक सहयात्री शामिल रहे। आरएम दीपक चौधरी ने बताया कि महिलाएं इन बसों में 10 अगस्त रात 12 बजे तक निशुल्क सफर कर सकेंगी। मुस्लिम महिलाओं ने भी इसका खूब लाभ लिया। बसों में बहनों को परिचालकों की ओर से शून्य मूल्य की टिकट दी जा रही है।

एक्सल टूटने से खंती में जा घुसी बस 69 यात्रियों की जान पड़ी आफत में

हाफिजगंज थाना क्षेत्र में पीलीभीत हाईवे पर हुआ हादसा, गड्ढे में पहिया जाने से टूटा एक्सल

संवाददाता, बरेली/हाफिजगंज

अमृत विचार : हाफिजगंज थाना क्षेत्र में सड़क के गहरे गड्ढे में पहिया जाने से पीलीभीत डिपो की रोडवेज बस का एक्सल टूट गया ओर बस अनियंत्रित होकर खंती में भरे पानी में जा घुसी। रक्षाबंधन होने के कारण बस 69 यात्रियों से खचाखच भरी हुई थी। पुलिस ने स्थानीय ग्रामिणों की मदद से सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला।

पीलीभीत डिपो की रोडवेज बस शनिवार सुबह 69 यात्रियों को लेकर बरेली आ रही थी। हाफिजगंज क्षेत्र में सिथरा गांव के पास हाईवे पर काफी गड्ढे हैं। बताया जा रहा है कि गड्ढे में बस का पहिया जाने से उसका एक्सल टूट गया, जिससे बस अनियंत्रित होकर हाईवे से नीचे खंती में उतर गई। खंती में बारिश का पानी भरा था। गनीमत रही कि बस पलटी नहीं और बड़ा हादसा होते-होते टल गया। हादसे के बाद घटनास्थल पर राहगीरों समेत स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जुट गई। शीशा तोड़कर सवारियों को बाहर निकाला। सूचना पर थाना पुलिस भी पहुंची और सवारियों को दूसरे वाहनों से रवाना किया गया। हादसे में पांच यात्रियों को मामूली रूप से चोटिल बताया जा रहा है। हालांकि किसी को कोई गंभीर चोट नहीं आई। इस हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने सड़कों की खराब हालत पर नाराजगी जताई और जल्द से जल्द मरम्मत की मांग की।

हाईवे पर हरदासपुर और संग्रामपुर गांव के बीच हुआ हादसा

सिरौली/मऊचंदपुर, अमृत विचार : रामनगर शाहाबाद स्टेट हाईवे पर गांव हरदासपुर और संग्रामपुर के बीच शनिवार शाम दो बाइकों में भिड़ंत हो गई। हादसे में दोनों बाइक सवार युवकों की मौत हो गई। जबकि दो अन्य लोग गंभीर घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को अस्पताल भेजा है। थाना क्षेत्र के गांव आनंदपुर उर्फ उदयभानपुर निवासी सुरेंद्र लोधी (28) पत्नी राजेश्वरी और तीन वर्षीय बेटे प्रमोद के साथ शनिवार सुबह बाइक से ससुराल कुढ फतेहगढ़ गए थे। लौटते समय हरदासपुर और संग्रामपुर गांव के बीच गांव किटौना निवासी ठाकुरदास (35) की बाइक से उनकी बाइक टकरा गई। जिससे मासूम समेत चारों लोग गम्भीर घायल हो गए। राहगीरों ने आनन फानन में सभी घायलों को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र रामनगर भेजा। जहां चिकित्सक ने सुरेंद्र और ठाकुरदास को मृत घोषित कर दिया। राजेश्वरी व उनका बेटा प्रमोद घायल है। जिन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। आनंदपुर उर्फ उदयभानपुर के ग्रामीणों के अनुसार सुरेंद्र तीन बहन और दो भाइयों में सबसे बड़े थे। वहीं, किटौना गांव के ग्रामीणों ने बताया कि ठाकुरदास ससुराल मैनपुरी में राखी लेकर जा रहे थे। रास्ते में यह हादसा हो गया। ठाकुरदास एक बेटा और दो बेटी हैं। वह कानपुर में मजदूरी करते थे। दो भाई और बहन में सबसे छोटे थे। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

कार की टक्कर से ऑटो सवार की मौत

बरेली, अमृत विचार : किला थाना क्षेत्र में शनिवार तड़के एक कार चालक ने ऑटो में जोरदार टक्कर मार दिया, जिससे ऑटो सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद दोनों चालक अपने वाहन लेकर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने वाहन संख्या के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है। नवाबगंज थाना क्षेत्र के ग्राम अग्रास निवासी बबलू श्रीवास्तव ने बताया कि वह अपने दोस्त सोनू मौर्य, बबलू और गौरव बाबू के साथ कानपुर से घर आ रहा था। तीनों रोडवेज से चौपुला पुल पर उतरे और मिनी बाईपास ऑटो रिक्शा से जा रहे थे। आरोप है कि रास्ते में श्मशान भूमि फाटक के पास अचानक तेज रफ्तार कार ने ऑटो में जोरदार टक्कर मार दी, जिसमे गौरव बाबू की मौके पर मौत हो गई। हादसे के बाद ऑटो और कार चालक दोनों अपने वाहन लेकर मौके से फरार हो गए।

सिर में गंभीर चोट लगने से शिक्षक की हुई थी मौत

बरेली, अमृत विचार : किला थाना क्षेत्र में दरोगा के सेवानिवृत्त शिक्षक पिता नत्थूलाल की मौत सिर में गंभीर चोट लगने से हुई थी। पुलिस ने शनिवार को शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया। पुलिस आरोपी मनोज को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

फूल बाग छावनी निवासी राजेश कुमार के अनुसार वह गाजियाबाद के बापूधाम थाने में दरोगा हैं। उनके पिता नत्थूलाल (65) सेवानिवृत्त शिक्षक थे। शुक्रवार रात करीब 8 बजे उनका पड़ोसी मनोज शराब पीकर उनके परिवार को गाली दे रहा था। पिता मना करने गए तो मनोज, उसके पिता किशन पाल और मनोज की पत्नी ने जान से मारने की नीयत से तेजी से धक्का दे दिया। जिससे उनके पिता की मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को शव का पोस्टमार्टम कराया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सिर में गंभीर चोट लगने से मौत होने की पुष्टि हुई। किला थाना प्रभारी सुरेश चन्द गौतम ने बताया कि आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। उसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मजदूरी मांगने पर युवक को झूले से बांधकर पीटा

वायरल वीडियो में मजदूर को पीटता युवक। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता,मुरादाबाद

- मजदूर को लाठी-डंडों से पीटने का वीडियो वायरल
- पुलिस ने दोनों आरोपियों पर रिपोर्ट दर्ज कर किया गिरफ्तार

अमृत विचारः मूंढापांडे थाना क्षेत्र में मजदूरी के पैसे मांगना एक युवक को भारी पड़ गया। रेस्टोरेंट संचालक दो युवकों ने उसे झूले से बांधकर लाठी-डंडों से बुरी तरह पीटा, गालियां दीं और गला दबाकर जान से मारने की कोशिश की। पिटाई का वीडियो वायरल हो गया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

पीड़ित संजू निवासी मूंढापांडे ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि शुक्रवार की सुबह वह अपनी मजदूरी के पैसे लेने हवाई अड्डा रेस्टोरेंट गया था। मूंढापांडे निवासी रेस्टोरेंट संचालक यशपाल और धीरज ने उसे पकड़ लिया और पार्क में लगे झूले से बांध दिया। इसके बाद दोनों ने गालियां देते हुए लाठी-डंडों से उसकी पिटाई की। उसके गुप्तांग के साथ छेड़छाड़ की और गला दबा दिया। पुलिस से शिकायत करने पर उसे जान से मारने की धमकी दी गई। आरोपियों ने पिटाई के दौरान वीडियो बनाया जो वायरल हो गया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

रिश्तेदारी से लौट रहे ग्रामीण की सड़क दुर्घटना में मौत

कार्यालय संवाददाता, हसनपुर

- बाइक सवार हरीराज को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर
- पत्नी को मायके छोड़कर लौट रहे थे घर

अमृत विचारः कोतवाली क्षेत्र के गजरौला मार्ग पर रिश्तेदारी से घर लौट रहे बाइक सवार ग्रामीण को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। मेरठ ले जाते समय रास्ते में उसकी मौत हो गई।

मृतक हरीराज।

गजरौला थाना क्षेत्र के गांव फिरोजपुर निवासी 60 वर्षीय हरीराज रक्षाबंधन पर पत्नी शांति को उसके मायके आदमपुर थाना क्षेत्र के गांव हयातपुर में छोड़कर शुक्रवार की देर रात घर लौट रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक गजरौला मार्ग पर मनौटा शिव मंदिर के पास पहुंची तो सामने से आ रहे अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही हरीराज गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने घायल को नगर के सीएचसी में भर्ती कराया। जहां हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। परिजन घायल को मेरठ ले जा रहे थे। रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। मृतक हरीराज अपने पीछे तीन बेटी दो बेटा व पत्नी शांति को रोते बिलखते छोड़ गया है। परिजनों के द्वारा अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ कोतवाली में तहरीर दी गई है।

घर से बिना बताए निकली लड़की को टिकट चेकिंग में पकड़ा

बरेली, अमृत विचारः रक्षाबंधन पर 14674 ट्रेन में चेकिंग के दौरान सीसीटीसी शाहजहांपुर मनीष चंद्र उपाध्याय को एस/4 कोच में एक नाबालिग लड़की बिना टिकट पाई गई।

शक होने पर जब उससे पूछताछ की तो पता चला कि वह अपने घर से बिना बताए ही निकली है। मनीष चंद्र उपाध्याय ने तुरंत मामले की जानकारी वाणिज्य नियंत्रक, उत्तर रेलवे मुरादाबाद को दी।

इसके बाद लड़की के परिजनों से संपर्क किया गया। ट्रेन के बरेली पहुंचने पर उसे सुरक्षित आरपीएफ को सुपुर्द कर दिया गया। रेलवे प्रशासन ने टीटीई मनीष चंद्र उपाध्याय की तत्परता और संवेदनशीलता की सराहना की है।

तेंदुआ ने तीन बकरियां मारीं, लगेगा पिंजरा

कार्यालय संवाददाता,संभल/असमोली

अमृत विचारः असमोली के गांव हरसिंहपुर में जंगली जानवर का आतंक बढ़ता जा रहा है। दो दिन में तीन बकरियों को मार डाला। ग्रामीण दावा कर रहे हैं कि तेंदुआ ही बकरियों का शिकार कर रहा है।

पिछले दिनों सैदपुर जसकौली में तेंदुआ दिखा तो वन विभाग ने पिंजरा लगा दिया था। अब लगता है कि तेंदुआ हरसिंहपुर गांव में पहुंच गया। गुरुवार देर रात घर में घुसकर दो बकरियों को मार डाला। ग्रामीण अमर सिंह की पत्नी विजयवती ने बताया कि रात में जंगली जानवर दीवार फांदकर घर में घुस आया। सुबह उठने पर देखा कि दो बकरियां मरी पड़ी थीं। जिनमें से एक की गर्दन कटी हुई थी। घर की दीवारों और आसपास पंजों के निशान मिले।

संभल के हरसिंहपुर गांव में जानकारी लेते वन विभाग के लोग।

शुक्रवार की रात को जंगली जानवर दोबारा गांव में घुस आया और एक बकरी को मार डाला। साथ ही दूसरी बकरी पर हमला कर घायल कर दिया। ग्रामीणों ने शोर मचाया तो जानवर शराफत अली के घर में घुस गया। वहां भी शोर होने पर भाग गया। इन घटनाओं से ग्रामीण भयभीत हैं। वन विभाग के दरोगा मोहित यादव बताया कि सैदपुर जसकोली से पिंजरे को हटाकर हरसिंहपुर में लगाया गया है, ताकि तेंदुए को पकड़ा जा सके। उप क्षेत्रीय वन अधिकारी उस्मान अली, पप्पू वनरक्षक ,मोहित यादव वन दरोगा व ग्राम प्रधान पति आकिल हुसैन आदि गांव में जायजा लेते रहे।

नेटवर्क मार्केटिंग के विवाद में दंपती पर किया हमला

बरेली, अमृत विचार : कुबेर होम निवासी पूजा दुबे उर्फ जैनिश ने बताया कि वह और उनके पति राहुल दुबे वेस्टिज मार्केटिंग कंपनी में काम करते हैं। उनके साथ हल्द्वानी के भीम सिंह मेवाड़ी, कुशाल सिंह, अभिमन्यु सिंह, पिंटू यादव उर्फ बबलू सहित कई लोग काम करते थे। आरोप है कि दिल्ली के शिवम गोस्वामी और तरुण कनौजिया के साथ मिलकर इन लोगों ने टीम के सदस्यों को लालच देकर कंपनी के नियम तोड़कर अपनी डाउन लाइन में जोड़ लिया। उन्होंने इस बारे में कंपनी प्रबंधन को लिखित शिकायत दी थी। इसके बाद भीम सिंह मेवाड़ी, कुशाल सिंह, अभिमन्यु, पिंटू यादव और दो अन्य लोगों ने घर में घुसकर गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर गमले उठाकर हमला कर दिया और तोड़फोड़ की।

पांच मिनट में फर्जी आधार कार्ड बनाने वाले आरोपी को किया गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- आरोपी एक हजार में बनाता था पैन और आयुष्मान कार्ड
- आरोपी को कोर्ट में पेश कर भेजा गया जेल, कागजात बरामद

अमृत विचार : इज्जतनगर थाना पुलिस ने एक हजार रुपये लेकर पांच मिनट में फर्जी आधार कार्ड, पैन कार्ड और आयुष्मान कार्ड बनाने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसकी पहचान गांव खजुरिया निवासी सुमित के रूप में हुई। आरोपी के पास से पुलिस ने मौके से फर्जी दस्तावेज बरामद किए हैं। पुलिस ने उसे कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

इज्जतनगर थाना प्रभारी बिजेन्द्र सिंह ने बताया कि पुलिस टीम को जानकारी मिली कि गांव खजुरिया घाट स्थित साइबर कैफे पर दुकान का आधा शटर गिराकर फर्जी कागजात बनाए जा रहे हैं। पुलिस ने तुरंत छापेमारी करते हुए आरोपी सुमित को गिरफ्तार कर लिया, जबकि, उसका एक साथी मौके से भागने में सफल रहा। पुलिस टीम ने मौके से एक कम्प्यूटर, एक प्रिन्टर, एक सीपीयू, एक लैमिनेशन मशीन, तीन मोहरें, आठ आयुष्मान कार्ड, 32 सिम कार्ड, तीन फिंगर प्रिंट डिवाइस, दो जेम स्केनर, 26 आधार कार्ड, दो पेन कार्ड, एक पीएम सीएचसी कार्ड, एक ड्राइविंग लाइसेंस, नौ आयुष्मान कार्ड और 19820 रुपये बरामद किए हैं। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वह यह काम लंबे समय से कर रहा है।

पुल पर स्कूटी फिसलने से डूबकर युवक की मौत

बिजनौर, अमृत विचार : स्योहारा थाना क्षेत्र के ग्राम किवाड़ में शुक्रवार को रक्षाबंधन के त्योहार की खुशियों को मातम में बदल दिया। ग्राम किवाड़ निवासी नितू (35 वर्ष) पुत्र बृजनंदन सिंह की डूबने से मौत हो गई। परिजनों के अनुसार, नितू सुबह सहसपुर में बैंक से पैसे निकालने गया था। जयरामपुर और किवाड़ के बीच करूला नदी के पुल पर पानी का तेज बहाव था। पैसे निकालकर लौटते समयन स्कूटी फिसल गई और नितू पानी में गिर गया। लोगों ने उन्हें बचाने की कोशिश की लेकिन तेज धारा में वह बह गया। बाद में उसे निकालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया।

इस्लामिया मैदान से लेकर दरगाह तक तैयारियां शुरू

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचारः उर्स-ए-रजवी की तारीख नजदीक आते ही तैयारियां तेज हो गई हैं। दरगाह आला हजरत से लेकर उर्स स्थल इस्लामिया मैदान पर नगर निगम की तरफ से शनिवार से काम शुरू करा दिया गया है। वहीं दरगाह आला हजरत के सज्जादानशीन ने भी उर्स को लेकर जिलेभर में दौरा करना शुरू कर दिया है।

18, 19 और 20 अगस्त को उर्स-ए-रजवी मनाया जाएगा। शनिवार से नगर निगम की तरफ से उर्स स्थल इस्लामिया मैदान को समतल करने, साफ-सफाई, पानी सप्लाई लाइन, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था आदि काम शुरू करा दिए गए। दरगाह प्रमुख मौलाना सुब्हान रजा खान (सुब्हानी मियां) की सरपरस्ती और सज्जादानशीन मुफ्ती अहसन रजा कादरी (अहसन मियां) और सय्यद आसिफ मियां की देखरेख में टीटीएस रजाकार भी तैयारियों में जुटे हैं। दरगाह से जुड़े नासिर कुरैशी ने बताया कि दरगाह आला हजरत, रजा मस्जिद, अफ्रीकी हॉस्टल, लंगर खाना, रहमानी मेहमान खाना की रंगाई पुताई और सजाने संवारने का काम शुरू हो चुका है। सज्जादानशीन मुफ्ती अहसन मियां खुद तैयारियों का जायजा लेने को जिले भर का दौरा कर रहे हैं। परसौना, फतेहगंज, पदारथपुर, ठिरिया निजावत खान, रहपुरा चौधरी, महलऊ, मनपुरिया, उड़ला जागीर, मीरगंज, सदर कैंट जाकर लंगर कमेटियों से जायरीन के लिए अधिक से अधिक लंगर लगाने को कह रहे हैं।

पॉलीटेक्नीक में 61 प्रतिशत सीटें खाली

बरेली, अमृत विचार : पॉलीटेक्नीक इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रवेश प्रक्रिया के तहत पांचवीं काउंसिलिंग शनिवार को पूरी हुई। जिले के 12 पॉलीटेक्नीक कॉलेजों में कुल 3463 सीटों पर प्रवेश आमंत्रित किए गए, जिसमें से सिर्फ 39 प्रतिशत यानी 1343 सीटें ही भर पाई हैं।

जिले में तीन सरकारी और एक पीपीपी मॉडल पर आधारित पॉलीटेक्नीक कॉलेज हैं, जबकि प्राइवेट कॉलेजों की संख्या 8 है। बहेड़ी, सीबीगंज और महिला पॉलीटेक्नीक कॉलेज में कुल 703 सीटें हैं जबकि पीपीपी मॉडल पॉलीटेक्नीक कॉलेज में 360 सीटें हैं। जिसमें राजकीय पॉलीटेक्नीक कॉलेज बहेड़ी में 225 सीटों पर 142 प्रवेश हुए हैं।

सिटी स्टेशन पर लगेंगे नए कोच गाइडेंस सिस्टम

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- यात्रियों को मिलेगी कोच पोजीशन की सटीक जानकारी

अमृत विचारः पूर्वोत्तर रेलवे गोरखपुर मुख्यालय ने इज्जतनगर मंडल के दो प्रमुख स्टेशनों बरेली सिटी और इज्जतनगर पर अत्याधुनिक कोच गाइडेंस सिस्टम स्थापित करने के निर्देश दिए हैं। यह सिस्टम सीधे नेशनल ट्रेन इन्क्वायरी सिस्टम (एनटीईएस) से जुड़ा होगा, जिससे यात्रियों को कोच की वास्तविक समय (रियल-टाइम) पोजीशन की सटीक और त्वरित जानकारी उपलब्ध होगी।

नए कोच गाइडेंस सिस्टम के तहत स्टेशन के प्लेटफार्मों पर एलईडी डिस्प्ले बोर्ड और डिजिटल स्क्रीन्स लगाई जाएंगी, जिन पर ट्रेन के आगमन, प्रस्थान, कोच क्रम और प्लेटफार्म पोजीशन की जानकारी स्वतः प्रदर्शित होगी। वर्तमान में कई बार ट्रेन आने से ठीक पहले कोच की स्थिति को लेकर यात्रियों में भ्रम की स्थिति बन जाती है, जिस कारण भीड़, धक्का-मुक्की और समय की बर्बादी होती है। नए सिस्टम के लगने से इन समस्याओं पर काफी हद तक नियंत्रण मिलेगा।

प्रा. वि. कांकरटोला नगर क्षेत्र, बरेली

पत्रांक : एस.एस.ए./160-सी/2024-25

नीलामी सूचना

कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बरेली के पत्रांक एस.एस.सी.निर्माण/2886-94/ 2024-25 दिनांक 26.9.24 के अनुपालन में प्रा. वि. कांकरटोला (निकट मॉडल टाउन पुलिस चौकी) नगर क्षेत्र बरेली के जर्जर कमरों की नीलामी 11 अगस्त, 12 अगस्त, 13 अगस्त 2025 को प्रातः 10 बजे प्रा. वि. कांकरटोला के प्रांगण में की जायेगी। नीलामी की शेष शर्तें व विषय विद्यालय से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है। नीलामी के समय बोलीदाता को जमा धनराशि के साथ मूल आधार लाना अनिवार्य है। नीलामी स्वीकृत होने पर 25% की धनराशि तीन दिन के अन्दर विद्यालय के SMC खाते में जमा करनी होगी।

ममता सक्सेना (सचिव) **राधा देवी (अध्यक्ष)**

विद्यालय प्रबन्ध समिति प्रा.वि. कांकरटोला नगर क्षेत्र, बरेली।

रिपोर्ट दर्ज होते ही घर में ताला लगा झोलाछाप फरार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- एडिट फोटो पोस्ट होने से आहत होकर युवती ने की थी आत्महत्या

अमृत विचार : सीबीगंज क्षेत्र में सोशल मीडिया पर फोटो एडिट कर अश्लील बनाकर पोस्ट करने से आहत होकर फंदा लगाने वाली युवती के शव का पुलिस ने शनिवार को पोस्टमार्टम कराया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में फंदा लगाने से मौत होने की पुष्टि हुई। वहीं रिपोर्ट दर्ज होते ही आरोपी झोलाछाप घर में ताला लगाकर मौके से फरार हो गया। पुलिस गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही है।

थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने बताया कि उसके गांव में झोलाछाप नरेंद्र राजपूत क्लिनिक चलाता है। उसकी बहन अक्सर उसके यहां दवा लेने जाती थी। आरोप है कि उसने उसकी बहन का नंबर लेकर उसे परेशान करने लगा। इसके बाद उसकी बहन की फोटो एडिट कर फेसबुक पर पोस्ट कर दी थी। इससे आहत होकर बहन ने शुक्रवार दोपहर में फंदा लगाकर जान दे दी थी। पोस्टमार्टम के बाद परिजनों ने शनिवार को गांव के ही कब्रिस्तान में शव को सुपुर्द ए खाक किया। व्यक्ति ने बताया कि आरोपी झोलाछाप नरेंद्र उसे और ग्रामीणों को काफी खास बताता था। उसने बाहर से आकर यहां पर क्लिनिक खोला था। वहीं पुलिस ने आरोपी के घर पर दबिश दी तो मुख्य दरवाजे पर ताला लटका मिला। सीबीगंज थाना प्रभारी अभिषेक सिंह ने बताया आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की दो टीमें लगाई गई हैं। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

सड़कों पर खटारा बसें भर रहीं फर्राटा

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- बरेली रीजन में 22 बसें परिवहन निगम की अब भी सड़कों पर दौड़ रहीं

अमृत विचार : शासन के तमाम निर्देशों के बावजूद परिवहन निगम अपने बेड़े से खटारा बसों को हटाने के लिए तैयार नहीं है। बरेली रीजन में करीब 22 बसें अब भी खटारा हैं, जो रास्ते में दगा देती रहती हैं। कई बार खटारा बसें यात्रियों के लिए जानलेवा साबित हो जाती हैं। हाफिजगंज में पीलीभीत हाईवे पर शनिवार को एक्सल टूटने से अनियंत्रित हुई पीलीभीत डिपो की बस के खंती के पानी में घुसने की घटना के बाद अब जिम्मेदार जांच की बात कहकर पल्ला झाड़ रहे हैं।

बता दें, बरेली, रुहेलखंड, बदायूं और पीलीभीत डिपो में परिवहन निगम और अनुबंधित 735 बसें हैं। जिनका दिल्ली, लखनऊ, देहरादून समेत लंबी दूरी की बसों के साथ लोकल रूट पर भी संचालन होता है।

इसमें निगम की खटारा 22 बसें ऐसी हैं जो अपने गंतव्य तक ब्रेक डाउन होने समेत अन्य कारणों से नहीं पहुंच पाती हैं। इससे कई बार यात्रियों को दिक्कत झेलनी पड़ती है। बीच रास्ते में उन्हें दूसरी बसों का सहारा लेना पड़ता है। विभागीय सूत्र बताते हैं कि बरेली रीजन से खटारा बसों को हटाने के लिए एमडी मासूम अली सरवर निर्देश दे चुके हैं। बीते दिनों आरएम दीपक चौधरी ने भी सभी रीजन के एआरएम और फोरमैन के साथ बैठक कर पूरी तरह फिट शत-प्रतिशत बसों का संचालन कराने के निर्देश दिए थे। फिर भी खटारा बसों को सड़कों पर दौड़ाया जा रहा है। वहीं, पीलीभीत डिपो के एआरएम पंकज कुमार का कहना है कि उन्हें घटनाक्रम की जानकारी मिली है। बस का एक्सल कैसे टूटा इसकी जांच कराई जाएगी। इसके बाद ही एक्सल टूटने की स्थिति स्पष्ट की जा सकेगी।

आरएम ने बनाई कमेटी, एसएम और फोरमैन देंगे रिपोर्ट

हाफिजगंज में हादसे की जांच के लिए आरएम दीपक चौधरी ने दो सदस्यीय जांच कमेटी गठित की है। आरएम ने सेवा प्रबंधक और पीलीभीत डिपो के फोरमैन को जांच सौंपने के साथ सात दिन में रिपोर्ट तलब की है। कमेटी कई बिंदुओं पर जांच करेगी, बस डिपो से निकलने से पहले किसने चेक की, आखिरी बार कब मेन्टिनेंस हुआ समेत कई बिंदुओं पर जांच कमेटी अपनी रिपोर्ट देगी।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण/आर.एस.पी. पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं:- **क्रम सं.-1,** ई-प्रापण निविदा संख्याः NER-GKP-RSP-2025-02, कार्य का नामः गोण्डा-गोण्डा कचहरी रेलवे स्टेशनों के बीच किमी 661/4-5 पर नियंत्रण रेखा संख्या 264/बी 1 के स्थान पर दो लेन वाले अंत-से-अंत सड़क ऊपरी पुल (आरओबी) का निर्माण, जिसमें आरई दीवार/पीएससी गर्डर/संयुक्त गर्डर शामिल हैं और पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ डिवीजन के रेलवे भाग में आरडीएसओ के कैमल बैक ट्रस प्रकार के गर्डर का उपयोग किया जायेगा। अनुमानित निविदा मूल्यः ₹56,78,58,537.43, बयाना राशिः ₹29,89,300/-, निविदा प्रपत्र का मूल्यः शून्य, कार्य पूर्ण करने की अवधिः 24 (चौबीस) माह।

- बिड प्रारम्भ करने की तिथिः दि. 18-08-2025
- उपरोक्त ई-निविदा सबमिसन की अन्तिम तिथिः दिनांक 01-09-2025, 15:00 बजे तक,
- उपरोक्त ई-निविदा खुलने की तिथिः दिनांक 01-09-2025, 15:00 बजे
- निविदा सूचना, योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्ते वेबसाइट *http://www.ireps.gov.in* पर देखा जा सकता है।
- निविदा सूचना में यदि हिन्दी या अंग्रेजी के आलेखों में कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होगें।
- कार्य का प्लान हेड-30 तथा एलोकेशन 26304603 है।

अधिशासी अभियन्ता/निर्माण/आर.एस.पी., गोरखपुर

मुजाधि/डब्लू-199

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

कार्यालय ग्राम पचायत मोहसनपुर वि.खं. इस्लामनगर बदायूं

अल्पकालीन निविदा सूचना दिनांक : 09.08.2025

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में केंद्र राज्य/मनरेगा, स्वच्छ मिशन (ग्रा.)/RGSA योजनाओ अंतर्गत प्राप्त धनराशी से ग्राम सभा द्वारा अनुमोदित कार्य योजना के अनुसार निम्न कार्य कराये जाने है। सीसी रोड निर्माण कार्य , नाली निर्माण एवं नाली मरम्मत, खडंजा निर्माण एवं मरम्मत, मिट्टी भराव कार्य, फर्नीचर क्रय, स्ट्रीट लाइट, सोलर लाइट स्थापना/अनुरक्षण, हैंड पंप रिबोर कार्य हैंडपंप मरम्मत कार्य, वाल पेंटिंग, प्राथमिक स्कूल शौचालय निर्माण/मरम्मत, उच्च प्राथमिक विद्यालय शौचालय निर्माण कार्य, आंगनवाड़ी शौचालय निर्माण व मरम्मत, प्राथमिक स्कूल बाउन्ड्रीवॉल निर्माण एवं मरम्मत, उच्च प्राथमिक विद्यालय बाउंड्री वॉल नि. कार्य, पंचायत घर निर्माण एवं मरम्मत, जन सुविधा केंद्र नि.कार्य, पशु शेड निर्माण, शोकपिट निमाण, फिल्टर चैम्बर नि. कार्य कूडादान नि.कार्य, सार्वजनिक शौचालय मरम्मत, अंत्येष्टि स्थल नव निर्माण एवं मरम्मत, गौशाला निमाण व रखरखाव, वृक्षारोपण कार्य आंगनबाड़ी भवन निर्माण एवं मरम्मत, स्कूल कायाकल्प कार्य, वाटर हर्वेस्टिंग, पानी की टंकी निर्माण, पंचायत घर की बाउण्ड्रीवॉल निर्माण, खाद के गड्ढ़ों का निर्माण, नाडेप नि. कार्य प्रशासनिक व्यय, नाली जाल नि.कार्य, सफाई कार्य, गौ सेवक सेवा हेतु उक्त सभी कार्यो के प्राक्कलन अनुसार सामग्री क्रय जिसमें ईट, रोड़ा, सीमेन्ट, मौरंग, सरिया, वजरी, टाइल्स, पॉलीथिन पाइप, हैंडपंप सामग्री इंटरलॉकिंग ईट, हयूम पाइप, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, स्टेशनरी प्रचार प्रसार बोर्ड, मिट्टी, राख, सैनिटाइजर व फागिंग कार्य, सफाई कार्य हेतु ठेली क्रय मरम्मत, स्प्रे मशीन, सफाई किट, पी.पी. आई. किट, लोहे की चादर, इंगल, जाली आदि प्राक्कलन अनुसार सामग्री वस्तुओं की आपूर्ति के फर्मो से सील बन्द निविदायें ग्राम पंचायत के कार्यालय पर दोपहर 1 बजे तक दिनांक 13.08.2025 आमंत्रित की जाएगी जिसे उक्त दिनांक को ही 4:00 बजे फर्म प्रतिनिधियों के समक्ष खोला जायेगा। फर्म प्रतिनिधि या अन्य किसी भी समय निविदाओ के सम्बन्ध में पंचायत कार्यालय से सम्पर्क कर सकते है। बिना किसी अग्रिम सूचना के टेंडर को निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास सुरक्षित है जो किसी भी मा. न्यायलय में बाद योग्य नही है।

प्रधान **सचिव**

अमृत विचार

रविवार, 10 अगस्त 2025

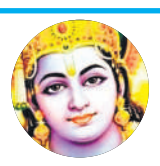

ध्यायतो विषयान्पुंस: सङ्गस्तेषूपजायते।
सङ्गात्संजायते काम: कामात्क्रोधोऽभिजायते॥

गीता में श्री कृष्ण जी कहते हैं, विषय-वस्तुओं के बारे में सोचते रहने से मनुष्य को उनसे आसक्ति हो जाती है। इससे उनमें कामना पैदा होती है और कामनाओं में विघ्न आने से क्रोध की उत्पत्ति होती है। कोशिश करें कि विषयाशक्ति से दूर रहते हुए कर्म में लीन रहा जाए।

गिरते रुपये के बीच निर्यातकों के लिए एक उम्मीद

ट्रंप के टैरिफ ने विश्व व्यापार में अनिश्चितता का माहौल बनाया है। चीन भी टैरिफ विवाद में कूद पड़ा है। इसकी वजह से विश्व व्यापार युद्ध में तब्दील होता जा रहा है। नतीजे में वैश्विक निवेशक डरे हुए हैं। उन्होंने डॉलर को सुरक्षित निवेश विकल्प मानते हुए, इसमें भारी निवेश करना शुरू कर दिया है। इस निवेश की प्रवृत्ति ने डॉलर को मजबूत किया है और उभरती अर्थव्यवस्थाओं की मुद्राओं- जैसे भारतीय रुपया, ब्राज़ीलियन रियल और थाई बात को कमजोर कर दिया है।

साल 2025 की वैश्विक अर्थव्यवस्था एक बार फिर अनिश्चितता के भंवर में है। अमेरिका और चीन के बीच जारी टैरिफ युद्ध ने विश्व व्यापार को अस्थिर कर दिया है। अमेरिका ने हाल ही में चीन, भारत, वियतनाम और मैक्सिको जैसे देशों पर इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मास्युटिकल्स और स्टील उत्पादों पर आयात शुल्क बढ़ा दिए हैं। चीन ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए अमेरिकी कृषि उत्पादों पर शुल्क बढ़ा दिए हैं। इस टकराव के कारण वैश्विक निवेशक डरे हुए हैं और उन्होंने डॉलर को एक सुरक्षित निवेश विकल्प मानते हुए इसमें भारी निवेश करना शुरू कर दिया है। इस निवेश की प्रवृत्ति ने डॉलर को मजबूत किया है और उभरती अर्थव्यवस्थाओं की मुद्राओं- जैसे भारतीय रुपया, ब्राज़ीलियन रियल और थाई बात को कमजोर कर दिया है। जनवरी 2024 में डॉलर के मुकाबले रुपया 82.10 के स्तर पर था, लेकिन अगस्त 2025 तक यह गिरकर 85.34 प्रति डॉलर के ऐतिहासिक निचले स्तर पर पहुंच चुका है।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की रिपोर्ट के अनुसार, भारत की मुद्रा 2025 की दूसरी तिमाही में एशिया की सबसे अधिक गिरावट वाली मुद्राओं में शामिल रही है। यह गिरावट भारतीय रिजर्व बैंक के लिए चिंता का विषय बन चुकी है। मुख्य कारण यह है कि भारत अपने कुल आयात का लगभग 23% केवल कच्चे तेल पर खर्च करता है। जून 2025 में ब्रेंट क्रूड की कीमत $88 प्रति बैरल तक पहुंच गई थी, जिसका मतलब रुपये में 7500 प्रति बैरल से अधिक की लागत है। कमजोर रुपया इस आयात को और महंगा बना रहा है, जिससे सीपीआई आधारित मुद्रास्फीति जुलाई 2025 में बढ़कर 5.8% पर पहुंच गई, जो आरबीआई के 4% के लक्ष्य से काफी अधिक है।

इसके अतिरिक्त, कमजोर रुपया भारत के चालू खाता घाटे को भी बढ़ा रहा है। अभी चालू खाता जीडीपी का 2.1% है, लेकिन यदि तेल और सोने का आयात ऐसे ही बढ़ता रहा तो वित्त वर्ष 2025-26 में यह 3% तक जा सकता है। इसका असर देश की विदेशी मुद्रा स्थिति और बजट संतुलन पर भी पड़ सकता है। वहीं, विदेशी निवेशकों में भी अस्थिरता देखी जा रही है। जुलाई 2025 में एफपीआई (विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक) ने 12,300 करोड़ की निकासी की है, जिससे सेंसेक्स में 800 अंकों की गिरावट देखी गई। विदेशी मुद्रा में लिए गए कर्ज की लागत भी बढ़ गई है। भारतीय कॉरपोरेट्स पर इस समय $115 बिलियन का विदेशी मुद्रा आधारित कर्ज है और रुपये की गिरावट के चलते इन कंपनियों पर 10-12% तक अतिरिक्त भुगतान दबाव बनने की संभावना है।

रजत मेहरोत्रा
वित्तीय एवं आर्थिक विशेषज्ञ

हालांकि, हर चुनौती के साथ एक अवसर भी छिपा होता है। रुपये की गिरावट भारतीय निर्यातकों के लिए एक सुनहरा अवसर बनकर सामने आई है। जब डॉलर मजबूत होता है और रुपया कमजोर, तब एक डॉलर के बदले निर्यातक को अधिक रुपये मिलते हैं। उदाहरण के तौर पर, जनवरी 2024 में जब डॉलर 82.10 का था, तब एक डॉलर पर उतनी ही राशि मिलती थी, लेकिन अब वही डॉलर 85.34 का हो गया है—इसका मतलब है 3.24 प्रति डॉलर का अतिरिक्त लाभ। यह सीधा फायदा आईटी कंपनियों, टेक्सटाइल निर्यातकों, फार्मा सेक्टर और जेम्स एंड ज्वेलरी उद्योग को हो रहा है।

आईटी कंपनियों की बात करें तो इन्फोसिस, टीसीएस और विप्रो जैसी कंपनियों की 90% आय डॉलर में होती है। इन्फोसिस ने वित्तीय वर्ष 2025 की पहली तिमाही में 8.3% की आय वृद्धि दर्ज की है, जिसमें रुपये के गिरने का बड़ा योगदान है। इसी तरह भारत के जेम्स एंड ज्वेलरी सेक्टर ने जुलाई 2025 में 12% की निर्यात वृद्धि दर्ज की है। टेक्सटाइल और रेडीमेड गारमेंट्स सेक्टर में 6.2%, जबकि फार्मास्युटिकल्स में 9% की वृद्धि दर्ज हुई है। खासकर अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के बाजारों में। इन लाभों के बावजूद, भारतीय रिजर्व बैंक के लिए चुनौती है कि वह रुपये की अत्यधिक गिरावट को रोकने के लिए बाजार में हस्तक्षेप करे, लेकिन इतने स्तर पर कि निर्यातकों को प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त मिलती रहे। जुलाई 2025 तक भारतीय रिजर्व बैंक ने बाजार में $18 बिलियन की डॉलर बिक्री की है, ताकि रुपये को और गिरने से रोका जा सके। इससे भारत का विदेशी मुद्रा भंडार घटकर $590 बिलियन रह गया है, जो मार्च 2024 में $610 बिलियन था।

सरकार को भी चाहिए कि वह इस अवसर का फायदा उठाने के लिए निर्यात प्रोत्साहन नीतियों को सशक्त बनाए। एमएसएमई को निर्यात प्रक्रिया सरल करके, लॉजिस्टिक्स में सब्सिडी देकर और 'मेक इन इंडिया' जैसी योजनाओं के माध्यम से वैश्विक बाजारों तक पहुंच प्रदान की जाए। पीएलआई स्कीम (प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव) को अधिक निर्यात-केंद्रित बनाकर भारत एक बड़ा निर्यातक बन सकता है।

गिरता रुपया भारत के लिए दोहरी चुनौती लेकर आया है। एक तरफ यह महंगाई और विदेशी कर्ज की लागत बढ़ाकर केंद्रीय बैंक के सामने मुश्किलें खड़ी कर रहा है, वहीं दूसरी ओर यह निर्यातकों के लिए एक लाभदायक अवसर बन रहा है। आवश्यकता इस बात की है कि भारतीय रिजर्व बैंक और सरकार मिलकर एक संतुलित नीति बनाएं, जिसमें न तो रुपया अत्यधिक गिरे और न ही निर्यात की संभावनाएं कम हों। यही रणनीति भारत को वैश्विक टैरिफ युद्ध की चुनौतियों से बाहर निकालकर आर्थिक रूप से और अधिक मजबूत बना सकती है।

स्त्री ही चरित्रहीन क्यों! पुरुष क्यों छूट जाते हैं?

हाल ही में एक धार्मिक प्रवचन के दौरान अनिरुद्धाचार्य जी ने कहा, 'कलियुग में वेश्या को वेश्या नहीं कह सकते'। साथ ही उन्होंने महिलाओं के 'लिव-इन' में रहने पर भी टिप्पणी की। अनिरुद्धाचार्य जी, यहीं पर नहीं रुके। उन्होंने यहां तक कह डाला कि पहले तो 14 साल की उम्र में लड़कियों की शादी हो जाती थी अब तो 25 साल की उम्र में शादी होती है। इस दौरान वह कई जगह मुंह मार चुकी होती हैं। अनिरुद्धाचार्य जी, का यह बयान अमर्यादित और निंदनीय होने के साथ ही बाल विवाह को भी प्रोत्साहित करता है। यह कोई चूक नहीं है, बल्कि महिलाओं के प्रति वही पुरानी सड़ी-गली सोच है।

निशा सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

इसी तरह गाहे-बगाहे कुछ धर्म गुरु महिलाओं के खिलाफ विवादित बयान देते रहे हैं, जो महिलाओं के प्रति शायद समाज में नैतिकता के गिरते स्तर और दोहरे मापदंड को दर्शाता है।

भारतीय समाज में नैतिकता की परिभाषा अकसर एकतरफा ही रही है। जब चरित्र पर भाषण होता है तो केंद्र में होती है सिर्फ स्त्री। चाहे बात कपड़ों की हो। संबंधों की या संस्कार की। अगर धर्म गुरु नैतिकता की बात करते हैं, तो यह समान रूप से पुरुष और स्त्री दोनों पर लागू होनी चाहिए। किसी कारणवश लड़की देर से घर लौटे तो सवाल। मुस्कराए तो शक। कपड़े छोटे हों तो चरित्र पर टिप्पणियां होती हैं। वहीं पुरुष देर रात बाहर रहे, रिश्तों में बेवफाई करे या हिंसा करे तो उसे 'पुरुष स्वभाव' कहकर टाल दिया जाता है। मर्द की गलती मर्दानगी और औरत की गलती चरित्रहीनता। ऐसी मानसिकता लैंगिक असमानता को बढ़ावा देती है। इतिहास गवाह है, माता सीता को भी अग्निपरीक्षा देनी पड़ी थी। समय बदला, समाज बदला, लेकिन नारी के चरित्र पर संदेह की परंपरा आज भी जारी है। बस मंच और माइक बदल गए हैं। क्या चरित्र की कसौटी सिर्फ महिलाओं के लिए ही है? यह पितृसत्तात्मक सोच है। आज जब महिलाएं सभी क्षेत्रों में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रही हैं तो ये सोच शायद और असहज हो जाती है, इसलिए उनके चरित्र को निशाना बनाकर उसे नियंत्रित करने की कोशिश की जा रही है।

> क्या चरित्र की कसौटी सिर्फ महिलाओं के लिए ही है? आज जब महिलाएं सभी क्षेत्रों में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रही हैं तो ये सोच शायद और असहज हो जाती है, इसलिए उनके चरित्र को निशाना बनाकर उसे नियंत्रित करने की कोशिश की जा रही है।

जब किसी मंच से यह संदेश दिया जाता है कि महिला चरित्रहीन है तो यह सोच समाज में हिंसा, उत्पीड़न और भेदभाव को वैधता देती है। यही कारण है कि अदालतों में भी कभी-कभी पीड़िता से पूछा जाता है कि आप वहां क्यों गईं थीं? कुछ धर्म गुरुओं द्वारा गाहे-बगाहे ऐसा बयान दिया जाना कतई क्षम्य नहीं है। यह सोच, बलात्कार के बाद कपड़ों पर सवाल उठाती है। यह सिर्फ बयान नहीं, मानसिक जहर है। धर्म गुरुओं के लाखों करोड़ों अनुयाई होते हैं, जो उनकी बातों को धर्म ग्रंथ की तरह मान लेते हैं। धर्म का काम तोड़ना नहीं जोड़ना है, लेकिन जब धर्म के मंच से महिलाओं के खिलाफ अशोभनीय, असंवेदनशील भाषाओं की झड़ी लगा दी जाए, तो सवाल उठना लाजिमी है कि यह धर्म का वास्तविक स्वरूप है या पुरुष वर्चस्व को बढ़ावा देना है। जब धर्म के मंच से महिलाओं के खिलाफ शब्दों के बाण छोड़े जाते हैं, तो ये सिर्फ एक महिला नहीं, बल्कि पूरे स्त्री समाज की गरिमा पर चोट पहुंचाता है।

अति महत्वाकांक्षा के दुष्परिणाम

आज के आधुनिक प्रतिस्पर्धात्मक जीवन में, अति महत्वाकांक्षा, केवल अपने निजी स्वार्थ, ज्यादा से ज्यादा और जल्दी से जल्दी सब कुछ भोग लेने की संस्कृति से उपजा अधकचरा ज्ञान अधिसंख्य व्यक्तियों के धैर्य को समाप्त कर चुका है। सब कुछ जान लेने के दंभ, व्यक्तिगत स्वार्थ और अति महत्वाकांक्षा के मानसिक प्रदूषण ने मानव जीवन को और अधिक जटिल बना दिया है। ऐसे में प्रत्येक व्यक्ति इस वातावरण से उत्पन्न समस्याओं से जबरदस्त मानसिक दबाव में है। इस कारण से आज मानव का जीवन बहुत ही कठिन और अस्थिर हो गया है। प्रत्येक व्यक्ति आज इन मानव जनित समस्याओं के कारण जो कि कई बार उसके स्वयं अथवा किसी नजदीकी कारणों से निर्मित होती हैं, व्यक्ति को अंततः अत्यंत मानसिक तनाव के साथ-साथ गहरे अवसाद में ले जाने का कारण बनती हैं। वर्तमान समय में ये समस्याएं एक त्रासदी का रूप लेती जा रही हैं। आए दिन समाचार पत्रों और न्यूज चैनलों में हत्या, आत्महत्या, हिंसा, घरेलू हिंसा विभिन्न प्रकार के अपराध, आपसी वैमनस्यता, नैतिक पतन, रिश्तों का खून, जाति, धर्म और संप्रदाय के झगड़े इत्यादि ढेरों समस्याएं हमारे समाज को अत्यधिक विकृत करती जा रही हैं। इसकी रोक-थाम के लिए अभी हमारा समाज तैयार नहीं है। वैश्विक दूरी कम होने और नई आधुनिक तकनीकी से उत्पन्न विलासिता की सामग्री बाजार में उपलब्ध होने से उसे पाने के लिए हर कोई लालायित रहता है। कई बार उसे पाने की चाह में अपनी क्षमता से आगे जाकर इसके मकड़जाल में फंस जाता है।

मोहन सिंह बिष्ट
वरिष्ठ पत्रकार

आज की आधुनिक बाजार संस्कृति इस प्रवृति को और बढ़ावा देने का कार्य करती है। सरकारें भी अपनी इकनॉमी को बढ़ाने के लिए इसके दुष्परिणामों को अनदेखा कर देती हैं। इस बाजार संस्कृति से सामाजिक ताना-बाना भी बुरी तरह प्रभावित हुआ है। पूरा समाज एक भेड़ चाल के माफिक बढ़ा चला जा रहा है। सभी को आगे बढ़ने, अपने ऊंचे ख्वाबों को हकीकत में बदलने की जल्दी है। उसके फलस्वरूप अपनी इच्छा और चाहतों को न पूरा कर पाने अथवा आने वाली चुनौतियों से न निपट पाने पर वे बुरी तरह टूट जाते हैं। उन्हें गलत कदम उठाना ही आसान रास्ता नजर आता हैं। समाज का प्रबुद्ध वर्ग भी इस चक्रव्यूह से प्रभावित है, जिसके कारण इसके समाधान पर कोई गंभीर चर्चा या बहस नहीं होती है। समस्या गंभीर है तो उसके समाधान के प्रयास भी उतने ही गंभीरता से होने चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति आज एक भ्रम और अनजाने भय में जी रहा है। मानसिक रूप से अत्यधिक व्यथित है। अति महत्वाकांक्षा और भोगवादी संस्कृति के चलते अपने ऊपर विलासिता के सामान जुटाने और उच्च श्रेणी के जीवन की चाह में अत्यधिक कर्ज और अपराध के दलदल में धंसने से भी लोग परहेज नहीं करते। आए दिन हमें विभिन्न प्रकार के गंभीर अपराध और हृदय विदारक घटनाओं के समाचार सुनने को मिल जाते हैं, जिससे पूरे समाज में भय और अनिश्चितता का माहौल बन जाता है। ऐसे में स्थिति और अधिक गंभीर हो जाती है। समाज को व्यवस्थित रूप से इस भ्रम और भय से बाहर निकालने के लिए नैतिक प्रयासों की आवश्यकता है।

इस भ्रम को तोड़ने के लिए मानव मात्र की वास्तविक आवश्यकता और व्यवस्था के लिए सभी विषयों को उनके समक्ष प्रस्तुत करना होगा। वर्तमान में यह कार्य प्राचीन साहित्य से लेकर आधुनिक साहित्य के विचारकों की किताबों, महापुरुषों द्वारा लिखे गए ग्रंथों के अध्ययन के साथ-साथ यथार्थ मानवीय मूल्यों और व्यवहारों का विस्तृत रूप में वास्तविक सत्य अध्ययन के द्वारा किए गए विश्लेषण को आम जन मानस के समक्ष उसी सत्य रूप में प्रस्तुत करने तथा उसके पठन-पाठन को बढ़ावा देकर ज्यादा से ज्यादा उसे मानव व्यवहार में लाए जाने से काफी हद तक इन समस्याओं में सुधार की संभावनाएं हैं।

लोकतंत्र पर उभरते कुछ अहम सवाल

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वोट चोरी के आरोप लगाते हुए चुनाव आयोग को कटघरे में खड़ा करने की कोशिश की है। इससे पूरे देश में राजनीतिक बहस शुरू हो गई है। उनके आरोपों से कई सवाल पैदा हुए हैं और आने वाले समय में इनके जवाब तलाशा जाना जरूरी होगा।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने दिल्ली में आयोजित एक प्रेस वार्ता में जो दस्तावेज़ और आंकड़े सार्वजनिक किए, वे किसी एक निर्वाचन क्षेत्र की विसंगतियों तक सीमित नहीं थे। वे भारत की चुनावी प्रणाली की कुछ संरचनात्मक कमज़ोरियों की ओर संकेत करते हैं। ऐसी कमज़ोरियां जो लोकतंत्र की वैधता की जड़ों को छूती हैं। यह केवल एक राजनीतिक आरोप नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण प्रश्न भी है। क्या हमारा मतदाता सत्यापन तंत्र भरोसे के काबिल है या फिर उसमें कुछ खामियां हैं, जिन्हें दूर किया जाना जरूरी है? राहुल गांधी ने अपने आरोपों का केंद्र कर्नाटक का महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र बनाया। बेंगलुरु का एक तेजी से शहरीकृत इलाका, जिसकी जनसांख्यिकी प्रवासी आबादी, अनियंत्रित रियल एस्टेट विकास और बदलते सामाजिक-आर्थिक ढांचे से बनी है। गांधी का दावा है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को 1,00,250 कथित फर्जी वोटों का लाभ मिला, जिसके चलते वह बेंगलुरु सेंट्रल सीट पर विजयी हो सकी। उनके द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों में 40,009 संदिग्ध पते, 11,965 फर्जी नाम, एक ही पते पर सैकड़ों मतदाता, और 'हाउस नंबर 0' पर 27 वोटर जैसे विवरण शामिल हैं, जो केवल तकनीकी त्रुटियां नहीं, बल्कि गहरी प्रशासनिक चूक की ओर इशारा करते हैं।

महादेवपुरा कोई नया विवाद स्थल नहीं है। 2022 में चिलुमे ग्रुप नामक एक निजी संस्था को बीबीएमपी (बेंगलुरु महानगर पालिका) द्वारा मतदाता डेटा एकत्र करने का ठेका दिया गया था। कांग्रेस का आरोप था कि यह संस्था भाजपा से जुड़ी हुई थी और इसका उद्देश्य मतदाता सूची में पक्षपातपूर्ण छेड़छाड़ करना था। बाद में चुनाव आयोग ने इस पर जांच करवाई। यद्यपि सीधे फर्जी वोटिंग के प्रमाण नहीं मिले, पर यह सामने आया कि चिलुमे ने एक अनधिकृत ऐप (डिजिटल समीक्षा) के जरिए मतदाता डेटा इकट्ठा किया था, जिसे एक विदेशी सर्वर पर संग्रहीत किया गया। यह न केवल निर्वाचन प्रक्रिया की गोपनीयता पर सवाल उठाता है, बल्कि नागरिकों की निजता और डेटा सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा था।

यह मामला भले ही दो वर्ष पुराना हो, लेकिन इसकी परछाई आज भी चुनावी पारदर्शिता पर मंडरा रही है। वर्तमान में उठे सवाल उसी पुराने ढांचे की कमजोरियों को उजागर कर रहे हैं। इन पर आज विचार करना पहले से कहीं अधिक ज़रूरी है। महादेवपुरा जैसे क्षेत्रों में, जहां प्रवासी और अस्थिर जनसंख्या का दबाव है, मतदाता सूची को लेकर हमेशा संवेदनशीलता बनी रहती है। विपक्ष का आरोप है कि मतदाता सूचियों में जोड़-घटाव सत्ता पक्ष की शह पर होते हैं। मुद्दा यह नहीं है कि कौन चुनाव जीतता है और कौन हारता है। मुद्दा यह है कि क्या चुनाव प्रक्रिया पर लोगों का विश्वास आज भी कायम है। निर्वाचन आयोग ने राहुल गांधी के आरोपों पर अपेक्षित सरकारी शैली में प्रतिक्रिया दी है। 'लिखित शिकायत दें' और 'सार्वजनिक मंचों पर संस्थाओं की गरिमा का ध्यान रखें', लेकिन जब इतने ठोस आंकड़े और विश्लेषण सामने आए हैं, तब आयोग की भूमिका केवल प्रक्रियागत औपचारिकता निभाने तक सीमित नहीं रह सकती।

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर

यदि राहुल गांधी के आरोप निराधार हैं, तो आयोग को तथ्यों के साथ सार्वजनिक खंडन करना चाहिए। यदि इन आरोपों में दम है, तो एक स्वतंत्र और पारदर्शी जांच अनिवार्य है। भाजपा द्वारा इन आरोपों को 'राजनीतिक हताशा' कहकर नकारना या कांग्रेस द्वारा निर्वाचन आयोग पर पक्षपात का आरोप, ये सब बातें तब तक केवल बयानबाज़ी ही रहेंगी जब तक तथ्य सामने नहीं आते।

मतदाता सूची मात्र एक प्रशासनिक दस्तावेज़ नहीं है, बल्कि वही दस्तावेज़ है, जिससे चुनाव की वैधता तय होती है। यदि इसमें बार-बार अनियमितताओं के आरोप सामने आते रहे और उन्हें गंभीरता से न लिया जाए तो न केवल चुनाव की प्रक्रिया, बल्कि उस पर आधारित सरकार की साख पर भी प्रश्न उठना स्वाभाविक है।

लोकतंत्र की मजबूती केवल संस्थागत संरचनाओं पर नहीं, बल्कि उस भरोसे पर टिकी होती है, जो जनता इन संस्थाओं पर करती है। यह भरोसा अचानक नहीं बनता। यह समय के साथ पारदर्शिता, जवाबदेही और निष्पक्षता की ठोस मिसालों से खड़ा होता है। अगर मतदाता सूची जैसे बुनियादी दस्तावेज पर उठे सवालों को बार-बार टाल दिया गया तो यह खतरा वास्तविक है कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया में लोगों की भागीदारी धीरे-धीरे औपचारिकता बनकर रह जाएगी।

मनुष्य जीवनः शरीर आनंदधाम है न कि दुखधाम

मनुष्य जीवन आनंद, उल्लास एवं उमंग के परिणाम स्वरूप प्राप्त हुआ है, इसलिए जितना अधिक आनंद, उल्लास, उमंग जीवन में एकत्र किया जा सके, करना चाहिए। ऐसा करने वाला व्यक्ति बुद्धिमान एवं विवेकवान माना जाएगा, जबकि क्रोध, ईर्ष्या-द्वेष, घमंड करने वाला व्यक्ति महामूर्ख ही कहा जाएगा। भौतिक वस्तुओं से तुलना की जाए तो होता यही है कि जब कोई भौतिक वस्तु बाजार से खरीद कर लाई जाती है तो उसकी बहुत हिफाजत की जाती है! उदारण के तौर पर मान लीजिए कि एक एंड्रॉयड फोन ही खरीद कर बाजार से ले आए, तब सबसे पहले उसका कवर दुकानदार से लेते हैं, ताकि फोन में धूल आदि न जा सके।

सलिल पांडेय
मिर्जापुर

यदि हाथ से छूटकर फोन गिरे भी तो टूटे नहीं। दुःसंयोगवश फोन हाथ से गिर पड़ा और उस पर स्क्रैच पड़ जाता है तो मन दुःखी होता है। पुनः दुकानदार के पास जाकर स्क्रैच ठीक करने का अनुरोध करते हैं। इसके अलावा फोन में इलेक्ट्रॉनिक स्तर पर कचरा भर जाता है तो क्लीनर का उपयोग करते हैं। यह तो एक साधारण भौतिक पदार्थ की बात है। जिस मकान में रहते हैं, उसमें समय-समय पर रंग-रोगन करते हैं। कहीं टूट-फूट हो गया है तो उसकी मरम्मत करते है। इन सारे भौतिक पदार्थों के पास न मन है और न सोचने-समझने की क्षमता, फिर भी ये पदार्थ हमें बाध्य कर देते हैं कि इनकी सलामती के लिए हम सजग रहें, वरना इन पदार्थों का भरपूर उपयोग नहीं किया जा सकेगा।

अब यहां यह सोचना चाहिए कि इतना उत्तम मानव शरीर मिला है, उसका उपयोग किस रूप में हम कर रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ से लेकर योग विशेषज्ञ तक सलाह दे रहे हैं कि स्वस्थ जीवन के लिए ब्रह्म-मुहूर्त में सो के उठ जाना चाहिए, लेकिन बहुतेरे दिन निकलने के बाद सो के उठेंगे। उठते ही तनाव शुरू होने लगता है। कभी घर के लोगों पर तो कभी बाहरी लोगों पर क्रोध शुरू होने लगता है, जबकि क्रोध आपका शत्रु है। अब तो स्वास्थ्य विशेषज्ञ तक कहने लगे हैं कि क्रोध करने से लीवर, किडनी, हार्ट, ब्रेन पर जबर्दस्त नुकसान पहुंचता है।

बायोफ्यूल बन रहा है हरित भविष्य की नई आशा

पिछले कुछ वर्षों से पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव झेल रही है और जलवायु परिवर्तन के कारण सामने आ रही प्राकृतिक आपदाओं की संख्या एवं तीव्रता निरंतर बढ़ रही है। जलवायु परिवर्तन के ही कारण हमारा पारिस्थितिक तंत्र बिगड़ गया है, जिसका असर अब जीवन के लगभग हर क्षेत्र में स्पष्ट देखने को मिल रहा है। जलवायु परिवर्तन का एक बड़ा कारण मनुष्यों द्वारा पारंपरिक जीवाश्म ईंधन का बड़े स्तर पर दोहन किया जाना भी है, जिसका पर्यावरण पर बेहद खतरनाक प्रभाव देखा जा रहा है। यही कारण है कि पारंपरिक जीवाश्म ईंधन के बजाय अपरंपरागत जीवाश्म ईंधन को इस्तेमाल करने की जरूरत महसूस की जा रही है और पारंपरिक जीवाश्म ईंधन के विकल्पों के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए ही प्रति वर्ष 10 अगस्त को 'विश्व जैव ईंधन दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस मनाने का उद्देश्य वातावरण में ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने, ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ावा देने तथा ग्रामीण विकास का समर्थन करने में जैव ईंधन के महत्व को पारंपरिक जीवाश्म ईंधन के एक स्थायी विकल्प के रूप में उजागर करना है। जलवायु परिवर्तन में होती वृद्धि के साथ वैश्विक ऊर्जा खपत पैटर्न में बदलाव अब समय की बड़ी मांग है, इसीलिए जैव ईंधन दिवस के माध्यम से दुनिया भर में लोगों को अक्षय ऊर्जा स्रोतों को गैर-नवीकरणीय जीवाश्म ईंधन से बदलने के लिए प्रोत्साहन देने के प्रयास किए जा रहे हैं।

योगेश कुमार गोयल
वरिष्ठ पत्रकार

भारत में विश्व जैव ईंधन दिवस पहली बार अगस्त 2015 में पेट्रोलियम और गैस मंत्रालय द्वारा मनाया गया था। देश में जैव ईंधन का विकास स्वच्छ भारत अभियान और आत्मनिर्भर भारत अभियान जैसी योजनाओं के अनुरूप ही है। दुनिया भर में अब जैव ईंधन को हमारा भविष्य बचाने के लिए एक उम्मीद के तौर पर देखा जा रहा है। दुबई में हुए 'कॉप-28' में 28वें संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन 2050 तक शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य हासिल करने और जीवाश्म ईंधन से दूर रहने का आह्वान किया गया था और संयुक्त राष्ट्र जलवायु कांफ्रेंस के इतिहास में ऐसा सुझाव पहली बार दिया गया था। यह अलग बात है कि जीवाश्म ईंधन को चरणबद्ध तरीके से चलन से बाहर करने का इसमें कोई उल्लेख नहीं था। इससे पहले नई दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मेलन के अवसर पर नौ सितंबर 2023 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 'ग्लोबल बायोफ्यूल एलायंस' (वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन) की शुरुआत भी की गई थी। जैव ईंधन के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए भारत की पहल पर बनाए गए इस गठबंधन के प्रमख उद्देश्यों में प्रौद्योगिकी प्रगति को सुविधाजनक बनाना, टिकाऊ जैव ईंधन के इस्तेमाल को बढ़ावा देना, हितधारकों के व्यापक स्पेक्ट्रम की भागीदारी के जरिए मजबूत मानक सेटिंग, बायोफ्यूल मार्केट को मजबूत करना, वैश्विक बायोफ्यूल कारोबार को सुविधाजनक बनाना, तकनीकी सहायता प्रदान करना इत्यादि शामिल हैं।

जैव ईंधन को ऊर्जा के किसी भी स्रोत, जो जैविक सामग्री हो, जैसे कृषि अपशिष्ट, फसल, पेड़ अथवा घास से निकाला जाता है। जैव ईंधन पर्यावरण के अनुकूल ईंधन हैं, जो कम समय में उत्पादित होते हैं और तरल अथवा गैसीय रूप में संग्रहीत किए जाते हैं। जीवाश्म ईंधन के विपरीत, जैव ईंधन प्रकृति में नवीकरणीय, बायोडिग्रेडेबल और टिकाऊ होते हैं। पारंपरिक जीवाश्म ईंधन की तुलना में जैव ईंधन में सल्फर नहीं होता और कार्बन मोनोऑक्साइड तथा विषाक्त उत्सर्जन भी कम होता है। कार्बन के किसी भी स्रोत से जैव ईंधन का उत्पादन किया जा सकता है। चूंकि जैव ईंधन को बायोमास संसाधनों की मदद से बनाया जाता है, इसीलिए इसे पुनः बनाया जा सकता है। एक ओर जहां जीवाश्म ईंधन के जलने से कार्बन उत्सर्जन होता है, वहीं जैव ईंधन न केवल कार्बन उत्सर्जन को कम करते हुए स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करता है, बल्कि कच्चे तेल पर हमारी निर्भरता को कम करने की कुंजी भी है।

पारंपरिक ईंधन का वैकल्पिक संस्करण जैव ईंधन पर्यावरण को बेहतर बनाता है। जैव ईंधन ऊर्जा का नवीकरणीय और जैव निम्नीकरणीय स्रोत होता है, जो नवीकरणीय संसाधनों से बनता है और जीवाश्म डीजल की तुलना में अपेक्षाकृत कम ज्वलनशील है। यह कृषि अपशिष्ट अथवा पेड़-पौधों और फसलों, वनस्पति, पशु अपशिष्ट, शैवाल, औद्योगिक अपशिष्ट इत्यादि किसी भी प्रकार की जैविक सामग्री से उत्पन्न हो सकता है, जिसमें काफी बेहतर चिकनाई वाले गुण होते हैं। एक ओर जहां कोयले अथवा तेल के जलने से वैश्विक तापमान में वृद्धि होती है और ये ईंधन ग्लोबल वार्मिंग का बहुत बड़ा कारण बनते हैं, वहीं जैव ईंधन मानक डीजल की तुलना में कम हानिकारक कार्बन उत्सर्जन का कारण बनता है और ग्रीन हाउस गैसों के प्रभाव को कम करता है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

यह एक सच्चाई है कि फैशन कभी भी सिर्फ कपड़ों के बारे में नहीं रहा है। इसका सफर एक जीवंत, सांस लेने वाली भाषा जैसा है। एक सांस्कृतिक दर्पण की तरह फैशन यह दिखाता है कि हम खुद को कैसे देखते हैं, और हम कैसा दिखना चाहते हैं। बात कुछ ऐसी भी है कि फैशन के जरिए हम दुनिया में किन बातों या मूल्यों को पेश करना चाहते हैं। प्राचीन राजघरानों के चमक-दमक और पंखों वाले लिबासों से लेकर आज के फ्यूजन और डिजिटल तक, फैशन की रंग-बिरंगी यात्रा प्रेम, सौंदर्य, आकर्षण, पहचान और अपनेपन की तमाम कहानियों से भरी पड़ी है।

जैसा पहनोगे, वैसा बनोगे और जियोगे

हम कौन हैं और दुनिया में खुद को क्या दिखाना चाहते

- दरअसल, फैशन और जीवन शैली लंबे समय से आपस में जुड़े हुए हैं। जिस तरह के लोग कपड़े पहनते हैं और जीवन शैली के जो विकल्प चुनते हैं, वह उनके व्यक्तित्व के बारे में बहुत कुछ कहता है, जो उनके मूल्यों, आकांक्षाओं और भावनाओं को दर्शाता है। यह केवल बाहरी दिखावे से कहीं अधिक है, यह एक गहरा संबंध है जो यह बताता है कि हम कौन हैं और दुनिया में खुद को कैसा प्रस्तुत करना चाहते हैं। जैसे एक सदी पहले बाजार, रेस्तरां, गैलरी और किसी के घर जाने के लिए अलग-अलग प्रकार के कपड़े होते थे, जो कठोर सामाजिक बाधाओं को दर्शाते थे। लेकिन आज फैशन ने रचनात्मकता और व्यक्तित्व के एक शक्तिशाली माध्यम में खुद को बदल दिया है। यह पारंपरिक विरासत और अत्याधुनिक तकनीक के प्रभावों का सम्मिश्रण बन गया है। अब यह केवल फिट होने के बारे में नहीं है, बल्कि बाहर खड़े होने और बिना एक शब्द बोले अपने आंतरिक चेहरे को व्यक्त करने के बारे में है।

> फैशन ने बदली लोगों की जीवन शैली: अब पहनावा बन रहा है सोच और पहचान का आईना

हर फैशन कुछ कहता है हर लुक नया दिखता है

- फैशन अब सिर्फ खूबसूरत दिखने या स्टाइल का मामला नहीं रहा है। यह आपकी सोच, सेहत, पर्यावरण और रिश्तों तक को प्रभावित कर रहा है। पुरानी कहावत 'जैसा खाओ अन्न, वैसा बने मन' की तरह आप 'जो पहनते हैं, वही बन जाते हैं' यह बात आने वाले समय में हकीकत बन जाएगी। आज के दौर में फैशन सिर्फ विकसित नहीं हो रहा है, इसे नए सिरे से परिभाषित किया जा रहा है। आर्टिफिशियल इंटीलिजेंस (एआई) के साथ निजी अनुभवों को आकार देने, स्थिरता को अपरिहार्य बनाने और समावेशिता को प्रतीकात्मकता से आगे बढ़ाने के साथ, हम जो पहनते हैं वह सब कुछ अब केवल स्टाइल के बारे में नहीं है, बल्कि हर फैशन कुछ कहता है, हर लुक नया दिखता है।

'वियर योर वैल्यूज' बना लाइफ स्टाइल की क्रांति

एआई के माध्यम से डिजाइन किए गए आउटफिट्स के जरिए अब किसी भी व्यक्ति की सोच, मूड और मूल्यों को व्यक्त करने का काम शुरू हो चुका है। उदाहरण के लिए, एक व्यक्ति जो पर्यावरण के लिए चिंतित है, वह बायोडिग्रेडेबल और रीसायकल कपड़े ही पहनना पसंद करेगा। यह न केवल स्टाइलिश होंगे, बल्कि एक संदेश भी देंगे। वैसे भी फैशन अब केवल कपड़े नहीं, जीवन की सोच, सेहत और समाज का प्रतिबिंब बन चुका है। जिस तरह के आप कपड़े चुनते हैं, वही तय करता है कि आप किस तरह जीते हैं। "वियर योर वैल्यूज" आज के दौर में केवल एक ट्रेंड नहीं, बल्कि लाइफ स्टाइल की क्रांति है।

डिजिटल फैशन के साथ डिजिटल लाइफस्टाइल भी

मेटावर्स वर्चुअल रियल्टी में पहनने के लिए लोग डिजिटल कपड़े खरीदते हैं, जो उनका वर्चुअल अवतार दर्शाते हैं। इससे दुनिया में एक नई तरह की डिजिटल जीवन शैली उभर रही है, जिसमें फैशन लोगों की ऑनलाइन पहचान बनता जा रहा है।

डॉ. क्षमा त्रिपाठी प्रोफेसर डीजीपीजी कॉलेज, कानपुर

जैकेट बताएगी आप थक गए हैं थोड़ा आराम कर लें

दुनिया भर में जीवन शैली को हेल्थ आधारित बनाने की होड़ लगी है। ऐसे में जल्दी ही अब फैशन भी यह संदेश देता नजर आएगा कि अमुक परिधान पहनिए और हेल्दी रहिए। ऐसी जैकेट्स आने वाली हैं, जो बताएंगी 'अब बहुत हुआ काम थोड़ा आराम कर लो।' ऐसे पहनावे पर जोर रहेगा जो आपकी फिटनेस और माइंड फुलनेस दोनों सुधारेंगे।

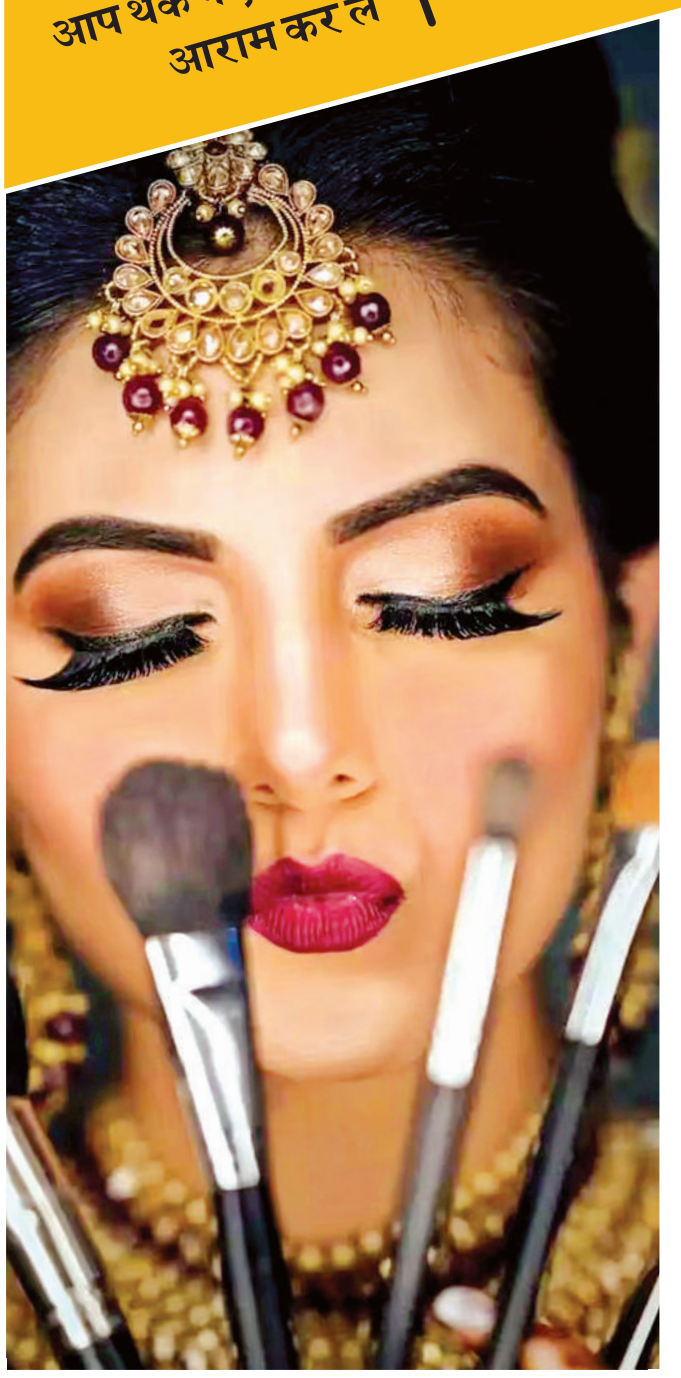

मेकअप हुआ पुराना मेकओवर का जमाना

बीते दो दशक में शादी समारोह की साज-सज्जा और पहनावे में जिस तेजी से बदलाव आया है, उसी तरह महिलाओं के मेकअप में भी बदलाव आया है। पहले दुल्हन बनने के लिए युवतियां चमक-धमक भरे मेकअप को तवज्जो देती थीं, लेकिन अब उन्हें न्यूड मेकअप यानि नेचुरल लुक ज्यादा भा रहा है। पहले सुंदरका दिखाने के लिए मेकअप होता था, अब सौंदर्य निखारने के लिए मेकओवर हो रहा है। पहले के मुकाबले युवतियां अब त्वचा की अधिक केयर कर रही हैं, ताकि केवल शादी या समारोह में ही नहीं, हर मौके पर त्वचा सुंदर दिखे। शादी से छह माह पहले ही प्री-वेडिंग फेशियल इसीलिए शुरू कर देती हैं। बीस साल पहले दुल्हन पर कई तरह के प्रयोग किए जाते थे, चेहरे पर अत्याधिक रंगों का इस्तेमाल किया जाता था। जितना भारी लहंगा होता था, मेकअप भी उसी तरह किया जाता था। लेकिन अब भारी लहंगे पर भी नेचुरल मेकअप का जोर है। त्वचा पर विशेष ध्यान दिए जाने के कारण अब पार्लर जाना मेकअप नहीं मेकओवर कहलाता है।

गजरा गायब, अब चलन में आर्टिफिशियल फूल

- फिल्मी सितारों की शादी में अत्यधिक हल्के मेकअप का इस्तेमाल नजर आने के बाद सॉफ्ट मेकअप का दौर चल पड़ा है। युवतियां मेकअप, कपड़ों और गहनों में हल्केपन को प्राथमिकता देने लगी हैं। पहले मेकअप का अभिन्न अंग गजरा आज गायब हो चुका है। इसकी जगह आर्टिफिशियल फूल चलन में हैं। ये लगाने में आसान हैं, कम पिनों का इस्तेमाल होता है। पहले मांग टीका चलता था, अब शीशपट्टी चलती है।

स्किन केयर के लिए हर्बल प्रोडक्ट की मांग ज्यादा

स्किन केयर के लिए हर्बल प्रोडक्ट बेहतर रहते हैं, हालांकि मेकअप में हर्बल प्रोडक्ट लंबा नहीं टिकते विशेषज्ञ बताते हैं मेकअप के प्रोडक्ट से अधिक जरूरी है क्रियेटिविटी होना।

> फिल्मी सितारों के ट्रेंड बदलने से लोगों की पसंद भी बदल गयी है। महिलाएं मेकअप, ज्वेलरी और कपड़े सब हल्का पसंद कर रही हैं।
>
> -हर्ष, मेकअप आर्टिस्ट

> पहले मेकअप में काफी प्रयोग होते थे, अब ग्राहक के ऊपर क्या अच्छा लगेगा, इसका विशेष ध्यान रखा जाता है।
>
> -रिचा, मेकअप आर्टिस्ट

> पहले उत्पादों की ज्यादा जानकारी नहीं थी। केवल सुंदर दिखाने की कोशिश होती थी, अब सौंदर्य निखारना प्राथमिकता रहती है।
>
> -नेहा, मेकअप आर्टिस्ट

लेखिका
शब्या सिंह तोमर, बरेली

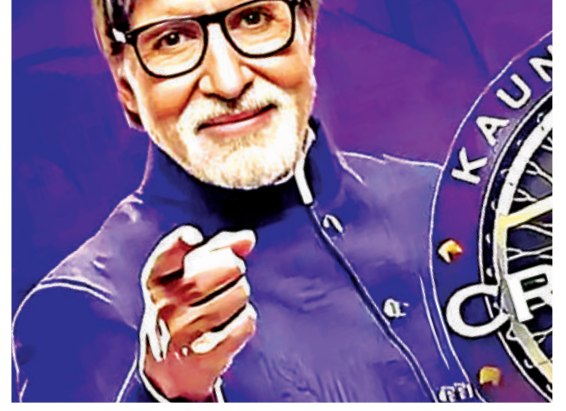

'जहां अकल है, वहां अकड़ है' 'केबीसी' - 17 की पंच लाइन

महानायक अमिताभ बच्चन 11 अगस्त से रात 9 बजे, सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव पर 'कौन बनेगा करोड़पति' का 17वां सीजन लेकर आएंगे। इस बार 'केबीसी' शो की टैगलाइन है, 'जहां अकल है वहां अकड़ है'। सीजन-16 की टैग लाइन 'जिंदगी है, हर मोड़ पर सवाल पूछेगी, जवाब तो देना होगा' थी। सीजन 17 के साथ शो के 25 साल पूरे होने के मौके पर अमिताभ ने खास नया तोहफा भी पेश किया है। उन्होंने अपने ब्लॉग में लिखा है कि ' मैं इस नए सफर को लेकर उत्साहित हूं और साथ ही घबराया हुआ भी हूं। काम शुरू... सुबह जल्दी उठना, जल्दी काम शुरू... केबीसी के नए सीजन का पहला दिन... हमेशा की तरह घबराहट और कांपते हुए।

रहस्य, रोमांच और भय की सिहरन से भरी है 'वेपन्स'

हॉलीवुड की मिस्ट्री हॉरर फिल्म 'वेपन्स' इसी हफ्ते रिलीज होगी। इसमें एक छोटे से कस्बे की कहानी है, जो एक खौफनाक रहस्य से थर्रा उठता है। 17 बच्चे रात में अचानक नींद से जाग उठते हैं। वे घर छोड़कर भाग जाते हैं, और फिर कभी नजर नहीं आते। उन्हें किसी अदृश्य शक्ति द्वारा अपहृत कर लिया जाता है। सबका शक टीचर जस्टिन गैंडी (जूलिया गार्नर) की तरफ जाता है, क्योंकि सभी बच्चे उनकी ही कक्षा के होते हैं। जब पूरा शहर उस टीचर के खिलाफ हो जाता है, तो वह आर्चर ग्राफ (जोश ब्रोलिन) से हाथ मिला लेती है, जो एक हताश पिता है। इसके बाद फिल्म फिल्म खौफ और रोमांच का जाल बुनती है। फिल्म का लेखन, निर्माण और निर्देशन जैक क्रेगर ने किया है। फिल्म में कैरी क्रिस्टोफर, एल्डेन एहरनेरिच, ऑस्टिन अब्राम्स, बेनेडिक्ट वोंग ने अभिनय किया है।

संचार साथी एप 6 महीने मे 50 लाख बार किया गया डाउनलोड

नई दिल्ली। दूरसंचार सुरक्षा बढ़ाने और आम लोगों को सशक्त करने के उद्देश्य से जनवरी में जारी संचार साथी एप को 50 लाख से अधिक बार डाउनलोड किया गया है। दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने देश की व्यापक भाषाई और क्षेत्रीय विविधता को ध्यान में रखते हुए अंग्रेजी, हिंदी और 21 क्षेत्रीय भाषाओं को सपोर्ट करके एप की पहुंच का विस्तार किया है। इस एप ने धोखाधड़ी वाले कॉल और संदेशों की रिपोर्टिंग को और आसान बना दिया है।

अमृत विचार

बरेली, रविवार, 10 अगस्त 2025

www.amritvichar.com

कारोबार

बिजनेस ब्रीफ

एनबीसीसी का लाभ बढ़कर 135 करोड़ पर

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड ने बताया कि बेहतर आय से चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 26 प्रतिशत बढ़कर 135 .03 करोड़ रुपये हो गया। एक साल पहले इसी अवधि में यह आंकड़ा 107 .19 करोड़ रुपये था। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-जून तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 2,465 .48 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 2,196 .20 करोड़ रुपये थी। एनबीसीसी लिमिटेड परियोजना प्रबंधन परामर्श (पीएमसी) और रियल एस्टेट व्यवसायों में सक्रिय है।

लॉजिस्टिक्स पार्क को डेवलपर का चयन जल्द

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश सरकार ग्रेटर नोएडा में 174 एकड़ में फैले मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक पार्क की स्थापना के लिए जल्द ही डेवलपर का चयन करेगी। ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने हाल ही में इस परियोजना के लिए बोलियां आमंत्रित की हैं। इसका मकसद 1,200 करोड़ से अधिक का निवेश आकर्षित करना, 5,000 नौकरियां पैदा करना और माल ढुलाई में तेजी लाना है। अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड, सुपर हैंडलर्स और एम्पेजार लॉजिस्टिक्स ने अपनी बोलियां सौंप दी हैं। एक उच्चस्तरीय समिति उनके प्रस्तावों पर विचार करेगी और उसके बाद निर्णय लेगी।

प्रेस्टीज ने 102 एकड़ भूमि का किया अधिग्रहण

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स लि. ने आवास परियोजनाओं के निर्माण के लिए चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 102 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया है, जिससे कंपनी को से 20,000 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई होने की संभावना है। बेंगलुरु की कंपनी ने जमीन खरीदने के साथ भू-स्वामियों से साझेदारी भी की है, ताकि अपने आवासीय कारोबार का विस्तार किया जा सके। कंपनी के अनुसार, बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई और मुंबई में कुल 102 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया।

निर्यात संवर्धन मिशन जल्द होगा शुरू

2,250 करोड़ के निर्यात को लेकर सहायता उपायों की घोषणा कर सकती है सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार जल्द ही 2,250 करोड़ रुपये के निर्यात संवर्धन मिशन के तहत सहायता उपायों की घोषणा कर सकती है, ताकि उद्योग को ट्रंप टैरिफ से पैदा हुईं वैश्विक व्यापार अनिश्चितताओं से बचाया जा सके।

एक अधिकारी ने बताया कि हम यह पता लगाने के लिए निर्यातकों के साथ बात कर रहे हैं कि उन्हें कारोबारी सुगमता जैसे विभिन्न तरीकों से कैसे सबसे अच्छी तरह मदद दी जा सकती है। हम इस बात पर विचार कर रहे हैं कि घरेलू खपत को कैसे बढ़ावा दिया जाए। हम नई आपूर्ति शृंखलाओं, नए बाजारों और नए उत्पादों पर विचार कर रहे हैं। इस मिशन में छोटे और मझोले उद्योगों और ई-कॉमर्स निर्यातकों के लिए आसान ऋण योजनाएं, विदेश में गोदाम की सुविधा और उभरते निर्यात अवसरों का लाभ उठाने के लिए वैश्विक ब्रांडिंग पहल जैसे उपाय शामिल हो सकते हैं। सरकार ने एक फरवरी को 2,250 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ इस मिशन की घोषणा की थी। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) 30 अप्रैल को निर्यात संवर्धन परिषदों के प्रतिनिधियों और अन्य प्रमुख हितधारकों के समक्ष इस मिशन पर एक प्रस्तुति दे चुका है। उद्योग अधिकारियों के अनुसार इस मिशन को दो व्यापक श्रेणियों में विभाजित किया गया है - व्यापार वित्त सहायता प्रदान करना (निर्यात प्रोत्साहन) और अंतर्राष्ट्रीय समग्र बाजार पहुंच को बढ़ावा देना (निर्यात दिशा) पहल।

भारत, ओमान में जल्द मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर की संभावना

नई दिल्ली। भारत और ओमान के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते पर जल्द ही हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी के अनुसार, व्यापार समझौते के मसौदे का ओमान में अरबी भाषा में अनुवाद किया जा रहा है, जिसके बाद, दोनों देशों की मंत्रिपरिषद द्वारा समझौते को मंजूरी दी जाएगी। अधिकारी ने कहा, "दोनों देशों ने सैद्धांतिक रूप से समझौते के पूरा होने और उस पर हस्ताक्षर करने की घोषणा एक साथ करने का फैसला किया है।" जब उनसे पूछा गया कि क्या इसमें दो से तीन महीने लगेंगे तो अधिकारी ने कहा, "इससे भी बहुत कम समय लगेगा।" इस समझौते के लिए वार्ता औपचारिक रूप से नवंबर 2023 में शुरू हुई थी।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी और लॉजिस्टिक लागत में कमी लाने पर भी सरकार का ध्यान

सरकार निर्यात संवर्धन मिशन के तहत डिजिटल व्यापार प्लेटफॉर्म को सशक्त बनाने, उत्पाद गुणवत्ता मानकों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने और लॉजिस्टिक लागत में कमी लाने पर भी ध्यान दे सकती है। इसके लिए पोर्ट कनेक्टिविटी में सुधार, कस्टम क्लियरेंस की प्रक्रिया को और तेज व पारदर्शी बनाना तथा निर्यातकों को वैश्विक व्यापार नियमों और अवसरों पर प्रशिक्षण देना शामिल हो सकता है। साथ ही, नए उत्पादों के अनुसंधान एवं विकास को प्रोत्साहन देकर भारत की प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त सुनिश्चित की जाएगी, जिससे निर्यातकों को नए बाजारों में प्रवेश और ब्रांड वैल्यू बढ़ाने में मदद मिलेगी।

बचत खाते की न्यूनतम राशि

नियम, कारण और बदलाव

बचत खाते में न्यूनतम राशि वह बैलेंस है जो ग्राहक को खाते में रखना होता है। यह सीमा रिज़र्व बैंक तय नहीं करती, बल्कि हर बैंक अपनी नीति के अनुसार तय करती है। परिचालन लागत, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर व आर्थिक परिस्थितियों पर बैंक इसे बदल सकते हैं। हाल ही में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने बड़ी राहत देते हुए न्यूनतम बैलेंस को समाप्त किया है, जिससे ग्राहकों को पेनल्टी से छुटकारा मिला है। वहीं, निजी बैंक राशि की सीमा रखते हैं और इसे बढ़ा भी चुके हैं।

नियम और कानून

- **आरबीआई :** न्यूनतम बैलेंस पर अनिवार्य सीमा नहीं; निर्णय बैंक का।
- **बैंक का अधिकार :** अपनी नीति के अनुसार सीमा तय करना।
- **पारदर्शिता नियम :** बदलाव से पहले लिखित/डिजिटल सूचना देना अनिवार्य।
- **पेनल्टी :** न्यूनतम सीमा से कम बैलेंस होने पर शुल्क वसूला जा सकता है।

राशि बढ़ाने के कारण

- **परिचालन लागत में वृद्धि :** शाखा, स्टाफ, मेंटेनेंस का खर्च।
- **डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर निवेश :** नेटबैंकिंग, मोबाइल ऐप, साइबर सुरक्षा।
- **मुद्रास्फीति :** रुपये की क्रय शक्ति में गिरावट आती है।
- **ग्राहक सेगमेंट बदलाव :** प्रीमियम सेवाओं के लिए बैलेंस की मांग।

ग्राहकों पर असर

- **लाभ :** बेहतर सेवाएं और सुविधाएं। लोन प्रोसेसिंग, बीमा, वेल्थ मैनेजमेंट में प्राथमिकता। बैंक की वित्तीय स्थिरता से जमा की सुरक्षा।
- **हानि :** न्यूनतम राशि न रखने पर पेनल्टी। ग्रामीण/कम आय वर्ग को असुविधा। नकदी तरलता में कमी।

बैंकों पर असर

- **लाभ :** अधिक पूंजी उपलब्धता। परिचालन लागत वसूली। लाभदायक ग्राहक प्रोफाइल।
- **हानि :** ग्राहक पलायन, सेवा सुधार न होने पर नकारात्मक छवि।

सार्वजनिक और निजी बैंक

बैंक प्रकार	न्यूनतम बैलेंस नीति	बढ़ोतरी (%)
सार्वजनिक बैंक	आवश्यकता हटाई	नील
निजी बैंक	एमएबी बढ़ाया	मेट्रो : 400%, ग्रामीण : 500%

सार्वजनिक बनाम निजी बैंक के न्यूनतम बैलेंस को लेकर मानक

सार्वजनिक बैंक : पीएम जन-धन योजना में शून्य बैलेंस खाता; एसबीआई ने 2020 में सभी खातों के लिए न्यूनतम बैलेंस हटा दिया। केनरा बैंक ने मई 2025 में सभी बचत खातों से औसत शेष राशि की आवश्यकता समाप्त कर दी। अधिकांश पीएसबी में अब कोई पेनल्टी नहीं। **निजी बैंक :** उदाहरण के लिए आईसीआईसीआई बैंक ने नए खातों के लिए एमएबी मेट्रो क्षेत्रों में 400% और ग्रामीण में 500% बढ़ाया।

कृषि नीति को नैतिक अवधारणा की ओर बढ़ना चाहिए : कृषि सचिव

नई दिल्ली, एजेंसी

- **बोले- खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण स्थिरता के बीच संतुलन बनाना चाहता है भारत**

केंद्रीय कृषि सचिव देवेश चतुर्वेदी ने शनिवार को देश की कृषि नीति में विशुद्ध उपयोगितावादी की जगह नैतिक सिद्धांतों पर आधारित दृष्टिकोण अपना कर भारत खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण स्थिरता के बीच संतुलन बनाना चाहता है।

एमएस स्वामीनाथन शताब्दी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन सत्र में चतुर्वेदी ने कहा कि भारत की हरित क्रांति उपयोगिता-केंद्रित तरीकों से प्रेरित थी, जिसमें पर्यावरण चिंताओं के स्थान पर उत्पादन को प्राथमिकता दी गई थी। जैसे-जैसे हम हरित क्रांति में आगे बढ़े, हम उपयोगितावादी अवधारणा के साथ आगे बढ़े। अब हमें उपयोगितावादी से नैतिक अवधारणा की ओर जाना होगा। चतुर्वेदी ने यह बात, उन नैतिक ढाँचों का उल्लेख करते हुए कहा जो कार्यों का मूल्यांकन केवल उनके परिणामों के बजाय नैतिक नियमों के आधार पर करते हैं। कृषि सचिव ने मौजूदा कृषि पद्धतियों पर सवाल उठाते हुए पूछा कि क्या देश उत्पादन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अत्यधिक कीटनाशकों, सिंचाई और भूमिगत जल का उपयोग कर रहा है। उन्होंने ज़ोर दिया कि नीतिगत बदलावों से ऐसी सतत उत्पादन पद्धतियां सुनिश्चित होनी चाहिए जो उत्पादकता के स्तर को बनाए रखते हुए पर्यावरण की रक्षा करें। नीतिगत पहलुओं में सुनिश्चित करना होगा कि हम उपयोगितावादी में बदलाव लाएं ताकि उच्च उत्पादन व उत्पादकता के लिए ऐसी पद्धतियां अपनाएं जो न केवल सतत उत्पादन और आजीविका सुनिश्चित करें बल्कि पर्यावरण की भी रक्षा करें।

सेबी ने म्यूचुअल फंड वितरकों के लिए लेनदेन शुल्क किया समाप्त

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने म्यूचुअल फंड वितरकों को दिए जाने वाले लेनदेन शुल्क को समाप्त कर दिया है। इसके साथ ही वह प्रावधान भी खत्म हो गया है, जिसके तहत संपत्ति प्रबंधन कंपनियां(एएमसी) एक तय सीमा से ऊपर के निवेश पर यह शुल्क देती थीं। सेबी ने कहा कि यह निर्णय मई 2023 में सार्वजनिक परामर्श और इस वर्ष जून में उद्योग परामर्श के बाद लिया गया। पहले के नियमों के तहत, सेबी ने कहा था कि यदि वितरक किसी निवेशक से न्यूनतम 10,000 रुपये की सदस्यता राशि म्यूचुअल फंड में लाते हैं, तो वे ऐसे लेनदेन शुल्क पाने के पात्र होंगे।

रक्षाबंधन पर हुआ 17 हजार करोड़ का कारोबार: कैट

नई दिल्ली, एजेंसी

- **चार हजार करोड़ रुपये की मिठाइयां, ड्राई फ्रूट, फल एवं अन्य अनेक प्रकार के उपहारों की हुई बिक्री**

रक्षाबंधन पर देश भर में 17 हजार करोड़ का कारोबार हुआ। खास बात यह रही कि बाजार में चीन के सामान नहीं दिख रहे थे।

अखिल भारतीय व्यापारी महासंघ (कैट) के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रवीण खंडेलवाल ने बताया कि शनिवार को रक्षाबंधन पर देश भर में 17 हजार करोड़ का कारोबार हुआ। इसमें लगभग चार हजार करोड़ रुपये की मिठाइयां, ड्राई फ्रूट, फल एवं अन्य अनेक प्रकार के उपहार का भी व्यापार हुआ। उन्होंने कहा कि यह सारा व्यापार भारतीय वस्तुओं का ही हुआ और चीन के सामान को लेकर ग्राहक उत्साहित नजर नहीं आए वहीं, बाजार में में वह कम ही थे।

कैट शुरू करेगा अभियान

खंडेलवाल ने बताया कि कैट के नेतृत्व में देश के सभी राज्यों के व्यापारी संगठन रविवार, 10 अगस्त से देश भर में स्वदेशी वस्तुएं ही बेचने एवं खरीदने के लिए भारतीय सामान-हमारा स्वाभिमान राष्ट्रीय अभियान शुरू कर रहे हैं। साथ ही 15 अगस्त तक देश भर में तिरंगा उत्सव भी मनाएंगे, जिसके अंतर्गत दुकानों पर तिरंगे झंडे लगाए जाएंगे और बाजारों में तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी।

राष्ट्रीय

पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर किया लाठीचार्ज

आरजी कर मामला : पहली बरसी पर बंगाल सचिवालय नबान्न तक निकाले गए मार्च में हुई झड़प

कोलकाता, एजेंसी

कोलकाता में प्रशिक्षु डॉक्टर से दुष्कर्म-हत्या की बरसी पर निकाले मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों पर लाठी भांजती पुलिस। एजेंसी

कोलकाता के सरकारी आरजी कर अस्पताल में एक महिला चिकित्सक से कथित तौर पर दुष्कर्म और फिर उसकी हत्या की घटना की पहली बरसी पर शनिवार को पश्चिम बंगाल सचिवालय 'नबान्न' तक मार्च के दौरान मध्य कोलकाता के पार्क स्ट्रीट चौराहे पर पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया।

रानी रश्मोनी रोड सभा स्थल से आगे न बढ़ने की पुलिस की चेतावनी को नजरअंदाज करने के बाद विद्यासागर सेतु की ओर बढ़ने की कोशिश में प्रदर्शनकारियों ने अवरोधक को पार करने की कोशिश की जिसके बाद तनाव फैल गया। विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने भाजपा नेता अग्निमित्रा पॉल और अन्य विधायकों के साथ 'पार्क स्ट्रीट जेएल नेहरू रोड क्रॉसिंग' पर धरना दिया। आरोप है कि पुलिस कार्रवाई में अधिकारी और भाजपा के अन्य नेताओं सहित 100 से अधिक प्रदर्शनकारी घायल हुए हैं। अधिकारी ने यह भी दावा किया कि लाठीचार्ज के दौरान आरजी कर पीड़िता के माता-पिता घायल हो गए। अधिकारी ने चेताया, ममता बनर्जी को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। यह विरोध आगे और भी बड़ा होने वाला है। प्रदर्शनकारियों का समूह शनिवार को हावड़ा जिले के सांतरागाछी पहुंचा और वहां पुलिस के अवरोधक को पार करने का प्रयास किया। नबान्न चलो अभियान के तहत प्रदर्शनकारियों ने मृत चिकित्सक के लिए न्याय की मांग की और पुलिस अवरोधक के बावजूद राज्य सचिवालय तक पहुंचने का संकल्प व्यक्त किया। एक प्रदर्शनकारी को यह कहते सुना गया, पुलिस हम पर गोली चला सकती है, लेकिन हम नबान्न पहुंचने के लिए दृढ़ हैं, जहां राज्य सरकार को जवाब देना होगा कि एक साल बाद भी अभया (पीड़िता का प्रतीकात्मक नाम) को न्याय क्यों नहीं मिला। पुलिस प्रदर्शनकारियों को कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश का पालन करने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने की अपील कर रही थी, लेकिन प्रदर्शनकारी 10 फुट ऊंचे अवरोधक पार करने की कोशिश करते दिखे। कुछ प्रदर्शनकारियों को अवरोधकों को तोड़ने और उसे पार करने के लिए भारी औजारों का इस्तेमाल करते भी देखा गया। प्रदर्शनकारियों ने तिरंगे के अलावा महिला चिकित्सक के लिए न्याय और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग वाले पोस्टर और बैनर लिये हुए थे।

पुलिस ने बिना उकसावे के मेरे साथ बदसलूकी की, मेरी चूड़ियां तोड़ीं : पीड़िता की मां

कोलकाता। आरजी कर अस्पताल की पीड़िता की मां ने शनिवार को आरोप लगाया कि बंगाल राज्य सचिवालय नबान्न तक मार्च में शामिल होने के लिए जाते समय महिला पुलिसकर्मियों ने उनसे दुर्व्यवहार किया। यह मार्च सरकारी अस्पताल में उनकी बेटी की कथित दुष्कर्म के बाद हत्या के एक साल पूरे होने पर बुलाया गया था। पीड़िता की मां ने दावा किया कि हाथापाई में उनका शंख (पारंपरिक शंख चूड़ी) टूट गया और उनके सिर में चोट पहुंची। वे हमें इस तरह क्यों रोक रहे हैं? हम तो बस 'नबान्न' पहुंचना चाहते हैं और अपनी बेटी के लिए न्याय मांगना चाहते हैं। रैली में शामिल लोगों ने महिलाओं की सुरक्षा में विफल रहने के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग की। मृतक चिकित्सक के पिता ने आरोप लगाया कि शांतिपूर्ण रैली के लिए अदालत की अनुमति के बावजूद पुलिस ने परिवार को मार्च में शामिल होने के लिए डोरीना क्रॉसिंग तक पहुंचने से रोकने की कोशिश की।

संस्कृत को लोकप्रिय बनाने के लिए किए अनेक प्रयास : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

ब्रह्माकुमारी सदस्यों ने मोदी को बांधा रक्षासूत्र

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को अपने आवास पर रक्षाबंधन मनाया, जहां स्कूली बच्चों और आध्यात्मिक संगठन 'ब्रह्माकुमारी' की सदस्यों ने उनकी कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा। यह त्योहार भाई-बहन के पारंपरिक बंधन का उत्सव है। मोदी ने इस उत्सव की वीडियो क्लिप साझा की, जिसमें युवा छात्राओं के समूह ने अपनी खुशी और भावनाओं को व्यक्त किया है। एक छात्रा ने उन्हें योद्धा और रक्षक कहकर सराहा, तो कुछ ने 'ऑपरेशन सिंदूर' का जिक्र किया। एक स्कूली छात्रा ने कहा कि वह मोदी अंकल के लिए मोर वाली राखी लाई है, जबकि एक अन्य ने उनकी तरह प्रधानमंत्री बनने की इच्छा जताई। प्रधानमंत्री ने छात्रा की प्रशंसा की, जिसने कई सरकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए उन्हें एक कविता में शामिल किया था। मोदी ने 'एक्स' पर वीडियो क्लिप पोस्ट करते हुए उन्होंने कहा, आज रक्षाबंधन के एक बेहद खास उत्सव की झलकियां यहां प्रस्तुत हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को विश्व संस्कृत दिवस पर अपने संदेश में कहा कि उनकी सरकार ने पिछले एक दशक में इस प्राचीन भाषा को लोकप्रिय बनाने के लिए अनेक प्रयास किए हैं। उन्होंने कहा कि संस्कृत ज्ञान और अभिव्यक्ति का एक शाश्वत स्रोत है तथा इसका प्रभाव हर क्षेत्र में देखा जा सकता है।

मोदी ने कहा कि यह इस भाषा को सीखने और इसे लोकप्रिय बनाने के लिए प्रयासरत सभी लोगों के प्रयासों की सराहना करने का अवसर है। यह दिवस प्रतिवर्ष 'श्रावण पूर्णिमा' के अवसर पर मनाया जाता है। प्रधानमंत्री ने इस संबंध में अपनी सरकार द्वारा उठाए गए कदमों को सामने रखते हुए केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की स्थापना, संस्कृत शिक्षण केंद्रों की स्थापना, इस भाषा के विद्वानों को अनुदान देने और प्राचीन संस्कृत पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण के लिए एक मिशन की शुरुआत जैसे विभिन्न उपायों का हवाला दिया।

उन्होंने कहा कि इससे अनगिनत विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं को लाभ हुआ है। हिंदू महाकाव्यों समेत कई प्रभावशाली प्राचीन पुस्तकें संस्कृत में लिखी गई हैं। लेकिन संस्कृत अब ऐसी भाषा बनकर रह गई है जो बड़े पैमाने पर धार्मिक कार्यों में ही सीमित हो गई है।

ईसी ने नियमों के उल्लंघन पर 334 दलों को सूची से हटाया

नई दिल्ली, एजेंसी

- **नियमों के उल्लंघन पर आयोग ने की पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त दलों पर की कार्रवाई**

निर्वाचन आयोग (ईसी) ने शनिवार को कहा कि उसने 334 पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को सूची से हटा दिया है, जो 2019 से छह साल तक एक भी चुनाव लड़ने की आवश्यक शर्त को पूरा करने में विफल रहे हैं। इन दलों के कार्यालय भी कहीं नहीं मिले।

निर्वाचन आयोग ने कहा कि ये 334 पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल (आरयूपीपी) देश भर के कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से हैं। इस कवायद के बाद कुल 2,854 पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों में से अब 2,520 ही बचे हैं। वर्तमान में, छह राष्ट्रीय दल और 67 राज्य स्तरीय दल हैं। इस साल जून में निर्वाचन आयोग ने 345 ऐसे दलों के खिलाफ कार्यवाही शुरू की थी और अंततः 334 को सूची से हटा दिया। अधिकारियों ने बताया कि 2001 से अब तक, निर्वाचन आयोग निष्क्रिय आरयूपीपी को तीन से चार बार हटा चुका है। शीर्ष अदालत ने पहले यह कहते हुए निर्वाचन आयोग को राजनीतिक दलों की मान्यता रद्द करने से रोक दिया था कि यह कानून के तहत निर्धारित नहीं है। निर्वाचन आयोग ने राजनीतिक दलों को सूची से हटाने का तरीका खोज लिया है।

'लापता लेडीज' के बारे में सुना है, लापता उपराष्ट्रपति के बारे में नहीं : सिब्बल

नई दिल्ली, एजेंसी

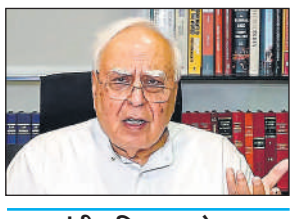

- **गृह मंत्री अमित शाह से धनखड़ को लेकर चिंताओं को दूर करने का किया आग्रह**

पूर्व कानून मंत्री और राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की मौजूदगी को लेकर सवाल उठाते हुए शनिवार को कहा कि उन्होंने फिल्म 'लापता लेडीज' के बारे में सुना है, लेकिन 'लापता उपराष्ट्रपति' के बारे में कभी नहीं सुना। सिब्बल ने गृह मंत्री अमित शाह से धनखड़ के स्वास्थ्य और कुशलक्षेम को लेकर चिंताओं को दूर करने के लिए उनकी स्थिति और वह कहां है इस संबंध में बयान देने का आग्रह किया।

धनखड़ ने संसद के मानसून सत्र के पहले दिन 21 जुलाई को स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए अचानक उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया। हालांकि, विपक्षी नेताओं ने दावा किया कि उन्हें इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया गया। सिब्बल ने कहा कि 22 जुलाई को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने इस्तीफा दे दिया। उस दिन से हमें नहीं पता कि वह कहां हैं। वह अपने आधिकारिक आवास में नहीं हैं। पहले दिन मैंने उनसे संपर्क करने की कोशिश की और उनके निजी सचिव ने फोन उठाया और कहा कि वह आराम कर रहे हैं।

राज्यसभा सदस्य ने कहा कि कई राजनीतिक सहयोगी भी धनखड़ से संपर्क नहीं कर पाए हैं। सिब्बल ने कहा, मैंने 'लापता लेडीज़' के बारे में तो सुना है, लेकिन 'लापता उपराष्ट्रपति' के बारे में कभी नहीं सुना। सिब्बल ने कहा कि धनखड़ उपराष्ट्रपति थे और उन्होंने पूरे कार्यकाल में सरकार का समर्थन किया, लेकिन अब लगता है कि विपक्ष को उनका बचाव करना होगा।

दो मालगाड़ियां पटरी से उतरीं, ट्रेन सेवाएं प्रभावित

जमशेदपुर। झारखंड के सरायकेला-खरसावां जिले में चांडिल के पास शनिवार तड़के दो मालगाड़ियों के 20 से अधिक डिब्बे पटरी से उतर गए, जिससे दक्षिण पूर्व रेलवे के चांडिल-टाटानगर खंड के बीच ट्रेन सेवाएं प्रभावित हुईं।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक (आद्रा मंडल) विकास कुमार ने बताया कि मालगाड़ी के पटरी से उतरने से चांडिल के आसपास ट्रेन सेवाएं प्रभावित हुईं। ट्रेन सेवा बहाल करने का काम जारी है और विस्तृत विवरण की प्रतीक्षा है। कई रेलगाड़ियों का या तो मार्ग बदल दिया गया है या उन्हें बीच में ही रोक दिया गया है या रद्द कर दिया गया है।

ऑपरेशन सिंदूर भारत की आत्मनिर्भरता का प्रमाण

पुणे, एजेंसी

- **डीआरडीओ अध्यक्ष ने कहा- भारत में स्वदेशी प्रौद्योगिकी से सीमाओं की रक्षा करने की क्षमता**

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) अध्यक्ष समीर कामत ने शनिवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर आत्मनिर्भरता, रणनीतिक दूरदर्शिता व स्वदेशी प्रौद्योगिकी क्षेत्र में भारत की ताकत को दर्शाता है। कामत ने डिफेंस इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड टेक्नोलॉजी (डीआईएटी) के 14वें दीक्षांत समारोह को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि पश्चिमी सीमाओं पर अत्यंत समन्वित एवं बहुआयामी अभियान ने न केवल सैनिकों के साहस को प्रदर्शित किया, बल्कि उस प्रौद्योगिकी को भी रेखांकित किया, जिसने उनका समर्थन किया। ऑपरेशन सिंदूर मिशन से कहीं अधिक था और यह आत्मनिर्भरता, रणनीतिक दूरदर्शिता व स्वदेशी प्रौद्योगिकी में भारत की ताकत को प्रदर्शित करता है। ये अभियान दुनिया को संदेश था कि भारत में स्वदेशी प्रौद्योगिकी से सीमाओं की रक्षा करने की क्षमता है। सेंसर, ड्रोन व सुरक्षित संचार से लेकर एआई आधारित निर्णय लेने में सहायक प्रणाली और सटीक हथियारों तक, स्वदेशी संसाधनों ने अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

रक्षा का वचन

रक्षा बंधन के अवसर पर शनिवार को अमृतसर जिले के अटारी-वाघा बॉर्डर पर सीमा सुरक्षा बल के जवानों को राखी बांधतीं युवतियां। एजेंसी

अशफाक-बिस्मिल के भाईचारे की बेमिसाल कहानी

लखनऊ। आजादी की लड़ाई की एक ऐतिहासिक घटना काकोरी ट्रेन एक्शन के नायक पंडित राम प्रसाद बिस्मिल और अशफाक उल्लाह खान एक ही जगह हवन करते और नमाज पढ़ते थे और एक ही थाली में खाना खाते थे। वे हमेशा एक दूसरे के साथ खड़े रहते थे।

अशफाक और बिस्मिल की सौहार्द व भाईचारे की यह क्रांतिकारी कहानी मिसाल के तौर पर याद की जाती है। नौ अगस्त, 1925 को हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (एचआरए) के क्रांतिकारियों बिस्मिल, अशफाक उल्लाह खान, ठाकुर रोशन सिंह और राजेंद्र नाथ लाहिड़ी ने लखनऊ जिले के काकोरी रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन को रोककर गार्ड के केबिन से ब्रिटिश खजाने को लूट लिया था। ब्रिटिश सरकार ने इस योजना को अंजाम देने के लिए चारों को 19 दिसंबर, 1927 को फांसी दे दी थी। अशफाक उल्लाह खान के बड़े भाई रियासत

● एक ही जगह हवन करते और नमाज पढ़ते थे और एक ही थाली में खाना खाते थे दोनों

उल्लाह खान के पोते अफाक उल्लाह खान (55) बताते हैं कि उन दिनों, जब बिस्मिल शाहजहांपुर के आर्य समाज मंदिर में हवन करते थे, अशफाक उल्लाह साहब उसी स्थान पर नमाज पढ़ते थे।

उन्होंने याद किया कि वे दोनों न केवल एक ही थाली में खाना खाते थे, बल्कि हर समय एक-दूसरे के साथ खड़े भी रहते थे। अफाक उल्लाह बताते हैं कि काकोरी ट्रेन एक्शन से कुछ महीने पहले, शाहजहांपुर में आर्य समाज मंदिर पर भीड़ के धावा बोलने के बाद सांप्रदायिक दंगा हुआ था। तब अशफाक उल्लाह साहब भीड़ का सामना करने वाले पहले व्यक्ति थे। अशफाक साहब ने बवाल करने वालों को दूर रहने की चेतावनी दी थी और कहा था कि अगर ऐसा न

हुआ तो वह गोली चलाने से नहीं हिचकिचाएंगे। संस्कृति मंत्रालय की एक पहल भारतीय संस्कृति पोर्टल के अनुसार अशफाक उल्लाह 1920 में बिस्मिल से मिले और 1927 में उनकी मृत्यु तक उनकी दोस्ती बनी रही।

अशफाक उल्लाह और बिस्मिल ने असहयोग आंदोलन के लिए साथ मिलकर काम किया, स्वराज पार्टी के लिए प्रचार किया और 1924 में सचिंद्र नाथ सान्याल, जोगेशचंद्र चटर्जी और बिस्मिल द्वारा स्थापित हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन के लिए मिशन चलाए।

अशफाक उल्लाह को 19 दिसंबर, 1927 को फैजाबाद जिला जेल में फांसी दे दी गई और वे अपने पीछे एक अनोखी विरासत छोड़ गए। अशफाक उल्लाह ने अपनी वसीयत अपने बड़े भाई रियासतुल्लाह खान के साथ साझा की, जिसमें कहा गया था कि परिवार में एक बच्चे का नाम अशफाक उल्लाह रखा जाए। अफाक उल्लाह बताते हैं कि फांसी के कुछ साल बाद मेरे पिता का जन्म हुआ, लेकिन उनका नाम अशफाक उल्लाह नहीं रखा जा सका, क्योंकि यह महसूस किया गया कि अशफाक उल्लाह की फांसी के इतने करीब नामकरण दुखद यादें ताजा कर देगा। इसलिए मेरे पिता का नाम इश्तियाक उल्लाह खान रखा गया। अशफाक साहब की वसीयत के अनुसार मेरे पिता के विवाह के बाद पैदा हुए पहले बच्चे का नाम अशफाक उल्लाह खान रखा गया।

ब्रीफ न्यूज

अरुणाचल में सुरक्षा बलों और उग्रवादियों के बीच गोलीबारी

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश के तिरप जिले में शनिवार तड़के उग्रवादियों और असम राइफल्स के जवानों के बीच गोलीबारी हुई। पुलिस ने बताया कि संदिग्ध नगा उग्रवादियों ने तड़के तीन से चार बजे के बीच लाजू के पास नोग्लो में असम राइफल्स के शिविर को निशाना बनाकर गोलीबारी की। तिरप के पुलिस अधीक्षक आदित्य ने बताया कि असम राइफल्स के जवानों ने हल्की मशीनगनों से जवाबी कार्रवाई की, जिससे हमलावर भाग गए।

बलूचिस्तान में 47 उग्रवादी मारे गए

पेशावर। पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने अफगानिस्तान सीमा के पास बलूचिस्तान प्रांत में पिछले दो दिनों में कम से कम 47 उग्रवादियों को मार गिराया है। पाकिस्तानी सेना के जनसंपर्क विभाग ने शनिवार को यह जानकारी दी। कहा कि सुरक्षा बलों ने सात-आठ अगस्त की दरमियानी रात झोब जिले के संबाजा क्षेत्र में अभियान चलाकर 33 उग्रवादियों को मार गिराया। इसके अलावा आठ-नौ अगस्त की दरमियानी रात अफगानिस्तान सीमा से लगे संबाजा के आसपास के क्षेत्रों में एक अन्य अभियान में 14 उग्रवादी मारे गए। आतंकवादियों के पास से हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक भी बरामद किए गए।

अटलांटा में गोलीबारी में पुलिस अफसर की मौत

अटलांटा। अटलांटा स्थित अमेरिकी रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र के मुख्यालय के बाहर शुक्रवार को एक व्यक्ति ने गोलीबारी कर दी। जिसमें एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गई। बाद में बंदूकधारी का शव भी परिसर के दूसरी ओर एक इमारत की दूसरी मंजिल पर पाया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एमोरी विश्वविद्यालय के निकट हुए इस हमले के कारण देश के सबसे प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थानों में से एक पर एक व्यापक कानून प्रवर्तन कार्रवाई की गई।

नासा अंतरिक्ष यात्री जिम लवेल का निधन

वाशिंगटन। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के कई अंतरिक्ष मिशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले जिम लवेल का 97 वर्ष की आयु में निधन हो गया। लवेल 1970 में चंद्रमा पर उतरने के अपने प्रयास को तकनीकी कारण छोड़ने के लिए मजबूर हुए थे। उन्होंने अपोलो 13 मिशन का नेतृत्व किया था। नासा की विज्ञप्ति के अनुसार लवेल का 7 अगस्त को इलिनोइस के लेक फ़ॉरेस्ट में निधन हो गया। उनकी मृत्यु का कारण अभी स्पष्ट नहीं है।

रूस के साथ सभी मोर्चों पर सहयोग जारी रखेगा भारत

डोभाल ने रूस के उप-प्रधानमंत्री से सैन्य-तकनीकी संबंधों पर चर्चा की

मॉस्को, एजेंसी

भारत ने दोहराया है कि बाहरी दबाव के बावजूद वह सभी मोर्चों पर रूस का सहयोग जारी रखेगा। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने रूस के प्रथम उपप्रधानमंत्री डेनिस मंतुरोव के साथ मुलाकात के दौरान ये प्रतिबद्धता दोहराई दोहराई। इस दौरान द्विपक्षीय सैन्य-तकनीकी संबंधों और रणनीतिक क्षेत्रों में संयुक्त परियोजनाओं के कार्यान्वयन पर चर्चा हुई।

डोभाल द्विपक्षीय ऊर्जा और रक्षा संबंधों पर महत्वपूर्ण वार्ता करने और इस वर्ष के अंत में राष्ट्रपति पुतिन की भारत यात्रा की तैयारी के लिए रूस में हैं। भारत स्थित रूसी दूतावास के अनुसार, डोभाल और मंतुरोव की मुलाकात शुक्रवार को हुई। दूतावास ने एक पोस्ट में कहा कि इस बैठक के दौरान भारत-रूस के बीच सैन्य-तकनीकी सहयोग से जुड़े मौजूदा मुद्दों पर चर्चा हुई। साथ ही असैन्य विमान निर्माण, धातु उद्योग और रासायनिक उद्योग जैसे अन्य रणनीतिक क्षेत्रों में संयुक्त परियोजनाओं को लागू करने पर भी बातचीत हुई।

रूसी सरकार की प्रेस सेवा ने एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि दोनों पक्षों ने रूस और भारत के बीच सैन्य-तकनीकी सहयोग के

रूस के प्रथम उपप्रधानमंत्री डेनिस मंतुरोव के साथ मुलाकात करते अजीत डोभाल।

सामयिक मुद्दों और नागरिक विमान, धातु विज्ञान और रासायनिक उद्योग समेत अन्य रणनीतिक क्षेत्रों में संयुक्त परियोजनाओं के कार्यान्वयन पर चर्चा की।

डोभाल ने बृहस्पतिवार को क्रेमलिन में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की थी और दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा की। मुलाकात के दौरान, उन्होंने बाहरी दबाव के बावजूद रूस के साथ सभी मोर्चों पर सहयोग जारी रखने की नयी दिल्ली की प्रतिबद्धता दोहराई। डोभाल की यात्रा ऐसे समय में हुई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक कार्यकारी आदेश जारी करके रूस से तेल खरीदने पर भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क लगाया है। इसके बाद कुल शुल्क 50 फीसदी हो गया है। सूत्रों के अनुसार, डोभाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से राष्ट्रपति पुतिन को इस वर्ष के अंत में भारत आने का निमंत्रण दिया। पुतिन ने आभार के साथ निमंत्रण स्वीकार कर लिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को राष्ट्रपति पुतिन से फोन पर बात की थी और इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत और रूस के बीच विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की थी।

ट्रंप का फिर दवा- मैंने परमाणु युद्ध जैसी स्थिति को रोका

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिर दावा किया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिन तक चले सैन्य संघर्ष के बाद स्थिति को संभाला था। जो एक परमाणु युद्ध में बदल सकता था। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में शुक्रवार को यह भी दावा किया कि इस संघर्ष के दौरान पांच या छह विमान मार गिराए गए थे। हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि ये विमान किस देश के थे, भारत या पाकिस्तान, या फिर वह दोनों देशों के कुल नुकसान की बात कर रहे थे। जबकि भारत यह कहता रहा है कि दोनों देशों (भारत-पाकिस्तान) ने अपनी सैन्य कार्रवाई आपसी बातचीत के जरिए रोकी थी और इसमें अमेरिका की कोई मध्यस्थता नहीं थी। ट्रंप ने यह बयान अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव और आर्मेनिया के प्रधानमंत्री निकोल पाशिनयान की मौजूदगी में दिया। ये तीनों नेता एक त्रिपक्षीय हस्ताक्षर समारोह में शामिल थे, जहां अमेरिका की मध्यस्थता में एक शांति समझौते पर दस्तखत किए गए।

15 अगस्त को अलास्का में होगी ट्रंप-पुतिन की मुलाकात

● यूक्रेन युद्ध खत्म करने पर बातचीत करना चाहते हैं ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि वह यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने के लिए संभावित शांति समझौते की शर्तों का पूर्वावलोकन करने के बाद अगले शुक्रवार को अलास्का में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात करेंगे।

ट्रम्प ने शुक्रवार को एक पोस्ट में कहा- अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में मेरे और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच बहुप्रतीक्षित मुलाकात अगले शुक्रवार, 15 अगस्त को अलास्का में होगी।

बताया कि बैठक से जुड़ीं जानकारियां जल्द बताई जाएंगी। ट्रम्प पहले ही कह चुके हैं कि वह पुतिन से जल्द मिलकर यूक्रेन युद्ध खत्म करने पर बातचीत करना चाहते हैं। अमेरिका और रूस के राष्ट्रपति आखिरी बार जून 2021 में मिले थे। उस वक्त तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और पुतिन ने जिनेवा में मुलाकात की थी।

यूक्रेन के खेरसॉन शहर में ड्रोन से हमला

यूक्रेन के शहर खेरसॉन के उपनगरीय इलाके में शनिवार को रूसी ड्रोन से एक मिनीबस पर हमले में दो लोगों की मौत हो गई और 16 घायल हो गए। खेरसॉन के गवर्नर ओलेक्सांद्र प्रोकुडिन ने यह जानकारी दी। जापोरिज्जिया के गवर्नर इवान फेडोरोव के अनुसार, क्षेत्र में एक रूसी ड्रोन के हमले में दो लोगों की मौत हो गई। यूक्रेन की वायु सेना ने शनिवार को कहा कि उसने रात में दागे गए 47 रूसी ड्रोनों में से 16 को नष्ट कर दिया, जबकि 31 ड्रोन 15 अलग-अलग जगहों पर गिरे। वायु सेना ने यह भी कहा कि उसने रूस द्वारा दागी गई दो मिसाइल में से एक को गिरा दिया। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसके हवाई सुरक्षा बलों ने शनिवार रात तक रूस और काला सागर के ऊपर 21 यूक्रेनी ड्रोन को नष्ट कर दिया।

अमेरिका-रूस वार्ता में यूक्रेन की भागीदारी जरूरी: जेलेंस्की

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच प्रस्तावित बैठक को खारिज करते हुए शनिवार को चेताया कि अगर कोई शांति समझौता कीव को शामिल किए बिना किया गया तो यह समाधान बेमानी होगा। अलास्का में शुक्रवार को होने वाली बैठक को लेकर संभावना जताई जा रही है कि इसमें कुछ सकारात्मक निष्कर्ष निकल सकता है। टेलीग्राम पर एक बयान में जेलेंस्की ने कहा कि संविधान में निहित यूक्रेन की क्षेत्रीय अखंडता से कोई समझौता नहीं हो सकता। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि स्थायी शांति के लिए वार्ता में यूक्रेन को भी शामिल किया जाना चाहिए। जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन रूस को उसकी करतूतों के लिए कोई इनाम थोड़े ही देगा और यूक्रेनवासी अपने जमीन को जबरन कब्जे करने वाले को नहीं देंगे। यूक्रेन की यह चिंता है कि पुतिन और ट्रंप की बैठक से कीव और यूरोपीय हितों को नजरअंदाज किया जा सकता है। इस पर जेलेंस्की ने कहा, ''यूक्रेन को शामिल किए बिना जो भी हल निकाले जाएंगे, वे शांति के खिलाफ होंगे।

झारखंड के शीर्ष अफसरों पर विशेषाधिकार हनन का केस

रांची, एजेंसी

● निशिकांत दुबे ने बैद्यनाथ मंदिर में जबरन प्रवेश की एफआईआर के बाद की लोस अध्यक्ष से शिकायत

भारतीय जनता पार्टी के सांसद निशिकांत दुबे ने शनिवार को लोकसभा अध्यक्ष से शिकायत कर मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक समेत झारखंड के कई अधिकारियों पर विशेषाधिकार हनन का मामला दर्ज किया है। दुबे ने यह कदम अपने खिलाफ धार्मिक भावनाओं को आहत करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज किए जाने के बाद उठाया।

झारखंड पुलिस ने भाजपा सांसद निशिकांत दुबे व मनोज तिवारी और अन्य के खिलाफ दो अगस्त को रात 8.45 बजे से नौ बजे के बीच देवघर

स्थित बाबा बैद्यनाथ मंदिर के गर्भगृह में जबरन प्रवेश करने और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप में पुजारी कार्तिकनाथ ठाकुर की शिकायत पर भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की थी।

पंजाब से 18 घंटे में अनंतनाग पहुंची सीमेंट से लदी मालगाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी

● कश्मीर तक मालगाड़ी पहुंचाना महत्वपूर्ण उपलब्धि : अश्विनी

उत्तर रेलवे ने शनिवार को पहली बार पंजाब के रूपनगर से कश्मीर के अनंतनाग तक सीमेंट ले जाने वाली मालगाड़ी चलाई। जोकि 600 किलोमीटर की यात्रा तय करके 18 घंटे में अनंतनाग पहुंची।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि अनंतनाग गुड्स शेड पहुंची मालगाड़ी कश्मीर घाटी को राष्ट्रीय माल नेटवर्क से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। वैष्णव ने एक्स पर पोस्ट किया कि आज (नौ अगस्त) को पहली मालगाड़ी पंजाब से कश्मीर घाटी में नवनिर्मित अनंतनाग गुड्स शेड पहुंची, जो कश्मीर क्षेत्र को राष्ट्रीय माल नेटवर्क से जोड़ने में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। रेलवे नेटवर्क द्वारा माल ढुलाई से कश्मीर घाटी में रहने वाले नागरिकों के लिए लागत कम हो जाएगी। उत्तर रेलवे ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि मालगाड़ी में सीमेंट के 21 बीसीएन वैगन थे। उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु उपाध्याय ने कहा लगभग 600 किलोमीटर की यह यात्रा 18 घंटे से भी कम समय में नवनिर्मित अनंतनाग गुड्स शेड पर समाप्त हुई। कहा कि सीमेंट लेकर पहली बार मालगाड़ी वहां पहुंची है। यह कश्मीर क्षेत्र में रसद और आर्थिक विकास के एक नए दौर का समर्थन करने को लेकर रेलवे की तत्परता को रेखांकित करता है। उपाध्याय के अनुसार, इस मालगाड़ी से पहुंचाए गए सीमेंट का इस्तेमाल घाटी में सड़कों, पुलों, सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और आवासीय भवनों के निर्माण में किया जाएगा।

नागासाकी में परमाणु हमले की 80वीं बरसी पर कार्यक्रम

नागासाकी, एजेंसी

जापान के नागासाकी में अमेरिका द्वारा किए गए परमाणु बम हमले की 80वीं बरसी पर स्मृति कार्यक्रम आयोजित हुए। इस हमले में जीवित बचे लोग इस दिशा में काम कर रहे हैं कि दुनिया के किसी भी हिस्से को इस तरह के हमले का सामना न करना पड़े।

हमले से बचे लोगों ने परमाणु हथियारों को खत्म करने के साझा लक्ष्य के लिए सार्वजनिक रूप से अपनी प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने यह भी चिंता जताई कि शनिवार को जहां एक तरफ इस हमले की बरसी

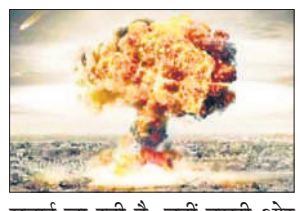

मनाई जा रही है, वहीं दूसरी ओर दुनिया विपरीत दिशा में जा रही है। अमेरिका ने नौ अगस्त 1945 को नागासाकी पर परमाणु बम गिराया था जिसमें करीब 70,000 लोगों की जान चली गई थी। इससे तीन दिन पहले छह अगस्त को हिरोशिमा पर गिराए गए परमाणु बम से लगभग 1,40,000 लोग मारे गए थे।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 10 अगस्त, रविवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-भाद्रपद, पक्ष-कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा 12.09 तक तत्पश्चात द्वितीया।

आज का पंचांग

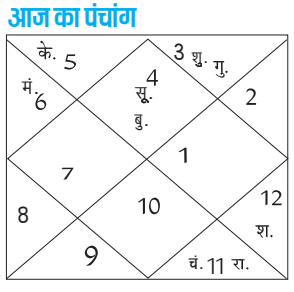

दिशाशूल- पश्चिम, ऋतु- वर्षा। चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, कन्या, धनु, कुम्भ।

ताराबल- भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती। नक्षत्र-धनिष्ठा 13.52 तत्पश्चात शतभिषा।

मेष आज आपकी कार्यकुशलता में वृद्धि होगी। काम की उलझनों के कारण आप फंस सकते हैं। शरीर में थकावट और कमजोरी हो सकती है। प्रेम संबंधों में एक दूसरे की भावनाओं का ध्यान रखें। शाम से पहले आवश्यक कार्यों को पूर्ण कर लेना हितकर होगा।

वृष आज स्वजन आपका प्रोत्साहन बढ़ायेंगे। पिता के प्रति आदर का भाव बढ़ेगा। दिखावे के लिए धन खर्च कर सकते हैं। जरूरतमन्द लोगों की मदद करेंगे। अव्यवहारिक लक्ष्य प्राप्त करने का प्रयास करेंगे। समय की अनुकूलता का लाभ उठायें।

मिथुन आज नई नौकरी आरंभ करने के लिए समय उत्तम है। प्रतियोगी परीक्षाओं में आपका प्रदर्शन उत्कृष्ट रहने वाला है। लोगों के बीच आपके संपर्क का दायरा बढ़ेगा। कारोबार में इच्छित परिणाम प्राप्त होंगे। व्यवसाय में आपकी स्थिति मजबूत होगी।

कर्क आज परिवार में आपके सदगुणों की प्रशंसा होगी। बड़े-बुजुर्गों के लिए उपहार खरीद सकते हैं। जल्दबाजी और क्रोध के कारण काम रुक सकते हैं। मन में अभिनव विचार जन्म लेंगे। अपनी सोच का दायरा विस्तृत रखें।

सिंह आज आप कहीं घूमने जा सकते हैं। अनावश्यक खर्चों की चिंता मन में रहेगी। नकारात्मक बातों को ज्यादा तूल न दें। अधीनस्थ कर्मचारियों पर अधिक विश्वास न करें। छोटी-छोटी बातों पर क्रोध करने से बचें। जीवनसाथी को पर्याप्त समय देंगे।

कन्या आज घर का वातावरण अनुशासित और मर्यादित रहने वाला है। रिश्तेदारों से शुभ समाचार मिल सकते हैं। परिजनों की अपेक्षाओं पर खरे उतरेंगे। राजनीतिक संपर्क मजबूत होंगे। विरोधियों के ऊपर विजय प्राप्त होगी।

तुला आज आपकी मन :स्थिति विचलित हो सकती है। स्वार्थी व्यवहार के कारण लोग आपसे खिन्न हो सकते हैं। अपने खानपान को संयमित रखें। अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जिम्मेदारियों के बोझ तले दब सकते हैं। मांगलिक कार्य की योजना बनायेंगे।

वृश्चिक आज अपनी रुचि के अनुसार काम करने का प्रयास करें। आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आपके अधिकार बढ़ने के योग बन रहे हैं। शत्रुओं के ऊपर आप भारी पड़ेंगे। महिलाओं का स्वास्थ्य बहुत अच्छा रहेगा। लोग आपके प्रति सहानुभूति रखेंगे।

धनु आज पैतृक संपत्ति प्राप्त होने के योग बन रहे हैं। जोड़ों में दर्द की शिकायत हो सकती है। अनैतिक कार्यों से आपको दूरी बनाकर रखनी चाहिए। आपको लोन और कर्ज लेने से बचना चाहिये। प्रेमी जन के साथ संबंध मधुर रहने वाला है।

मकर आज वैवाहिक जीवन सामान्य रहेगा। पुराने मामलों का निपटारा हो सकता है। किसी सामाजिक कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं। आय के साधनों में वृद्धि होगी। आज मेहनत में कमी हो सकती है। घर के कार्यों में मन नहीं लगेगा।

कुंभ आज अपनी दिनचर्या में बदलाव कर सकते हैं। ट्रांसपोर्ट से जुड़े व्यवसाय में अच्छी आय बढ़ सकती है। मनोरंजक गतिविधियों की ओर आप आकर्षित रहेंगे। विदेश यात्रा में आ रही रुकावट दूर होगी। मानसिक रूप से शांति का अनुभव करेंगे।

मीन आज दिन की शुरुआत थोड़ी कमजोर हो सकती है। अधूरे कार्यों को पूरा करने के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। काम की उलझनों में आप फँस सकते हैं। अपरिचित लोगों से अधिक मेलजोल न रखें। बच्चों की पढ़ाई पर ध्यान दें। परिजनों के व्यवहार से मन प्रसन्न रहेगा।

सुडोकू-65

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1	5					8		2
		6			4			
	8					7	6	
	4		1		5			8
		3				9		
8			6		2		4	
	6	8					9	3
			7			2		
2		9					7	5

सुडोकू - 64 का हल

1	6	3	2	8	5	7	9	4
4	8	2	6	7	9	3	5	1
5	7	9	1	4	3	6	2	8
2	1	5	4	3	6	9	8	7
9	4	7	8	5	1	2	6	3
8	3	6	7	9	2	1	4	5
3	5	1	9	2	4	8	7	6
7	2	4	3	6	8	5	1	9
6	9	8	5	1	7	4	3	2

मुझे लगता है कि गंभीर को अपनी भाषा में थोड़ा नरमी बरतनी चाहिए थी। वह बेहतर भाषा का इस्तेमाल कर सकते थे, पर वास्तविकता यह है कि उनकी टीम सबसे महत्वपूर्ण टेस्ट मैच से पहले अभ्यास करना चाहती थी।
-मैथ्यू हेडन

स्टेडियम

बरेली, रविवार, 10 अगस्त 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

गोल्फर अहलावत ने पार किया कट

एबेरडीन (स्कॉटलैंड) : भारतीय गोल्फर वीर अहलावत ने यहां डीपी वर्ल्ड टूर पर नेक्सो चैंपियनशिप के दूसरे दौर में इवन पार के कार्ड के साथ कट हासिल किया। अहलावत ने अपने पहले दौर के 73 के कार्ड में 72 के कार्ड का इजाफा किया जिससे दो दिन में उनका स्कोर एक ओवर हो गया। इससे वह संयुक्त 25वें स्थान पर हैं। अहलावत ने दूसरे दौर में तीन बर्डी लगाईं और तीन बोगी कर बैठे। वहीं साथी भारतीय शुभंकर शर्मा (75-80) कट हासिल करने से चूक गए। वह लगातार 10वें टूर्नामेंट में कट से चूक गए।

दीक्षा लंदन चैंपियनशिप में 10वें स्थान पर रहीं

लंदन (ब्रिटेन) : भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर ने डबल बोगी से उबरते हुए आखिरी चार होल में दो बर्डी लगाकर पीआईएफए लंदन चैंपियनशिप के पहले दिन तीन अंडर 70 का कार्ड खेला। लेडीज यूरोपियन टूर टूर्नामेंट के पार-73 कोर्स में इस कार्ड से वह संयुक्त रूप से 10वें स्थान पर थीं। वहीं अन्य भारतीयों में अदिति अशोक (73) संयुक्त 37वें, प्रणवी उर्स (75) संयुक्त 67वें और अवनि प्रशांत (76) संयुक्त रूप 75वें स्थान पर रहीं। अदिति ने चार बर्डी लगाई और इतनी ही बोगी कर बैठीं जबकि प्रणवी ने दो ओवर 75 के कार्ड में पांच बर्डी, तीन बोगी और दो डबल बोगी लगाई। अवनि ने 76 होल में एक बर्डी लगाई और चार बोगी कर बैठीं।

पाउला अमेरिकी ओपन से हटी

न्यूयॉर्क : पाउला बडोसा ने पीठ की चोट के कारण शुक्रवार को अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया। वह 30 जून को विंबलडन में पहले दौर में हार के बाद से चोट से जूझ रही थीं। अमेरिकी टेनिस संघ ने बडोसा के हटने की घोषणा की और कहा कि उनकी जगह जिल टेचमैन को मुख्य ड्रॉ में शामिल किया गया है। अमेरिकी ओपन के मुख्य ड्रॉ के मैच 24 अगस्त को शुरू होंगे। स्पेन की 27 वर्षीय बडोसा 2022 में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग नंबर दो पर पहुंची थी। वह अभी विश्व रैंकिंग में 12वें स्थान पर हैं। वह पिछले साल अमेरिकी ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंची थी।

हरियाणा, उत्तर प्रदेश सेमीफाइनल में

काकीनाडा (आंध्र प्रदेश) : हरियाणा, छत्तीसगढ़, झारखंड और उत्तर प्रदेश ने शनिवार को यहां हॉकी इंडिया जूनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के डिवीजन ए के सेमीफाइनल में जगह बनाई। हरियाणा ने दिन के पहले क्वार्टर फाइनल में ओडिशा पर 4-1 से शानदार जीत दर्ज की। उसकी तरफ से काजल, सुप्रिया, कप्तान शशि खासा और सादी ने गोल किए। ओडिशा के लिए एकमात्र गोल अमीषा एक्का ने किया। छत्तीसगढ़ ने मध्य प्रदेश के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट में 2-1 से जीत हासिल की। झारखंड ने पंजाब को 3-1 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। एक अन्य क्वार्टर फाइनल में उत्तर प्रदेश ने महाराष्ट्र पर 2-1 से जीत दर्ज की।

बोडोलैंड जीता, पंजाब डूरंड कप से बाहर

कोकराझार (असम) : कोलंबियाई फुटबॉलर रॉबिन्सन ब्लैंडन रेंडन के दूसरे हाफ में किए गए गोल की बदौलत बोडोलैंड एफसी ने शनिवार को यहां पंजाब एफसी को 1-0 से हराकर डूरंड कप से बाहर कर दिया। इस जीत से स्थानीय टीम टूर्नामेंट के ग्रुप डी में शीर्ष पर भी पहुंच गई। पंजाब एफसी ने ग्रुप चरण का अभियान दो मैच में चार अंकों के साथ समाप्त किया जबकि बोडोलैंड एफसी के दो मैचों में छह अंक हैं।

एरिगेसी तीसरे दौर के बाद दूसरे स्थान पर

चेन्नई : भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी अमेरिकी ग्रैंडमास्टर रे रॉबसन को हराकर क्वांटबॉक्स चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स के तीसरे दौर के बाद अकेले दूसरे स्थान पर बने हुए हैं जबकि अमेरिकी ग्रैंडमास्टर रे रॉबसन शीर्ष पर काबिज हैं। मास्टर्स वर्ग में राउंड-रॉबिन प्रतियोगिता में छह दौर और बाकी हैं। पांचवें नंबर के खिलाड़ी एरिगेसी के 2.5 अंक हैं जबकि कीमर क्लासिकल शतरंज टूर्नामेंट में कार्तिकेयन मुरली के खिलाफ एक और जीत हासिल करने के बाद तीन अंक के परफेक्ट स्कोर के साथ शीर्ष पर बने हुए हैं।

अंतिम टेस्ट मैच से पहले पिच पर क्या कर रहे थे क्यूरेटर

गंभीर से हुई थी तीखी बहस, हेडन बोले- इंग्लैंड में क्यूरेटरों का दबदबा आम

मेलबर्न, एजेंसी

आस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज मैथ्यू हेडन का मानना है कि भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच से पहले ओवल के क्यूरेटर के साथ तीखी बहस के दौरान अपनी भाषा में नरमी बरत सकते थे।

पांचवें टेस्ट से पहले गंभीर की ओवल के मुख्य क्यूरेटर ली फोर्टिस के साथ तीखी बहस हुई थी और उन्हें मैदानकर्मियों पर उंगली उठाते हुए यह कहते सुना गया था कि आप हमें यह नहीं बता सकते कि हमें क्या करना चाहिए।

हेडन ने ऑल ओवर बार द क्रिकेट कार्यक्रम में कहा वे (क्यूरेटर) पिचों को लेकर बचाव की मुद्रा में हो सकते हैं। इंग्लैंड में यह आम बात है। यह उनका अपना मैदान है और हम अंतिम टेस्ट मैच खेलने जा रहे हैं। ऐसे में वे गौतम गंभीर के लिए मुश्किलें खड़ी करने की कोशिश करेंगे। हेडन ने कहा लेकिन मुझे लगता है कि उन्हें अपनी भाषा में थोड़ा नरमी बरतनी चाहिए थी। वह बेहतर भाषा का इस्तेमाल कर सकते थे। लेकिन वास्तविकता यह है कि उनकी टीम सबसे महत्वपूर्ण टेस्ट मैच से पहले अभ्यास करना चाहती थी। चौथे टेस्ट के बाद इंग्लैंड श्रृंखला में 2-1 से आगे चल रहा था और भारत को पांच मैचों की एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी को ड्रॉ कराने के लिए जीत की दरकार थी। भारत ने आखिर में यह मैच जीत कर श्रृंखला बराबर की थी। भारत के बल्लेबाजी कोच सीतांशु कोटक के अनुसार, यह बहस तब शुरू हुई जब फोर्टिस ने भारतीय कोचिंग स्टाफ को मुख्य पिच से 2.5 मीटर दूर रहने को कहा, जबकि उन्होंने कील वाले जूते नहीं पहन रखे थे। गंभीर ने तब जवाब दिया था आप हममें से किसी को यह नहीं बता सकते कि हमें क्या करना है। आपको हमें बताने का कोई अधिकार नहीं है। आप सिर्फ एक मैदानकर्मी हैं, इससे ज्यादा कुछ भी नहीं।

ओवल में भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर और क्यूरेटर के बीच बहस का दृश्य। एजेंसी (फाइल फोटो)

फिट होने के लिए रिहैबिलिटेशन का विकल्प चुन सकते हैं वोक्स

लंदन : इंग्लैंड के तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स इस साल के अंत में होने वाली एशेज श्रृंखला तक फिट होने के लिए कंधे की सर्जरी कराने के बजाय रिहैबिलिटेशन का विकल्प चुन सकते हैं। वोक्स भारत के खिलाफ ओवल में खेले गए पांचवें और अंतिम टेस्ट के दौरान चोटिल हो गए थे। उनके कंधे पर चोट लगी थी। इस 36 वर्षीय खिलाड़ी का स्कैन हो चुका है और वह नतीजों का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन उनका मानना है कि आठ सप्ताह का रिहैबिलिटेशन कार्यक्रम उन्हें 21 नवंबर से पर्थ में होने वाले पहले टेस्ट के लिए तैयार कर सकता है। वोक्स ने बीबीसी स्पोर्ट से कहा मैं यह देखने के लिए इंतजार कर रहा हूं कि चोट कितनी गंभीर है लेकिन मुझे लगता है कि विकल्प सर्जरी या रिहैबिलिटेशन हो सकता है। मैं मानता हूं कि यह चोट मुझे दोबारा परेशान कर सकती है, लेकिन मुझे लगता है कि यह एक ऐसा जोखिम हो सकता है जिसे आप लेने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा मैंने फिजियो और विशेषज्ञों से जो सुना है, उसके अनुसार सर्जरी के बाद फिट होने में लगभग चार महीने या तीन से चार महीने लगेंगे। जाहिर है, यह एशेज और ऑस्ट्रेलिया से जुड़ा है, इसलिए यह मुश्किल है। रिहैबिलिटेशन में आठ सप्ताह का समय लगेगा इसलिए यह एक विकल्प हो सकता है लेकिन मैं कोई भी फैसला रिपोर्ट आने के बाद करूंगा।

ऑस्ट्रेलिया ए ने महिला टी20 में भारत ए को हराया

मैकॉय (ऑस्ट्रेलिया) : तेज गेंदबाज किम गार्थ की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की मदद से ऑस्ट्रेलिया ए ने भारत ए को दूसरे अनधिकृत टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में 114 रन से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। भारत ए ने टॉस जीता और क्षेत्ररक्षण का फैसला किया, लेकिन यह सही साबित नहीं हुआ और ऑस्ट्रेलिया ए की टीम चार विकेट पर 187 रन बनाने में सफल रही।

उसकी पारी का आकर्षण कप्तान एलिसा हीली की 44 गेंद पर खेली गई 70 रन की पारी थी। इसके जवाब में बाएं हाथ की स्पिनर राधा यादव की अगुवाई वाली भारतीय टीम किसी भी समय लक्ष्य तक पहुंचाने की स्थिति में नहीं दिखी और 15.1 ओवर में 73 रन पर आउट हो गई। हीली की ताहलिया विल्सन (35 गेंदों पर 43 रन) के साथ 95 रन की साझेदारी से ऑस्ट्रेलिया की टीम ने मजबूत नींव रखी। इन दोनों के अलावा अनिका लियरॉयड (35) और कोर्टनी वेब (नाबाद 26) ने भी उपयोगी योगदान दिया।

भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने आक्रामक सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा और उनकी सलामी जोड़ीदार उमा छेत्री के विकेट तब गंवा दिए जब टीम का स्कोर केवल तीन रन था। भारत इससे उबर नहीं पाया और उसे बड़ी हार का सामना करना पडा।

भारत की केवल दो खिलाड़ी दोहरे अंक तक पहुंच सकीं, जिनमें वृंदा दिनेश और मिन्नू ने क्रमशः 21 और 20 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया ए की 29 वर्षीय तेज़ गेंदबाज़ गार्थ ने तीन ओवर में सात रन देकर चार विकेट लिए।

जीत दर्ज करने के बाद जश्न मनाती न्यूजीलैंड की टीम। एजेंसी

न्यूजीलैंड ने जिम्बाब्वे को पारी और 359 रनों से रौंदा

बुलावायो (जिम्बाब्वे), एजेंसी

- रिकॉर्ड बनाने के साथ 2-0 से जीती श्रृंखला

न्यूजीलैंड ने शनिवार को यहां दूसरे टेस्ट मैच में जिम्बाब्वे को पारी और 359 रन से रौंदकर अपनी अब तक की सबसे बड़ी टेस्ट जीत दर्ज करने के साथ श्रृंखला 2-0 से अपने नाम की। जिम्बाब्वे की टीम 476 रनों से पिछड़ रही थी और न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजी आक्रमण के सामने तीसरे दिन पहले सत्र में दूसरी पारी में 117 रन पर सिमट गई।

न्यूजीलैंड ने पहली पारी तीन विकेट पर 601 रन पर घोषित की थी और जिम्बाब्वे ने पहली पारी में 125 रन बनाए थे। पदार्पण कर रहे तेज गेंदबाज जकारी फाउलक्स ने पहली पारी में चार विकेट लेने के बाद दूसरी पारी में 37 रन देकर पांच विकेट लिए। वह अपने यादगार पदार्पण टेस्ट में 10 विकेट लेने से एक विकेट से चूक गए। लेकिन फिर भी फाउलक्स का मैच 75 रन देकर नौ विकेट झटकने का प्रदर्शन टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाले न्यूजीलैंड के गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा और उन्होंने पिछले साल हैमिल्टन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विल ओरूर्के के एक मैच में 93 रन देकर नौ विकेट लेने के आंकड़े को पीछे छोड़ दिया। तेज गेंदबाज मैट हेनरी (16 रन देकर दो विकेट), जैकब डफी (28 रन देकर दो विकेट) और मैथ्यू फिशर (22 रन देकर एक विकेट) ने जिम्बाब्वे को 28.1 ओवर में श्रृंखला में उसके न्यूनतम स्कोर पर आउट कर दिया। जिम्बाब्वे के लिए सिर्फ दो बल्लेबाज दोहरे अंक तक पहुंच सके। तीसरे नंबर के बल्लेबाज निक वेल्च 71 गेंद पर 47 रन बनाकर नाबाद रहे। कप्तान क्रेग इर्विन (17) दोहरे अंक तक पहुंचने वाले दूसरे बल्लेबाज रहे। न्यूजीलैंड ने दूसरे दिन के अंत में तीन विकेट पर 601 रन के विशाल स्कोर पर अपनी पहली पारी घोषित की थी जिसमें रचिन रविंद्र (165) और हेनरी निकोल्स (150) ने चौथे विकेट के लिए 256 रन की ताबड़तोड़ साझेदारी की। डेवोन कॉनवे (153) ने भी दो साल से ज्यादा समय बाद पहला टेस्ट शतक बनाया। यह जिम्बाब्वे के खिलाफ न्यूजीलैंड का सर्वोच्च स्कोर है।

टी20 विश्व कप में हेड के साथ पारी की शुरुआत करेंगे मार्श

डार्विन (ऑस्ट्रेलिया), एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया की टी20 टीम के कप्तान मिचेल मार्श ने पुष्टि की है कि वह निकट भविष्य में ट्रेविस हेड के साथ पारी की शुरुआत करेंगे क्योंकि उनकी टीम अगले साल होने वाले विश्व कप से पहले आदर्श संयोजन तैयार करना चाहती है। मार्श का 2021 में टी20 विश्व कप में तीसरे नंबर पर उतरना निर्णायक साबित हुआ था। उन्होंने फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलिया को अपना पहला खिताब दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

अब टी-20 टीम की कमान संभाल रहे इस 33 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि वह पिछले महीने वेस्टइंडीज के खिलाफ सभी पांच मैचों में पारी का आगाज करने के बाद शीर्ष क्रम में बने रहेंगे। कैरेबियाई दौरे से पहले उन्होंने ऐसा सिर्फ एक बार किया था। मार्श ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 सीरीज से पहले शुक्रवार को संवाददाताओं से कहा निकट भविष्य में मैं और हेडी पारी की शुरुआत करेंगे। हम दोनों ने एक दूसरे के साथ काफी क्रिकेट खेली है और हमारे बीच बहुत अच्छा तालमेल है।

विश्व कप को ध्यान में रखते हुए खिलाड़ियों को अपनी भूमिका सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है। हालांकि मार्श और हेड ने अभी तक टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में एक साथ पारी की शुरुआत नहीं की है, लेकिन वनडे जोड़ी के रूप में उनका रिकॉर्ड शानदार है। उन्होंने पांच पारियों में 70.50 की शानदार औसत से 282 रन बनाए हैं। पिछले साल टी-20 विश्व कप के बाद डेविड वार्नर के संन्यास लेने के बाद से ऑस्ट्रेलिया ने खेल के सबसे छोटे प्रारूप में कई सलामी बल्लेबाजों को आजमाया है, जिनमें मैथ्यू शॉर्ट, ग्लेन मैक्सवेल, जेक फ्रेजर-मैकगर्क शामिल हैं। भारत और श्रीलंका अगले वर्ष फरवरी में टी-20 विश्व कप की संयुक्त मेजबानी करेंगे।

ऑस्ट्रेलिया की टी20 टीम के कप्तान मिचेल मार्श व ट्रेविस हेड। एजेंसी

पाकिस्तान ने वनडे में वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हराया

टारूबा (त्रिनिदाद) : हसन नवाज की नाबाद 63 रन की पारी की मदद से पाकिस्तान ने पहले एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हरा दिया। वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 49 ओवर में सभी विकेट गंवाकर 280 रन बनाए। पाकिस्तान ने इसके जवाब में 48.5 ओवर में पांच विकेट पर 284 रन बनाकर जीत दर्ज की।

पाकिस्तान ने इससे पहले वेस्टइंडीज के खिलाफ फ्लोरिडा में खेली गई टी-20 सीरीज 2-1 से जीती थी। नवाज ने अपनी पारी में पांच चौके और तीन छक्के लगाए। उनके अलावा पाकिस्तान की तरफ से कप्तान मोहम्मद रिजवान ने 53, बाबर आजम ने 47 और हुसैन तलत ने नाबाद 41 रन का योगदान दिया। इससे पहले, वेस्टइंडीज के लिए एविन लुईस (60), कप्तान शाई होप (55) और रोस्टन चेज़ (53) ने अर्धशतक जमाए। पाकिस्तान की तरफ से अफरीदी ने 51 रन देकर चार और नसीम शाह ने 55 रन देकर तीन विकेट लिए।

बुधियाल ने सर्फिंग में रचा इतिहास

चेन्नई, एजेंसी

शीर्ष भारतीय सर्फर रमेश बुदिहाल ने महाबलीपुरम में आयोजित एएसएफ एशियाई सर्फिंग चैंपियनशिप 2025 के फाइनल में पहुंचने वाला पहला भारतीय बनकर इतिहास रच दिया। इस स्पर्धा के छठे दिन शानदार प्रदर्शन, असाधारण प्रदर्शन और एक ऐसा क्षण देखने को मिला जो भारत के खेल इतिहास में हमेशा के लिए अंकित हो जाएगा।

कल चार भारतीय सर्फरों के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के अभूतपूर्व प्रदर्शन के बाद, आज सभी की निगाहें महाबलीपुरम के प्रसिद्ध राइट-हैंड पॉइंट ब्रेक पर थीं क्योंकि प्रतियोगिता निर्णायक नॉकआउट चरणों में प्रवेश कर गई। ओपन पुरुष क्वार्टरफाइनल और सेमीफाइनल, ओपन महिला सेमीफाइनल, अंडर-18 लड़कों के क्वार्टरफाइनल और अंडर-18 लड़कियों के क्वार्टरफाइनल जैसे प्रमुख हीट के साथ, यह दिन नॉकआउट मुकाबलों, उच्च दबाव वाले प्रदर्शनों और इतिहास रचने वाले क्षणों से भरा रहा। टीम इंडिया ने ओपन पुरुष क्वार्टरफाइनल में तीन सर्फरों के साथ दिन की शुरुआत की और यह एक ऐसा दिन बन गया जो भारतीय सर्फिंग इतिहास में दर्ज हो जाएगा।

भारत के शीर्ष सर्फर, रमेश बुदिहाल ने क्वार्टरफाइनल हीट 1 में दबाव में लहरों के चयन और संयम का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और नील सांचेज (पीएचएल) - 12.80 को पीछे छोड़ते हुए पहला स्थान हासिल किया। सेमीफाइनल में आगे बढ़ते हुए, रमेश ने एक सटीक समय पर, उच्च स्कोरिंग प्रदर्शन के साथ अपनी गति बनाए रखी जिससे उन्हें एक तनावपूर्ण हीट में दूसरा स्थान मिला और उन्होंने फाइनल में जगह पक्की कर ली - किसी महाद्वीपीय चैंपियनशिप में यह उपलब्धि हासिल करने वाले वे पहले भारतीय सर्फर बन गए। भारत के किशोर कुमार (10.50) ने क्वार्टरफाइनल हीट 4 में कड़ी टक्कर दी, जिसमें उन्होंने कठिन मोड़ और महत्वपूर्ण चालें चलीं।

एशियाई सर्फिंग चैंपियनशिप 2025

शीर्ष भारतीय सर्फर रमेश बुदिहाल। एजेंसी

10 भारतीय मुक्केबाजों ने फाइनल में जगह बनाई

अंडर-19 एशियाई चैंपियनशिप

बैंकॉक, एजेंसी

सात महिलाओं सहित दस भारतीय मुक्केबाज शुक्रवार को बैंकॉक, थाईलैंड में चल रही अंडर-19 एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2025 में अपने-अपने सेमीफाइनल मुकाबलों में शानदार जीत दर्ज करने के बाद स्वर्ण पदक के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। महिला मुक्केबाज निशा (54 किग्रा), मुस्कान (57 किग्रा), विनी (60 किग्रा), निशा (65 किग्रा), आरती कुमारी (75 किग्रा), पार्ची टोकस (80+ किग्रा) के साथ-साथ पुरुषों की स्पर्धा में मौसम सुहाग (65 किग्रा), राहुल कुंडू (75 किग्रा) और हेमंत सांगवान (90 किग्रा) फाइनल में पहुंच गए हैं। कृतिका (80 किग्रा) को सीधे फाइनल में प्रवेश मिला है।

अंडर-19 और अंडर-22 एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप, जो एक साथ आयोजित की जा रही हैं, जो भारत के उभरते सितारों को एशिया के कुछ सबसे कठिन प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ अपने कौशल और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन करने का एक मंच प्रदान करती हैं। भारत ने 40 मुक्केबाजों का एक मजबूत दल उतारा है - प्रत्येक आयु वर्ग में 20 - जिसमें सिद्ध चैंपियन और घरेलू सर्किट में प्रभावित करने वाली संभावित प्रतिभाओं का एक बेहतरीन मिश्रण है। भारत ने अंडर-22 वर्ग में भी 13 पदक पक्के कर लिए हैं, जिसमें पांच मुक्केबाज स्वर्ण पदक के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। 54 किग्रा सेमीफाइनल में, निशा ने जापान की हिमारी वतनबे पर पूरी तरह से दबदबा बनाते हुए 5:0 से जीत हासिल की।

फुटबॉल महासंघ रेफरियों के अनुबंध का नवीनीकरण करेगा

नई दिल्ली : आगामी इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) सत्र के भविष्य को लेकर अनिश्चितता से जूझ रहे अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने शनिवार को अपने रेफरियों को आश्वासन दिया कि उनके अनुबंध स्थापित प्रक्रिया के अनुसार नवीनीकृत किए जाएंगे।

एआईएफएफ ने कहा कि उसे पांच अगस्त को नौ रेफरियों का एक संयुक्त पत्र मिला जिसमें 31 अगस्त को समाप्त होने वाले उनके पेशेवर मैच आधिकारिक अनुबंधों को बढ़ाने का अनुरोध किया गया था। एआईएफएफ ने नोटिस में कहा एआईएफएफ यह आश्वासन देना चाहता है कि इन अनुबंधों का नवीनीकरण स्थापित प्रक्रियाओं के अनुसार किया जाएगा जो एलीट रेफरी विकास कार्यक्रम की मौजूदा प्रक्रिया के अधीन होगा। महासंघ ने कहा, एआईएफएफ सभी पक्षों से शांत रहने का आग्रह करता है क्योंकि प्रतियोगिताएं चल रही हैं।

प्रतिस्पर्धा | भारत के अन्य कंपाउंड तीरंदाजों ने किया निराशाजनक प्रदर्शन

विश्व खेल में ऋषभ यादव ने जीता कांस्य पदक

चेंगदू (चीन), एजेंसी

युवा ऋषभ यादव के कांस्य पदक को छोड़कर भारतीय कंपाउंड तीरंदाजों के लिए विश्व खेलों में शनिवार का दिन निराशाजनक रहा जबकि शीर्ष वरीयता प्राप्त मिश्रित टीम शुरुआती दौर में ही हार गई।

कोई भी महिला तीरंदाज पोडियम तक नहीं पहुंच सकी। 10वीं वरीयता प्राप्त यादव ने पुरुषों के व्यक्तिगत कंपाउंड कांस्य पदक मैच में अपने सीनियर साथी और कई विश्व कप स्वर्ण पदक विजेता अभिषेक वर्मा को 149-147 से हराकर शानदार प्रदर्शन किया। सेमीफाइनल में यादव को अमेरिकी कर्टिस ली ब्रॉडनेक्स से 145-147 से हार का सामना करना पड़ा था जबकि वर्मा को नीदरलैंड के शीर्ष वरीय माइक श्लोएसर से 145-148 से हार मिली थी। महिला व्यक्तिगत कंपाउंड वर्ग में भारत की चुनौती क्वार्टर फाइनल में समाप्त हो गई। 12वीं वरीय परनीत कौर को कोलंबिया की चौथी वरीय अलेजांद्रा उस्क्विआनो से 140-145 से हार मिली जबकि तीसरी वरीय मधुरा धामनगांवकर को एस्टोनिया की छठी वरीय लिसेल जाटमा से 145-149 से पराजय का सामना करना पड़ा।

भारतीय दल को सबसे बड़ी निराशा मिश्रित कंपाउंड स्पर्धा में हुई। क्वालीफिकेशन राउंड में शीर्ष पर रहने के बाद वर्मा और मधुरा की भारतीय जोड़ी प्रबल दावेदार दिख रही थी लेकिन पहले ही दौर में अपनी चिर-प्रतिद्वंद्वी दक्षिण कोरिया से हार गई।

भारतीय जोड़ी मून यिउन और ली यून्हो से 151-154 से पराजित हो गई। इस शिकस्त से भारतीय अभियान समाप्त हो गया।

मिश्रित स्पर्धा का परिणाम रहा चिंताजनक

- मिश्रित स्पर्धा का यह परिणाम विशेष रूप से चिंताजनक था क्योंकि आठ टीमों के ड्रॉ में पदक हासिल करने के लिए केवल दो जीत की जरूरत थी। मिश्रित कंपाउंड टीम स्पर्धा लॉस एंजिल्स 2028 में ओलंपिक में पदार्पण करने वाली है। ऐसे में इस शुरुआती हार ने दबाव से निपटने की समस्याओं और रणनीतिक कमियों को उजागर कर दिया है जो शीर्ष स्तर पर भारतीय तीरंदाजों की समस्या रही हैं। डेनमार्क के मैथियास फुलर्टन और सोफी लुईस डैम मार्कुसेन ने मेक्सिको को 156-155 से हराकर कंपाउंड मिश्रित टीम का खिताब जीत लिया।